हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 7, अंकः 300, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 | 24 अप्रैल, 2023 दिन सोमवार | गाजीपुर/वाराणसी

राजनेता, कवि व समाज सुधारक बसवेश्वर के विचार मानवता की सेवा के लिए करते हैं प्रेरित

पीएम मोदी ने बसव जयंती पर बसवेश्वर को दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को राजनेता, कवि और समाज सुधारक बसवेश्वर को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि उनके विचार और आदर्श मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देते हैं। पीएम मोदी ने ट्वीट किया, "आज बसवा जयंती के पावन अवसर पर, मैं जगद्गुरु बसवेश्वर को नमन करता हूं, जिनके विचार और आदर्श हमें मानवता की सेवा करने की प्रेरणा देते हैं। उन्होंने दलितों को सशक्त बनाने और एक मजबूत तथा समृद्ध समाज के निर्माण पर काफी जोर दिया।" कर्नाटक विधानसभा चुनाव प्रचार के बीच सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी कांग्रेस दोनों ही राज्य में 12वीं शताब्दी के श्रद्धेय कन्नडिगा की जयंती मनाएगी। दरअसल, कर्नाटक को वह जगह है, जहां लिंगायत सबसे बड़ा समुदाय है। संत बसवेश्वर का जन्म 1131 ईसवी में बागेवाडी के ब्राह्मण परिवार में हुआ था। हालांकि, उन्होंने कुछ समय बाद अपना घर त्याग दिया और बसवेश्वरा यहां से कुदालसंगम (लिंगायतों का प्रमुख तीर्थ स्थल) पहुंचे, जहां उन्होंने सर्वांगीण शिक्षा हासिल की। बसवेश्वर को समाज की बिगड़ी हुई सामाजिक-आर्थिक दशा की चिंता थी। छुआछूत का व्यापक असर था और लैंगिक भेदभाव वाले समाज में महिलाओं का जीवन नारकीय बना हुआ था। बसवेश्वर ने वीरशैव लिंगायत समाज बनाया, जिसमें सभी धर्म के प्राणियों को लिंग धारण कर एक करने की कोशिश की। बसवेश्वर को 'भक्ति भंडार बसवन्न', 'विश्वगुरु बसवण्ण' और 'जगज्योति बसवण्ण' के नाम से भी जाना जाता है। बसवेश्वरा, लिंग और जातिगत भेदभाव के खिलाफ खड़े थे। उन्हें लिंगायत वाद के उदय का मुख्य प्रेरक शक्ति माना जाता है।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री का बड़ा बयान, बोले- बीजेपी की जीत है पक्की; जनता हमें करेगी सहयोग

बेंगलुरू। 10 मई को होने वाले कर्नाटक विधानसभा चुनाव में करीब दो सप्ताह का समय बचा है, मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने राज्य में भाजपा की सत्ता में वापसी का विश्वास जताया है। बोम्मई ने रविवार को यहां बसवा जयंती के अवसर पर मध्यकालीन समाज सुधारक बासवन्ना की प्रतिमा पर श्रद्धासुमन अर्पित करने के बाद संवाददाताओं से कहा, इसलिए भाजपा की जीत निश्चित है। उन्होंने कहा कि भाजपा की प्रतिबद्धता एक नया कर्नाटक बनाने की है। इस बार जनता सत्य, न्याय और समानता का आशीर्वाद देगी और भाजपा इसी रास्ते पर चल रही है। बोम्मई ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान जनता अपना फैसला देगी और इसे सभी को स्वीकार करना चाहिए। भाजपा अपने सिद्धांतों और विचारधारा को लोगों के सामने रखकर कोशिश कर रही है। मुख्यमंत्री ने याद दिलाया कि 12वीं शताब्दी के सुधारक बासवन्ना समानता के प्रतीक रहे हैं और वह एक क्रांतिकारी व्यक्ति थे जिन्होंने समानता की अवधारणा की शुरूआत की। उन्होंने दावा किया कि हमारी सरकार बसवन्ना की विचारधारा और सिद्धांतों पर काम कर रही है और यह उत्पीड़ित वर्गों के उत्थान के लिए उन्हें सभी सम्मान और उनकी सामाजिक और आर्थिक प्रगति के लिए बसव पाठ पर काम करना जारी रखेगी। हमें विश्वास है कि कर्नाटक के लोग हमारा पूरा सहयोग करेंगे।

यूपी को जल्द मिलने लगेगी 660 मेगावाट की अतिरिक्त बिजली, ओबरा-सी की पहली इकाई से टेस्ट लाइट अप सफल

सोनभद्र। राज्य विद्युत उत्पादन निगम की क्षमता में शीघ्र ही 660 मेगावाट की वृद्धि होगी। निमार्णाधीन ओबरा सी परियोजना की पहली इकाई से टेस्ट लाइटअप का कार्य शनिवार की देर रात सफलतापूर्वक पूरा किया गया। अब इस इकाई की वाणिज्यिक कमीशनिंग की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इसके बाद इसे उत्पादनरत कर लिया जाएगा। कुल 1320 मेगावाट क्षमता वाली ओबरा-सी परियोजना की पहली इकाई से 660 मेगावाट बिजली पैदा होगी। इतनी ही क्षमता दूसरी इकाई की है, जिसका कार्य भी अंतिम चरण में है। ओबरा-सी परियोजना का निर्माण वर्ष 2016 में हुआ था। दक्षिण कोरियाई कंपनी दुसान इसका निर्माण कर रही है। कोरोना के कारण विलंबित हुई इस परियोजना को पहले मार्च 2022 तक ही पूरा होना था। बाद में इसकी समय सीमा बढ़ा दी गई। उत्पादन निगम के उच्चाधिकारियों की देखरेख में अब इसकी पहली इकाई को लाइट अप करने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। इसके तहत शनिवार की रात 11.59 बजे 660 मेगावाट वाली पहली इकाई का सफलतापूर्वक टेस्ट लाइटअप किया गया। इस मौके पर ओबरा परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक इं. दीपक कुमार, महाप्रबंधक-सी पीसी अग्रवाल, अधीक्षण अभियंता इं. अच्युतेश कुमार के साथ अन्य अधिकारी-कर्मचारी और दुसान पावर सिस्टम के प्रतिनिधि मौजूद रहे।

यूपी में तेज आंधी-पानी के साथ बदला मौसम कई शहरों में शुरू हुई बारिश, गर्मी से मिली राहत

लखनऊ। प्रदेश में मौसम ने करवट लेना शुरू कर दिया है। मौसम विभाग के अनुसार आज कई जिलों में तेज आंधी के साथ बारिश हुई। दिन में धूप के बाद भी तापमान में गिरावट के चलते सूरज की तपिश से थोड़ी राहत मिली है। वहीं कई जिलों में सुबह से बादल छाए हुए हैं। कानपुर, लखनऊ, उन्नाव, आयोध्या, कन्नौज, बाराबंकी, हरदोई आदि जिलों में भी तापमान में गिरावट और कुछ जगहों पर बारिश भी दर्ज की गई है। मौसम विभाग ने श्रावस्ती, बहराइच, लखीमपुरखीरी, सीतापुर, हरदोई, फरुर्खाबाद, कन्नौज, सहारनपुर, बिजनौर, अमरोहा, मुरादाबाद, रामपुर, बरेली, पीलीभीत, शाहजहांपुर, संभल, बंदायूं, सोनभद्र, चंदौली, गाजीपुर, बलिया, देवरिया, गोरखपुर, संतकबीरनगर, बस्ती, कुशीनगर, महाराजगंज, सिद्धार्थनगर, गोंडा, बलरामपुर और आसपास बारिश, तेज हवा, बिजली की चेतावनी जारी की है। प्रयागराज में इस सप्ताह पड़ी भीषण गर्मी और लू के थपेड़ों के बीच शुक्रवार आंधी और वर्षा हवा के साथ-साथ बारिश ने मौसम का मिजाज बदल दिया। अधिकतम तापमान 40 डिग्री से नीचे लुढ़क गया और न्यूनतम तापमान में करीब पांच डिग्री सेल्सियस की गिरावट आ गई। इसके बाद अब मौसम विभाग ने भी राहत भरी खबर दी है। अगले तीन दिनों तक बादल, आंधी और वर्षा का मौसम बना रह सकता है। इससे तापमान में और गिरावट आएगी।

अप्रैल की शुरूआत से ही प्रयागराज में तापमान में बेतहाशा वृद्धि हुई। अप्रैल में ही तीन बार प्रयागराज प्रदेश का सबसे गर्म जिला रहा और तापमान 45.6 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया था। भीषण लू के थपेड़ों की वजह से लोगों को मई-जून जैसी गर्मी का अहसास होने लगा था पर शुक्रवार को मौसम ने करवट बदलकर लोगों को राहत पहुंचाई। इलाहाबाद विश्वविद्यालय भूगोल विभाग के प्रो. एआर सिद्दीकी ने बताया कि अभी उत्तराखंड में पश्चिमी विक्षोभ चक्रवाती परिसंचरण के रूप में मौजूद है। इससे वर्षा की स्थिति बनी हुई है। उधर मौसम विभाग के पूवार्नुमान के अनुसार 25 अप्रैल तक आंशिक रूप से बादल छाए रहने के साथ एक या दो बार वर्षा या गरज के साथ बौछारें पड़ने की उम्मीद है। इसकी वजह से अधिकतम तापमान में दो से तीन डिग्री की गिरावट और आ सकती है। शनिवार को अधिकतम तापमान 39.1 डिग्री सेल्सियस रहा जो शुक्रवार की तुलना में दो डिग्री सेल्सियस कम रहा। वहीं न्यूनतम तापमान 22 डिग्री सेल्सियस रहा जो सामान्य से दो डिग्री कम था। शुक्रवार को न्यूनतम तापमान 26.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया था। बरेली में सुबह से खिली धूप ने लोगों को गर्मी का एहसास करना शुरू कर दिया। मगर दोपहर में अचानक से सूर्य बादलों के साए में आ गया और उसकी तपन कम होने से लोगों ने राहत की सांस ली। हालांकि बूंदाबांदी नहीं हुई, सिर्फ ठंडी हवाएं ही चली।मौसम वैज्ञानिक डा. आरके सिंह बताते हैं कि पश्चिमी विक्षोभ की वजह से अचानक से मौसम का मिजाज बदला था।

मोहन भागवत ने कहा- विश्व में सिर्फ भारत ने श्रीलंका की मदद की, रूस-यूक्रेन युद्ध पर भी बोले

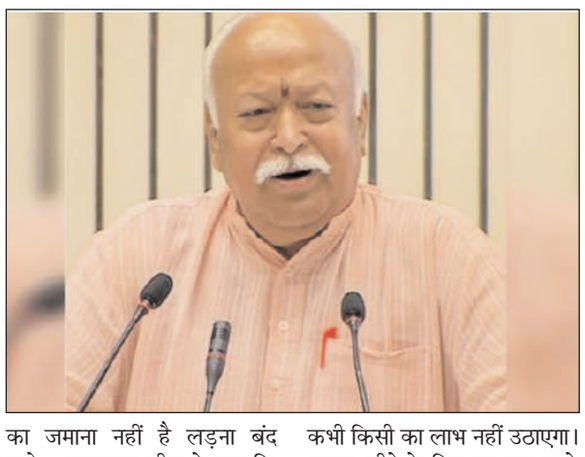

नई दिल्ली। संघ प्रमुख मोहन भागवत ने रविवार को एक सभा को संबोधित किया। सभा को संबोधित करते हुए संघ प्रमुख ने कहा कि वैश्विक स्तर पर हम धर्म के लिए आगे बढ़ रहे हैं। दूसरे देश बड़े होकर सिर्फ दूसरों पर डंडा चलाते हैं। पहले रूस चलाता था, फिर अमेरिका का वर्चस्व बढ़ा, फिर अमेरिका डंडा चलाने लगा। अब चीन आया है, ऐसा लगता है कि अब वह अमेरिका को पछाड़ देगा। मोहन भागवत ने कहा कि यूक्रेन को मोहरा बनाकर अमेरिका और रूस लड़ रहे हैं। दोनों भारत को कहते हैं, हमारे तरफ आओ, हमारा पक्ष लो। लेकिन भारत रूस-अमेरिका से कहता है कि आप भी हमारे दोस्त और आप भी हमारे दोस्त हो, और यह तीसरा जो आप दोनों के बीच दब गया है, वह भी हमारा दोस्त है। इसलिए पहले मैं इसकी मदद करुंगा। भारत का कहना है कि आप दोनों में से मैं किसी का पक्ष नहीं लेता। ये लड़ाई का जमाना नहीं है लड़ना बंद करो। आरएसएस चीफ ने कहा कि आज भारत धर्म के लिए आगे बढ़ रहा है। पहले श्रीलंका और चीन की दोस्ती थी, उन्होंने पाकिस्तान को दोस्त बना लिया, लेकिन हमें थोड़ा दूर रखा। अब जब श्रीलंका पर संकट आया तो किसने मदद की, कौन सामने आया, सिर्फ एक देश भारत। संघ प्रमुख का कहना है कि धर्म को मानने वाला देश कभी किसी का लाभ नहीं उठाएगा। परस्पर जीने के लिए हम एक दूसरे का लाभ उठाते हैं, लेकिन वह प्रेम का लेन-देन होता है। सौदा का लेन-देन नहीं होता। भागवत ने आगे कहा कि भारत लाभ ले रहा है, क्यों नहीं लेगा। लेकिन जब हमारे लाभ की आवश्यकता किसी और को है, हमारे कमाए हुए से कोई और भूखा जीवित रह सकता है तो भारत देने वाला देश है।

155 देशों के जल से हुआ राम मंदिर का जलाभिषेक बाबर की जन्मस्थली से लाया गया जल भी हुआ प्रयोग

अयोध्या। दिल्ली स्टडी ग्रुप अध्यक्ष व पूर्व विधायक डॉ. विजय जौली के नेतृत्व में दुनिया के सात महाद्वीपों के 155 देशों के पवित्र जल से आज राम मंदिर जलाभिषेक कार्यक्रम अयोध्या जी में संपन्न हुआ। इस कार्यक्रम में 40 से अधिक देशों के प्रवासी भारतीयों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। जय श्रीराम के नारों के बीच, अनेक देशों के राजदूत व राजनयिक भी इस भव्य कार्यक्रम में उपस्थित रहे। फीजी, मंगोलिया, डेनमार्क, भूटान, रोमानियां, हैती, ग्रीस, कोमोरोस, कबेवर्डे, मोन्टीनीग्रो, टुवालू, अल्बानियां और तिब्बत आदि देशों के राजनयिकों ने मयार्दा पुरूषोत्तम भगवान राम के इस ऐतिहासिक जलाभिषेक कार्यक्रम में भाग लिया। भूटान, सूरीनाम, फीजी, श्रीलंका व कंबोडिया के वर्तमान राष्ट्राध्यक्षों ने इस अवसर पर अपने शुभकामना संदेश डॉ. जौली को भेजे। इस अवसर पर अपने स्वागतीय भाषण में डॉ. विजय जौली ने बताया कि बाबर की जन्मस्थली के देश उज्बेकिस्तान के शहर अंदीजांन की प्रसिद्ध कशक दरिया नदी का पवित्र जल भी अयोध्या राम मंदिर जलाभिषेक के लिए विशेष रूप से भारत पहुंचा है। इसके साथ ही रूस व यूकेन के युद्ध ग्रस्त देशों के जल के साथ-साथ, चीन व पाकिस्तान का जल भी अयोध्या राम मंदिर जलाभिषेक हेतु भारत पहुंचा। डॉ. जौली ने कहा कि

प्रभु श्रीराम में न केवल भारत, अपितु विश्व भर के लोगों की आस्था व विश्वास है । इस वैश्विक जल को एकत्रित करने में ढाई साल लगे तथा इससे न केवल हिंदुओं अपितु मुसलमानों, ईसाईयों, बौद्ध, सिख, जैन, पारसी समुदाय व विश्व के सातो महाद्वीपों के लोगों ने इस महाअभियान में सहयोग दिया। डॉ. जौली ने इसे ऐतिहासिक व अविस्मरणीय पल बताया।

अमृतपाल को असम की डिब्रूगढ़ जेल लाया गया, सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम; यहीं बंद है उसका साथी पपलप्रीत

डिब्रूगढ़। पंजाब से खालिस्तान समर्थक अलगाववादी अमृतपाल सिंह को लेकर विशेष विमान रविवार को असम के डिब्रूगढ़ हवाई अड्डे पर पहुंचा। पंजाब पुलिस ने रविवार सुबह अमृतपाल को को गिरफ्तार किया था, जिसके बाद उसे पंजाब के बठिंडा से विशेष विमान के जरिए लाया गया। उसे शहर के केंद्रीय कारागार ले जाया गया। इस जेल में अमृतपाल सिंह के अन्य सहयोगियों के भी बंद होने के कारण सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए हैं। इस संबंध में एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा, "उसे (अमृतपाल को) लेकर विमान अपराह्न दो बजकर 20 मिनट पर पहुंचा। आवश्यक औपचारिकताओं के बाद उसे एक सुरक्षा काफिले के बीच डिब्रूगढ़ केंद्रीय कारागार ले जाया जाएगा।" डिब्रूगढ़ यातायात पुलिस से हवाई अड्डे से जेल तक 15 किलोमीटर लंबे रास्ते को बाधा मुक्त रखने को कहा गया है। सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों के अलावा एक विशेष दल को भी तैनात किया गया है। बता दें कि खालिस्तान समर्थक और कट्टरपंथी उपदेशक अमृतपाल सिंह के अन्य सहयोगी भी डिब्रूगढ़ जेल में बंद हैं। खालिस्तान नेता के करीबी पपलप्रीत सिंह को गिरफ्तार किए जाने के बाद 11 अप्रैल को असम की डिब्रूगढ़ सेंट्रल जेल लाया गया था। इससे पहले, पंजाब के आईजीपी ने कहा कि अमृतपाल सिंह के खिलाफ राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (एनएसए) के वारंट जारी किए गए थे और उन वारंटों को आज सुबह निष्पादित किया गया है। सुखचैन सिंह गिल ने कहा, "अमृतपाल सिंह के खिलाफ एनएसए वारंट जारी किए गए थे और उन वारंटों को आज सुबह निष्पादित किया गया है। अमृतपाल सिंह को पंजाब पुलिस ने आज सुबह करीब 6.45 बजे गांव रोडे (मोगा) में गिरफ्तार किया है।" उन्होंने कहा, "अमृतपाल सिंह को डिब्रूगढ़, असम भेजा गया है और मामले में कानून व्यवस्था के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। उन तत्वों के खिलाफ चेतावनी जारी की गई है जो राज्य की शांति और सद्भाव को खतरे में डालने की कोशिश कर रहे हैं।"

2025 में होगी महाकुंभ की व्यवस्था प्रयागराज में बोले केशव प्रसाद मौर्य

प्रयागराज। उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने कैबिनेट मंत्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी पर बोलने से इन्कार किया। केशव भाजपा के महापौर प्रत्याशी गणेश केशरवानी के समर्थन में रविवार को पत्रकार वार्ता कर रहे थे। इसमें न नन्दी थे, न ही उनकी पत्नी निवर्तमान महापौर अभिलाषा गुप्ता थीं। दोनों के न आने पर पूछे गए प्रश्न पर कहा कि आज नन्दी जी का जन्मदिन है मैं उन्हें बधाई देता हूं। इससे अधिक कुछ नहीं कहूंगा। कहा कि विपक्षी दलों में भगदड़ मची है, दूसरे दलों के हर अच्छे लोग भाजपा में आएंगे और जो गंदे लोग हैं वो जायेंगे। उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा 80 में से 80 सीट जीतेंगे। निकाय चुनाव पर कहा कि उसमे भाजपा का कमल खिलेगा। 13 मई को सपा, बसपा और कांग्रेस गई की आवाज मुझे प्रदेशभर में सुनाई दे रही है। 2019 कुंभ से अच्छा 2025 के महाकुंभ की व्यवस्था होगी। प्रयागराज दुनिया के सबसे अच्छे शहर बनायेंगे। सपा में भगदड़ जो भगवान श्रीराम के अस्तित्व को नकारते थे, धारा 370 हटाने को कहते थे कि वो काल्पनिक है। भाजपा ने जो वादा किया था उसे पूरा किया है। कामन सिविल कोड को भी सरकार पूरा करेगी।

राहुल गांधी ने जनसभा में भरी हुंकार, बोले- दूसरों से सवाल करना आसान, लेकिन...

बागलकोट (कर्नाटक)। कर्नाटक विधानसभा चुनाव के लिए कांग्रेस भी कोई कसर नहीं छोड़ रही है। इसी कड़ी में कांग्रेस नेता राहुल गांधी एक बार फिर कर्नाटक के दौरे पर हैं। दिल्ली में अपना सरकारी बंगला खाली करने के बाद राहुल ने पहली जनसभा की। राहुल ने बागलकोट एक सभा को संबोधित करते हुए कहा कि दूसरों से सवाल करना आसान है, लेकिन खुद से सवाल करना मुश्किल है। राहुल गांधी रविवार को हुबली पहुंचे थे। उन्होंने बागलकोट में आयोजित बसवा जयंती समारोह में एक सभा को संबोधित किया। इस दौरान राहुल ने कहा, "जहा अंधेरा होता है, उसी अंधेरे में कहीं-न-कहीं रोशनी भी निकलती है। उस समय समाज में अंधेरा था, इसलिए बसवा जी अंधेरे में रोशनी बनकर निकले। इंसान यूं ही रोशनी नहीं देता, पहले खुद से सवाल करना पड़ता है। दूसरों से सवाल करना आसान है, खुद से सवाल करना मुश्किल है।" राहुल ने आगे कहा कि बसवा जी ने लोकतंत्र का रास्ता हिंदुस्तान और विश्व को दिया और ये सच्चाई है। इसे मिटाया नहीं जा सकता। अगर हिंदुस्तान में लोकतंत्र आया, अधिकार आए तो उसकी नींव बसवा जी जैसे

लोगों ने रखी थी। बसवा जी के दोस्तों पर समाज आक्रमण कर रहा था, तब बसवा जी ने खुद से सवाल किया कि मेरे दोस्तों पर हमला क्यों हो रहा है? बसवा जी ने लोकतंत्र, जातिवाद-नफरत, आदर के बारे में खुद से सवाल पूछे। फिर जो सच उन्होंने देखा, उसे जीवनभर नहीं छोड़ा। इससे पहले राहुल ने दिल्ली में अपना बंगला खाली करने के बाद केंद्र सरकार पर हमला बोला। राहुल ने कहा कि वह वह सच बोलने के लिए कोई भी कीमत चुकाने को तैयार हैं। राहुल ने कहा, "ऐसा मत सोचो कि समाज के सामने सच बोलना आसान है। आज हम बसवेश्वर के सामने फूल रख रहे हैं, लेकिन जब वह जिंदा थे, उन्हें डराया गया होगा, उन पर हमला किया गया होगा, लेकिन वह पीछे नहीं हटे, उन्होंने सच्चाई का रास्ता नहीं छोड़ा।" राहुल गांधी शाम को विजयपुर जाएंगे। राहुल शाम 5 बजे से 6:30 बजे तक रोड शो भी करेंगे। बता दें कि राहुल गांधी ने इस महीने की शुरूआत में कोलार में एक रैली को संबोधित किया था। गौरतलब है कि कर्नाटक में विधानसभा के चुनाव के लिए 10 मई को मतदान होगा। चुनाव के नतीजे 13 मई को आएंगे।

बैठक में शामिल होने भारत आएंगे चीन के रक्षा मंत्री, पाकिस्तान की ओर से नहीं हुई पुष्टि

नई दिल्ली। चीनी रक्षा मंत्री ली शांगफू अगले सप्ताह आयोजित होने वाली शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) के रक्षा मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे। रक्षा अधिकारियों ने इस बात की जानकारी दी। रक्षा अधिकारियों ने बताया कि इस बैठक में शामिल होने के लिए पाकिस्तानी पक्ष ने अभी तक कोई पुष्टि नहीं की है। एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक 27 और 28 अप्रैल को होने वाली है। 2020 की गलवान घाटी में हुई झड़पों के बाद, यह पहली बार है जब कोई चीनी रक्षा मंत्री भारत का दौरा करेंगे। अमेरिका द्वारा स्वीकृत जनरल ली शांगफू को एक महीने पहले चीन के नए रक्षा मंत्री के रूप में नामित किया गया था। उनकी नियुक्ति बीजिंग और वाशिंगटन के बीच बढ़ते तनावपूर्ण संबंधों के बीच हुई है। एयरोस्पेस विशेषज्ञ ली शांगफू ने सर्वसम्मति से नेशनल पीपुल्स कांग्रेस द्वारा निवर्तमान रक्षा प्रमुख वेई फेंघे की जगह ली है। चीन और भारत के बीच सीमा एससीओ के रक्षा मंत्रियों की बैठक के बाद 5 मई को गोवा में विदेश मंत्री की बैठक होनी है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी इसमें हिस्सा लेने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। एससीओ के सदस्य देश भारत, रूस, चीन, किर्गिज गणराज्य, कजाकिस्तान, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान और पाकिस्तान हैं। चीन और भारत के बीच लंबे समय से सीमा उल्लंघन को लेकर विवाद

होता रहा है। ऐसी ही एक मामला दिसंबर 2022 में अरुणाचल प्रदेश में देखा गया था। उसी के संबंध में, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने 13 दिसंबर, 2022 को संसद के दोनों सदनों को सूचित किया कि चीन की पीपुल्स लिबरेशन आर्मी के सैनिकों ने अरुणाचल प्रदेश तवांग सेक्टर के यांग्त्से क्षेत्र में वास्तविक नियंत्रण रेखा को पार करने और एकतरफा स्थिति बदलने की कोशिश की।

संपादकीय

2004 की तरह अति आत्म विश्वास में है भाजपा?

भारतीय जनता पार्टी, इंडिया शाइनिंग की तरह अति आत्मविश्वास में भरी हुई प्रतीत हो रही है। पिछले तीन-चार माह से केंद्र सरकार के ऊपर जिस तरह के आरोप लग रहे हैं। उससे केंद्र सरकार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ओर भारतीय जनता पार्टी के लिये बढ़ती हुई दिख रही हैं। विशेष रुप से अडानी समूह को लेकर राहुल गांधी और विपक्ष ने जिस तरह से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घेराबंदी की है। उसका असर सभी विपक्षी दलों के ऊपर पड़ा है। सभी विपक्षी दल एकजुट होते हुए नजर आ रहे हैं। सरकार भी बचाव की मुद्रा में आती हुई दिख रही है। पिछले 3 महीनों से जिस तरह के हमले एकजुट होकर विपक्ष द्वारा सरकार पर किए जा रहे हैं। संसद सत्र के दौरान यह आक्रमकता और उग्रता स्पष्ट रूप से देखने को मिली है। संसद के दोनों सदनों की कार्यवाही नहीं चल पाई। विपक्षी दल सरकार के दबाव में नहीं आए। जिन विपक्षी दलों का एक साथ खड़ा होना मुश्किल था।वह भी एक साथ खड़े हो गए। इसके बाद से सरकार दबाव में है।आम आदमी पार्टी भी पूरी मुखरता के साथ सीधे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को निशाने पर ले रही है। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर विपक्ष के नेताओं को ईडी और सीबीआई ने जिस तरह से अपने शिकंजे में ले रखा है। उसने भी सारे विपक्ष को एकजुट कर दिया है। ईडी और सीबीआई की जांच कई महीनों तक लंबित बनी रहने,और विपक्षियों पर लंबे समय तक तलवार लटकाए रखने को लेकर अब विपक्ष अलग रहते हुए भी एकजुट हो गया है। विपक्ष ने ईडी,सीबीआई के साथ-साथ न्यायालयों में भी अपने हितों की लड़ाई लड़ना सीख लिया है। हाल ही में हरियाणा सरकार द्वारा जो हलफनामा हाईकोर्ट में दायर किया गया है। उसमें रॉबर्ट वाड्रा और डीएलएफ को लेकर कोई सबूत नहीं होने की बात हलफनामा में कही है। प्रियंका गांधी और गांधी परिवार को घेरने के लिए जीजा जी के नाम पर जो बवंडर भाजपा ने बनाया था। 8 साल के बाद भी उसका कोई सबूत हरियाणा सरकार नहीं खोज पाई। प्रियंका और रॉबर्ट वाड्रा जी के ऊपर से बवंडर तो छट गया। भाजपा की विश्वसनीयता भी मतदाताओं के बीच में कम हुई है। हाल ही में जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे सत्यपाल मलिक ने भी भाजपा की मुश्किलें बढ़ई हैं। सत्यपाल मलिक ने जम्मू कश्मीर में बीमा कंपनी और पुलवामा में 40 सैनिकों की शहादत मामले को लेकर जिस तरीके से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह को निशाने पर लिया है। उसने भी सरकार की मुसीबतों को बढ़ाने का काम किया है। किसान आंदोलन में जो आश्वासन सरकार नेकिसान नेताओं को लिखित में दिए थे। वह अभी तक पूरे नहीं हुए। सत्यपाल मलिक किसान परिवार के हैं। पश्चिम उत्तर प्रदेश, राजस्थान तथा हरियाणा के किसानों के बीच उनका बहुत असर है। किसानों की मांग पूरी नहीं होने पर खाप पंचायतें और किसान आंदोलन एक बार फिर सिर उठाने लगा है। विपक्ष एकजुट होकर जिस तरह से जेपीसी की मांग पर अड़ा है। विपक्ष प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी सीधे हमला करने का कोई मौका नहीं छोड़ रहा है। सबसे बड़े आश्चर्य की बात है, कि अभी तक विपक्ष प्रधानमंत्री मोदी पर सीधे हमला करने से बचता था। यह माना जाता था,कि प्रधानमंत्री मोदी के ऊपर हमला करने से भाजपा को फायदा होता है। लेकिन विपक्ष का यह भय अब दूर हो गया है। जिस तरह से भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी विपक्ष को घेरते थे। उसी तरह से विपक्ष अब सरकार को घेरकर आक्रमकता का परिचय दे रहा है। जनता पर भी सकारात्मक असर देखने को मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी और सरकार का दबाव, मीडिया, संवैधानिक संस्थाओं, और जांच एजेंसियों के माध्यम से बहुत सारी स्थितियों को नियंत्रित करने में अभी तक सफल थी। लेकिन अडानी समूह पर हिंडन बर्ग की रिपोर्ट ने अडानी समूह को बहुत बड़ा झटका दिया। विपक्ष ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अडानी की आड़ में निशाने पर ले लिया है। अडनी समूह की कंपनियों की जांच दुनिया के कई देशों में हो रही है। अडानी समूह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर काम कर रहा है। भारत सरकार अडानी का कितना ही समर्थन कर दे। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सरकार के लिए अडानी को बचा पाना नामुमकिन है।

नोटिस है भिजवाया!

होगी शुरू छानबीन ।
नोटिस है भिजवाया ।।
हैं सत्ता से बाहर ।
लगता कुछ बकाया ।।
लगता ज्यादा बोलना ।
पड़ रहा है भारी ।।
थोड़ा कुछ वसूलने की ।
चल रही तैयारी ।।
सब लगे हैं काम में ।
क्षेत्र जिसका जैसा ।।
ना कोई है आपदा ।
फिर घबराना कैसा ?
हो रही है अति ।
लग रही गुहार ।।
जिसके जितने मुंह ।
बातें कई प्रकार ।।

–कृष्णेन्द्र राय

कर्नाटक में रोचक हुआ सत्ता का संग्राम

कर्नाटक में आगामी दस मई को विधानसभा चुनाव के लिए वोट डाले जाएंगे। चुनाव में जीत हासिल करने के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी तैयारियों में जुटे हुए हैं। अगले साल लोकसभा के चुनाव होने हैं। उससे पूर्व कर्नाटक विधानसभा के चुनाव परिणाम देश की राजनीति में महत्वपूर्ण पड़ाव साबित होगें। भाजपा ने सत्ता विरोधी माहौल को समाप्त करने के लिए 52 मौजूदा विधायकों के टिकट काटकर उनके स्थान पर नए चेहरों को मौका दिया है। भाजपा ने पार्टी के संस्थापकों में से एक रहे पूर्व मुख्यमंत्री जगदीश शेट्टार व पूर्व उपमुख्यमंत्री रहे लक्ष्मण सावदी का भी टिकट काट दिया है।

भाजपा के बड़े नेता रहे के. अंगारा, आर शंकर और एमपी कुमार स्वामी ने भी टिकट नहीं मिलने पर इस्तीफा दे दिया है। जगदीश शेट्टार और लक्ष्मण सावदी ने भाजपा से टिकट नहीं मिलने पर कांग्रेस के निशान पर चुनाव मैदान में उतर गये हैं। जगदीश शेट्टार 6 बार विधायक, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष, मुख्यमंत्री सहित कई बार मंत्री, विधानसभा अध्यक्ष रह चुके हैं। इतने लंबे राजनीतिक जीवन में उन पर कभी किसी तरह के आरोप नहीं लगे हैं। इसलिए उनकी छवि साफ मानी जाती। बीएस येदुरप्पा के बाद वह लिंगायत समुदाय के दूसरे सबसे बड़े नेता माने जाते हैं।

शेट्टार के भाजपा छोड़ कांग्रेस में शामिल होने से जहां भाजपा को नुकसान होना तय माना जा रहा है वही कांग्रेस को भी चुनाव में फायदा मिलेगा। इसीलिए कांग्रेस ने जगदीश शेट्टार व लक्ष्मण सावदी को टिकट देकर चुनाव मैदान में उतार दिया है। भाजपा के सबसे वरिष्ठ नेता बीएस येदुरप्पा व ईश्वरप्पा के इस बार चुनावी मैदान में नहीं होने से पार्टी के पास बड़े चेहरे का भी अभाव है। कांग्रेस चाहती है कि किसी भी तरह से भाजपा को हरा कर प्रदेश में अपनी सरकार बनाई जाए ताकि पार्टी के गिरते जनाधार को रोका जा सके। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष मलिकार्जुन खरगे कर्नाटक में कांग्रेस के बड़े नेता रहे हैं। उनकी सदा से ही मुख्यमंत्री बनने की चाहत रही है जो इस बार सरकार बनने पर पूरी हो सकती है। वैसे भी राष्ट्रीय अध्यक्ष बनने के बाद मल्लिकार्जुन खरगे के सामने अपने गृह प्रदेश में सरकार बनाना सबसे बड़ी चुनौती है। इसीलिए कांग्रेस पार्टी चुनाव जीतने के

लिए सभी तरह के प्रयास कर रही है।

कर्नाटक में जनता दल सेक्युलर मैसूरू कर्नाटका इलाके में अपना मजबूत जनाधार रखती है। प्रदेश की 100 सीटों पर जनता दल सेक्युलर चुनावी मुकाबले को त्रिकोणीय बनाने की ताकत रखती है। जनतादल सेक्युलर ने किसी भी राजनीतिक दल से चुनावी समझौता नहीं किया है। उनका मानना है कि चुनाव में पिछले बार की तरह किसी भी दल को पूर्ण बहुमत नहीं मिलेगा। ऐसे में वह अपने जीते हुए विधायकों के बल पर सरकार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकेगा। पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा को एक करोड़ 33 लाख 28 हजार 524 वोट यानी 36.35 प्रतिशत मतों के साथ 104 सीटें मिली थी। वही कांग्रेस को एक करोड़ 39 लाख 86 हजार 526 वोट यानी 38.14 प्रतिशत वोटों के साथ 80 सीटों पर जीत मिली थी। जनता दल सेक्युलर को 67 लाख 26 हजार 667 वोट यानी 18.30 प्रतिशत वोटों के साथ 37 सीटों पर जीत मिली थी। पिछले चुनाव में कांग्रेस ने भाजपा से 6 लाख 58 हजार दो वोट यानी 1.70 प्रतिशत अधिक मत लेकर भी भाजपा से 24 सीटों से पिछड़ गई थी। इसका मुख्य कारण था जनता दल सेकुलर का कांग्रेस के वोट बैंक में सेंध लगाना। पिछले चुनाव में कांग्रेस के पास कर्नाटक के सबसे प्रभावशाली लिंगायत समुदाय का कोई बड़ा नेता भी नहीं था। लेकिन इस बार जगदीश शेट्टार के आने से कांग्रेस को लिंगायत समुदाय के वोट बैंक में सेंध लगाने का एक बड़ा हथियार मिल गया है।

पिछले विधानसभा चुनाव में भाजपा के पास पर्याप्त बहुमत नहीं था। ऐसे में कांग्रेस और जनता दल सेक्युलर ने मिलकर जनता दल सेक्युलर के नेता एचडी कुमारस्वामी के नेतृत्व में सरकार का गठन कर लिया था।। मगर 14 महीने बाद ही भाजपा ने कांग्रेस व जनता दल सेक्युलर के विधायकों से इस्तीफे दिलवा कर जोड़-तोड़ से अपनी सरकार बना ली थी। उस समय बीएस येदुरप्पा भाजपा सरकार के मुख्यमंत्री बने थे। मगर येदुरप्पा की मनमानी व उनके शासनकाल में भ्रष्टाचार को लेकर लगे आरोपों के चलते उन्हें पद छोड़ना पड़ा और जुलाई 2021 में बसवराज बोम्मई को भाजपा ने नया मुख्यमंत्री बनाया था। हालांकि बोम्मई मुख्यमंत्री बन गए मगर सरकार पर पूरा प्रभाव पूर्व मुख्यमंत्री बीएस येद्दयुरप्पा का ही रहा। 2019 में जोड़-तोड़ कर सरकार बनाने के बाद से ही कर्नाटक भाजपा में लगातार उथल पुथल होती रही है। चुनाव से पहले कई बड़े नेताओं के पार्टी छोड़ने से भाजपा मुश्किलों में घिरी नजर आ रही है। वही भाजपा सरकार पर 40 प्रतिशत तक की कमीशन खोरी के आरोप लगाकर कांग्रेस उन्हें लगातार कटघरे में खड़ा करती रही है। पिछले दिनों बेंगलुरु में लोकायुक्त पुलिस ने बीजेपी विधायक मदाल विरुपक्षप्पा के बेटे प्रशांत कुमार को एक ठेकेदार से 40 लाख रूपयों की घूस लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया था। उसके बाद प्रशांत कुमार के घर से छः करोड़ रुपए भी बरामद किए गए थे। प्रशांत कुमार बेंगलुरु वाटर सप्लाई एंड सीवरेज बोर्ड में चीफ अकाउंटस ऑफीसर थे। उन्हें कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड के आफिस से रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया था। उनके पिता व भाजपा विधायक मदाल विरुपक्षप्पा कर्नाटक सोप एंड डिटर्जेंट लिमिटेड के चेयरमैन थे। प्रशांत कुमार पर लोकायुक्त पुलिस ने आरोप लगाया था कि वह अपने पिता के स्थान पर रिश्वत की पहली किस्त प्राप्त कर रहे थे। पिछले साल तुमकुर जिले के एक ठेकेदार ने तब के मंत्री ईश्वरप्पा पर रिश्वत लेने का आरोप लगाकर आत्महत्या कर ली थी। जिसके चलते ईश्वरप्पा को राज्य मंत्रिमंडल से इस्तीफा देना पड़ा था। हालांकि बाद में जांच कर ईश्वरप्पा को बरी कर दिया गया था। इसी के चलते इस बार ईश्वरप्पा को टिकट से वंचित रखा गया है। कर्नाटक में पौने चार साल के कार्यकाल में भाजपा सरकार लगातार आरोपों से घिरी रही है। जिस कारण आम जनता में भाजपा के प्रति सत्ता विरोधी माहौल व्याप्त हो रहा है। उसी के चलते काफी विधायकों के टिकट भी काटे गए हैं। हालांकि भाजपा गुजरात की तर्ज पर अधिकांश विधायकों के टिकट काटना चाहती थी। मगर बीएस येदुरप्पा के विरोध के चलते ऐसा नहीं कर पाई। कर्नाटक के विधानसभा चुनाव में इस बार जहां भाजपा सत्ता विरोधी लहर के चलते बचाव की मुद्रा में है। वहीं कांग्रेस सहित जनता दल सेक्युलर व अन्य विपक्षी दल पूरी तरह सरकार पर हमलावर हो रहे हैं। कांग्रेस में भी पूर्व मुख्यमंत्री सिद्धरमैया व प्रदेश अध्यक्ष डीके शिवकुमार के मध्य गुटबाजी चल रही है। मगर ऊपरी तौर पर सभी कांग्रेसी नेता एकजुट होकर चुनावी मैदान में नजर आ रहे हैं। वर्तमान माहौल में यदि कांग्रेस के सभी नेता एकजुटता से चुनाव लड़ते हैं तो भाजपा को कड़ी टक्कर दे सकते हैं।

माँगते क्यूँ हो तुम, माँग लो सदगुरू को

आदि काल से ही हमारे यहाँ गुरु शिष्य की परम्परा है। इसी श्रंखला मे अपने जीवन के कुछ स्वर्णीम पल मुझे अपने सदुरू देव - माँ के सात्धिय में बिताने का सौभाग्य प्राप्त हुआ है। यहाँ पर उल्लेख करना जरूरी है कि जब गुरु के रूप स्वयं सदुरु ही आप के समक्ष आपका हाथ थाम लेता है, तो बात ही कुछ अलग होती है। मै अपने को बड भागी मानता हुँ कि मुझे सदुरू के रूप में महात्मा सुशील कुमार व ममतामयी करूणा की जीती जागती मुर्ति माँ विजया जी मिली है।

लेकिन श्रृष्टि के रचियता,पालन कर्त्ता के संदर्भ मे कुछ कहने या उनके संदर्भ मे कुछ लिपिबद्ध करना एक अति कठिन कार्य है, ठीक वैसे जैसे सम्पूर्ण विश्व को, अपने दिव्य प्रकाश से प्रकाशित करने वाले भुवन भास्कर को माचिश की एक छोटी सी प्रज्वलित तीली से प्रकाश दिखाने की तुच्छ कोशिश है। आज मै अपने आप को असहाय पा रहा हुँ। अप्रैल माह का आगमन हो गया है। यह माह हम इस्सयोगी भाई - बहन के लिए विशेष महत्व का मास है। यह परम चैत्यन का मास है। क्योकि करीब दो दशक पूर्व इस मास के 23 - 24 सदुरुदेव भौतिक शरीर का परित्याग कर सम्पूर्ण जगत के कल्याण हेतु बहामण्ड मे व्याप्त हो गये थे। अप्रैल माह को परम चैतन्य मास के रूप मानते है। मै अपने आप को सौभाग्य शाली मानते है, हम सभी इस्सयोगी गुरु भाई बहन जिन्होने पूर्ण श्रद्धा-समपर्ण से अपने आप को अर्पित कर निंभिक व निशचिन्त हो गए है।

गुर -शिष्य की परम्परा अति प्राचीन है। हमारे धर्म गन्थो मे इस बात का उल्लेख है कि जब कोई शिष्य -अपने गुरु के शरण मे अपने आप को पूर्ण श्रद्धा समपर्ण से अर्पित कर उनके बताये मार्ग पर चलता है तो शक्तिमान सदुरु सारे योग क्षेम अपने अर्जित शक्ति से भोग प्रालब्ध बदल देता है। इस सम्बन्ध मे सदगुरु देव - माँ के सानिध्य-सामीप्य मे बिताये हुए स्वर्णिम पल के यादों के पिटारो से एक घटना का उल्लेख करना चाहता हुँ। ये बात सन 2001 के माह 8 जुन की है। इन दिनो सदुरू देव-माँ जी अपने अध्यात्मिक प्रवास के गुरूग्राम मे आये हुए है।आप को यहाँ बताये दे कि जब भी सदगुरु देव - माँ जी गुरुग्राम मे आते थे हम सभी दिल्ली - एन सी आर के इस्सयोगियो के लिए आनंद - उत्सव का महोत्सव होता था। प्रत्येक संध्या बेला को सदुरूदेव माँ के सान्धि्य व सामीप्य मे दिव्य सत्संग की अथाह आनंद की गंगा मे डुबकी लगाते थे। आज की यह संध्या मेरे लिए खास थी क्योकि मेरा आज भौतिक जन्म दिवस है, प्रातः काल से सदुरुदेव -माँ जी के दिव्य सानिध्य मे अपना भौतिक जन्म दिवस मनाने का हमे स्वर्णिम

अवसर मिलने वाला है। आज सदगुरू - देव माँ का आर्शिवाद पाने की ललक मे सुबह से मन मे प्रार्थना कर रहे थे कि सदुरुदेव -माँ जी से विशेष अद्वितीय आर्शवाद किस तरह मिल जाय। इस दौरान मे नोएडा के सेक्टर 18 के बाजार से 3 बेत की छड़ी ले कर उसे रंग कर गुरुधाम (दिल्ली) के लिए निकल पड़े। रास्ते मे मन - मन प्रार्थना कर रहे थे हे माँ जल्दी से पहुँच जाए तथा आज के दिन सदगुरुदेव - माँ के युगल श्री चरणो विशेष भेट (बेत की छडी) चुपके से अर्पित कर सके।

सदुरुदेव माँ ने मेरे अन्तत मन की प्रार्थना को स्वीकार कर ली। जैसे ही गुरुधाम (दिल्ली) पहुँचे पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार कुछ इस्सयोगी गुरु भाई बहन बैठते थे मै भी चुपके से सदुरुदेव माँ के आसन पर सबकी नजर से छुपते छुपाते हुए गुप्त भेट (छड़ी) को रख कर बैठ गये, कुछ पल के बाद सदुरू देव - माँ जी की दिव्य हम सभी को देते हुए संध्या भजन - सत्संग नित्य प्रतिदिन के प्रारम्भ हो गये । मैने भी सदगुरु देव - माँ से मन से नमन कर दिव्य सत्संग का लाभ लेने लगा। यहाँ पर मै स्पष्ट कर दूँ कि पहले ब्रह्मण्ड साधना 7:45 से 8 :00 बजे यानि 15 मिनट की होती थी। बाहामण्ड संध्या साधना के बादअमृत रूपी चाय की प्रसाद उपस्थित सभी इस्सयोगी भाई बहनो के संग मै भी ले रहा है। बीच- बीच सदुरुदेव - माँ जी इस्सयोगीयो की कुशल क्षेम पूछ रहे थें। तभी सदुरु देव ने अपनी दिव्य दृष्टि डालते हुए कहा कि - विनोद कैसे हो चलो मेरे समाने आ जाओ,मै सदुरूदेव की ओर बढे और आगे आओ मै सदगुरु देव के आसन के ऊर्जा का संचार क्षेत्र के पास पहुँच गये थे। तभी उन्होने अपने शिव हस्त से आगे की ओर बढ़ाते हुए ये लो अभिमंत्रित (जाप) लौग का प्रसाद, तभी अनायास ही मेरे मुःख से निकल पड़ा कि गुरुदेव मुझे नही चाहिए मेरे पास पहले से रखा हुआ है।

मेरे इतना कहते ही सदुरुदेव का महारोद्ध रूप धारण करते हुए कहा कि चलो आगे आओ,आसन पर रखी छडी ले कर मेरे से पुनः बोले कि दोनो हथेली समाने लाओ फिर क्या - मेरी - --- हथेली -और दुःख हरनी छडी का मधुर मिलन गुरुधाम मे बैठे सभी इस्सयोगी इस अस्समरणीय अलौकिक घटना के साक्षी थे कुछ पल बाद मे सारी स्थिति सामान्य हो गई थी।सदुरुदेव ने कहा कि विनोद जब गुरु कुछ कहे तो उनकी बाते कभी भी काटनी नही चाहिए क्यु तुम हमेशा अपनी गुरु की बाते काटते हो मुझे बिलकुल ही अपने आसान से नजदीक लाते हुए अपनी शिव हस्त को मेरे दोनो हथेली पर रख कर स्नेह प्रेम से फेरते हुए - बोल रहे थे आह मेरे बच्चे को कितनी चोट लगी है। कितना दर्द हो रहा होगा मेरे बच्चें को। इस अलौकिक क्षण का आनंद का वर्णन मेरे लिए सम्भव नही है। तभी मेरी जगत जननी करूणामयी माँ ने अपनी हाथो के प्रसाद स्वरूप केले बढाते हुए विनोद प्रसाद खा लो, तभी सदगुरुदेव ने माँ जी से प्रसाद स्वरूप केले को लेते हुए कहा कि ये पगला है। कही छिलके वाला केला खा ले। माता जी लाये मुझे आप केले दे दे और केले के छिलके स्वंय हटाते हुए मुझे खिलाने लगे, शायद ये लीला धर की कोई लीला रही हो, सदुरूदेव - माँ अपने बच्चे का कब,कैसे व कहाँ कल्याण करते है हमे पता नही होता ।वे त्रिकाल दर्शी है।सदुरु देव की बाते हमेशा ही रहस्यमयी होती है। 21,वें महानिवार्ण दिवस के पुनीत पावन अवसर पर हम अपनी भाव की भावाजंली अर्पित करते हुए कहना चाहता हुँ कि इन हथेलियो पर दिये थे, आपने छड़ी के निशान।

आत्म निर्भर ग्राम पंचायतें ही आत्मनिर्भर भारत का आधार है

24 अप्रैल पंचायतीराज दिवस

भारत एक कृषि प्रधान देश के साथ साथ ग्रामीण सभ्यता और संस्कृति वाला देश भी है। आज भी भारत में कुल आबादी का लगभग पैंसठ प्रतिशत हिस्सा गाँवों में गुजर बसर करता है। हमारे सहज सरल गाँव और गाँव के लोग भारत की समृद्धि के आधार स्तम्भ है। वैदिक काल से लेकर अंग्रेजो के आगमन तक भारत के गाँव हमारी शासन व्यवस्था की मौलिक ईकाई रहे हैं। परन्तु अंग्रेजो ने अपनी साम्राज्यवादी महत्वाकांक्षाओं की प्रति- पूर्ति में भारतीय गाँवों की मौलिकता और आत्मनिर्भरता को तहस-नहस कर दिया। इसलिए राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने स्वाधीनता आन्दोलन के दौरान गाँवो के आर्थिक, सामाजिक, सांस्कृतिक और नैतिक उत्थान की आवाज प्रखरता से उठाई और इसके लिए सहृदय और सचेतन प्रयास भी किया। महात्मा गाँधी ने कहा था कि- "भारत का भविष्य गाँवो में बसता है "। गाँवो के उत्थान और विकास के प्रति महात्मा गाँधी की उत्सुकता और उत्कट इच्छा तथा उनके समर्पित भाव को देखते हुए हमारे संविधानविदो ने भारतीय संविधान के अनुच्छेद चालीस में नीति निदेशक तत्वों के रूप में पंचायती राज व्यवस्था को शामिल किया । इसलिए भारतीय संविधान के अनुच्छेद चालीस को गांधीवादी अनुच्छेद कहा जाता है। स्वाधीनता उपरांत पंचायती राज व्यवस्था को सुदृढ़ सक्षम सशक्त और सक्रिय बनाने तथा कानूनी हैसियत प्रदान करने के लिए लगभग आधा दर्जन समितियां बनाई गई। जिसमें सबसे पहले बनाई गई बलवंत राय मेहता समिति ने त्रिस्तरीय स्तरीय पंचायतीराज राज व्यवस्था की सिफारिश की। इसी समिति की सिफारिश के आधार पर 1959 मे पंडित जवाहरलाल नेहरू ने राजस्थान के नागौर जिले में पंचायती राज व्यवस्था का शुभारंभ किया था । इसके बाद 1977 मे जनता पार्टी की सरकार ने अशोक मेहता समिति बनाई । इस समिति ने द्वि-स्तरीय पंचायतीराज व्यवस्था की सिफारिश की। महज ढाई साल में ही श्री मोरारजी देसाई की सरकार गिरने के साथ ही अशोक मेहता समिति की सिफारिशे भी मृतप्राय हो गई। स्वर्गीय श्री राजीव गांधी ने अपने कार्यकाल की अवसान बेला में पंचायत राज व्यवस्था के लिए गम्भीरता से प्रयास किया। उनके कार्यकाल में पंचायती राज व्यवस्था को सशक्त और सक्रिय बनाने के लिए दो समितियॉ बनाई गई 1- जी वी के राव समिति और 2- डॉ एल एम सिन्धवी समिति।परन्तु विपक्षी दलों का अपेक्षित सहयोग न मिलने के कारण गम्भीर प्रयास के बावजूद राजीव गांधी को सफलता नहीं मिली। उनके कार्य काल में पंचायती राज व्यवस्था से संबंधित विधेयक राज्य सभा में गिर गया। 1988 पी के थुंगन समिति ने पंचायतों को सुदृढ़ करने और संवैधानिक दर्जा देने की सिफारिश की । स्वर्गीय राजीव गाँधी के सपनों की पंचायती राज व्यवस्था उनके निधन के उपरांत उनके उत्तराधिकारी श्री नरसिंह राव के शासनकाल में अस्तित्व में आई। अब गठित समस्त समितियों की सिफारिशों को ध्यान में रखते हुए 73वॉ संविधान संशोधन विधेयक संसद द्वारा पारित किया गया। जिसके फलस्वरूप 24 अप्रैल 1993 मे 73वे संविधान संशोधन के माध्यम से पंचायतीराज संस्थाओं को संवैधानिक दर्जा दिया गया तथा सर्वप्रथम कर्नाटक में यह लागू की गई । जिसके उपलक्ष्य में हर वर्ष 24 अप्रैल को पंचायतीराज दिवस के रूप में मनाया जाता हैं। 73वें संविधान संशोधन के तहत पंचायतीराज संस्थाओं को न केवल संवैधानिक दर्जा दिया गया बल्कि नेतृत्व की दृष्टि से इसका परम्परागत सांचा,ढांचा और खांचा ही पूरी तरह से बदल दिया गया। भारत जैसे विविधतापूर्ण बहुलतावादी समाज में महिलाओं, अनुसूचित जातिओ, अनुसूचित जनजातिओ और पिछड़े वर्गों को आबादी के अनुपात में आरक्षण प्रदान कर सबको नेतृत्व करने का अवसर प्रदान किया गया। यह सत्य है कि- 73वें संविधान संशोधन के बाद पंचायतीराज संस्थाए सामंतवाद की जकडन से बाहर निकलने में सफल हूई है। महिलाओं सहित वंचित वर्ग मे स्थानीय स्तर पर नेतृत्व करने की चाहत और महत्वाकांक्षा पैदा हूई है। लोकतंत्रिक परिवेश अवश्य व्यापक और विस्तृत हुआ परन्तु जातिगत गोलबंदी भी तेजी से बढी है। लोकतंत्र एक गतिशील अवधारणा हैं। लोकतंत्र की गतिशीलता का स्वाभाविक निष्कर्ष है कि- सत्ता का ऊपर से नीचे की तरफ हस्तांतरण प्रकारान्तर से संकल्पना के रूप में "सत्ता का बिकेंद्रीकरण"। जिसके अनुसार गाँवों के विकास के लिए योजनाओ का निर्माण सूदूर राजधानियों में पंचसितारा सुविधाओं से परिपूर्ण किसी आलीशान सरकारी कक्ष में न होकर किसी दूर-दराज गाँव के किसी बरगद या पीपल के वृक्ष के नीचे गाँवों की चौपालो के माध्यम से किया जायेगा। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी का सपना भी यही था कि-गाँवो के उत्थान और विकास की योजनाए और नीतियां गाँवो में ही बननी चाहिए और तभी गाँवों की मौलिकता और आत्मनिर्भरता को वापस लाया जा सकता है।

कहानी में नहीं आता पहेली से नहीं जाता।

ना जाने क्यों ऐ छॉला मेरी हथेली से नहीं जाता। ।

तुम्हें आना पडेगा हमारे गाँव की गुमनाम गलियों में,

क्योंकि सदन का रास्ता तेरी हवेली से नहीं जाता। ।

गाँवो के उत्थान और विकास के लिए सवैंधानिक कानूनी और औपचारिक बदलाव के साथ-साथ सामाजिक शैक्षणिक और नैतिक सुधारों की भी महती आवश्यकता है। हमारे गवंई जन जीवन में कई प्रकार के दुर्गुण और दुर्व्यसन के साथ-साथ सोच-विचार की दृष्टि से कई प्रकार संकीर्णताए और सामाजिक तथा सांस्कृतिक पिछड़ापन पाया जाता है।

आधुनिकीकरण के नकारात्मक तत्वों के तेजी बढते दुष्प्रभाव के फलस्वरूप गाँवो में विशेषकर युवाओं में दुर्व्यसन बढता जा रहा हैं।ताडी, शराब गांजा भाँग ताश, जुआँ और चुगलखोरी की प्रवृत्ति से उबार कर ही गाँवो में आर्थिक समृद्धि और जन जीवन में खुशहाली लायी जा सकती है। इसके लिए सरकारों , पंचायतीराज संस्थाओं के विभिन्न पदों (ग्राम पंचायत सदस्य, ग्राम पंचायत प्रधान, क्षेत्र पंचायत सदस्य और जिला पंचायत) लिए निर्वाचित प्रतिनिधियों और गाँव के बौद्धिक समुदाय द्वारा ईमानदारी सार्थक पहल करने की आवश्यकता है। आजकल गाँवों में कुछ लोगों का सुबह का नाश्ता गाँवो के किसी तरकुल या खजूर के पेड़ के नीचे चना चबेना और ताडी के साथ होता हैं। तरकुल पर चढने उतरने के माहिर तरकुलारोही अपने कंधे पर बांस के फट्टे के आसरे लबनियों को इस तरह लेकर मचलते हुए चलते हैं जैसे लगता है कि श्रवण कुमार अपने माता-पिता को कंधे पर लटकाये तीर्थयात्रा पर निकले हैं। जेठ के महीने से पूरी गर्मी तक सुबह शाम ताडी का बडा आकर्षण रहता हैं। ताडी का औषधीय गुण बताने वाले देशज गवंई वैद्य भी इसके लाभकारी गुणों को एक ईमानदार विज्ञापनकर्ता की तरह बताते हैं जिससे ताडी पीने वालों की तादात और चाहत दोनों बढ जाती हैं। अपनी बसुन्धरा से लगभग 100 मीटर की ऊंचाई पर पाएं जानें वाले आकाशीय पेय पदार्थ के लिए किसी अखबार या टीवी चैनल पर विज्ञापन नहीं करना पड़ता हैं। बल्कि कस्तूरी ढूंढने वाले मृग की तरह इसकी चाह रखने वाले स्वयं पहुँच जाते हैं। इसके बाद दुपहरीया तिजहरिया में किसी सुनिश्चित चिन्हित स्थान पर ताश या जुआँ खेलने के लिए बटोर होने लगता है। भारतीय जनमानस में फुरसत के समय में ताश जुआँ और चौसर खेलने का वैसे तो चलन कलन बहुत पुराना है।

मनोज कुमार सिंह " प्रवक्ता"
लेखक/ साहित्यकार/ उप सम्पादक कर्मश्री मासिक पत्रिका

पुरातन छात्र सम्मेलन का हुआ आयोजन

प्रखर जलालपुर जौनपुर। कुटीर पीजी कॉलेज चक्के मे शुक्रवार को पुरातन छात्र सम्मेलन का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी पंडित अभयजीत दुबे स्मृति सभागार में किया गया। स्वर्ण जयंती वर्ष कार्यक्रम श्रृंखलांतर्गत आयोजित इस सम्मेलन में महाविद्यालय के स्थापना वर्ष 1971 से 1985 बैच तक के पुरातन छात्रों के साथ प्रबंधक तथा प्राचार्य ने दीप प्रज्वलन कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम दो सत्रों में आयोजित हुआ प्रथम सत्र के कार्यक्रम में वर्ष 1973 से 2022 तक पूरा छात्रों को स्मृति चिन्ह तथा खादी का अंगवस्त्र एवं झोला देकर सम्मानित किया गया। द्वितीय सत्र में महाविद्यालय के सेवानिवृत्त प्राचार्य,शिक्षक भी उपस्थित रहे जिसे पुरातन शिक्षक छात्र समागम नाम दिया गया।कार्यक्रम में संस्थान के पुरा छात्र रहे प्रो डी डी दुबे पूर्व संकायाध्यक्ष, त्रिवेणी सिंह सेवानिवृत्त आईआरएस,राजदेव यादव पूर्व प्रधानाचार्य, ओ पी भारती रिटायर्ड महाप्रबंधक भारतीय खाद्य निगम,दयाशंकर यादव पूर्व

डिविजनल इंजीनियर बीएसएनएल, रमाकांत पांडेय आदर्श किसान, उदय प्रताप सिंह सचिव गोरखपुर विकास प्राधिकरण,शरद मिश्र सेवानिवृत्त बैंक अधिकारी,डॉ जय प्रकाश पांडे वरिष्ठ वैज्ञानिक सीएसआरटीआई, ब्रिजलेस नागर वरिष्ठ वैज्ञानिक बीएआरसी, डॉ रीता प्रधानाध्यापिका, डॉ गिरीश कुमार प्रधानाध्यापक, श्री शंभू यादव अध्यापक ने अपनी स्मृतियों को भावुकता के साथ साझा किया। सभी ने ग्रामीण क्षेत्र के इस महाविद्यालय को साधनहीन समाज के लिए वरदान बताया। उद्बोधन में बार बार लोगों ने संस्थापक जी इस महान त्याग की प्रशंसा की और उनकी स्मृतियों का आत्मीय उल्लेख कर उन्हे श्रद्धांजलि दी।

संस्थापकजी स्मृति स्थल में चरखा चलाया जा रहा था जो आकर्षण का केंद्र था,जहां पूर्व छात्रों ने अपनी सेल्फी और फोटो भी पुराने चरखे के साथ खिंचवाई। कार्यक्रम में पूर्व प्राचार्य प्रो श्याम नारायण मिश्र सहित अन्य पूर्व शिक्षकों की उपस्थिति मिलन का अद्भुत संयोग बना रही थी। रसायन विज्ञान पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ जगत नारायण ने कहा यह वास्तव में प्रणाम आशीर्वाद समारोह लग रहा है। पूरा कार्यक्रम सांस्कृतिक कार्यक्रम से भरपूर रहा जिसका प्रदर्शन भी पूर्व छात्राओं द्वारा किया गया। महाविद्यालय के प्रबंधक डॉ अजयेंद्र कुमार दुबे ने कहा की पूर्व छात्र ही संस्थान का सही मूल्यांकन कर सकते हैं और वर्तमान पीढ़ी के छात्रों के लिए आदर्श भी। प्राचार्य डॉ रमेश मणि त्रिपाठी ने पूर्व छात्रों से अपील की, किसी भी रूप में आपका संस्था जुड़ा रहना महाविद्यालय के प्रगति और वर्तमान छात्रों के भविष्य के लिए एक सार्थक सहयोग होगा उन्होंने पूर्व छात्रों के उत्साह को देखते हुए कहा कि कक्षा और महाविद्यालय के अनुशासन की सीमा से मुक्त आत्मीय मिलन आज अलौकिक आनंद की प्राप्ति करा रहा है।हर्ष से भरे अनेक पूर्व छात्रों ने संस्थान में अध्यनरत विद्यार्थियों के हित में आर्थिक सहयोग की घोषणा की तथा यह भी आश्वस्त किया की उनके कार्य अथवा क्षेत्र में महाविद्यालय के किसी छात्र को कोई असुविधा नहीं होगी। कार्यक्रम का संयोजन पुरा छात्र पंकज भूषण मिश्र, संजय सिंह गौतम, कृष्णकांत मधुकर सहित एक समिति ने किया। आभार प्रदर्शन प्रो राघवेंद्र पांडेय तथा संचालन डॉ छवि गुप्ता ने किया।

सपा प्रत्याशी के केंद्रीय चुनाव कार्यालय का उद्घाटन

प्रखर जौनपुर। समाजवादी पार्टी की प्रत्याशी उषा श्रवण जयसवाल के सदभावना पुल मां नव दुर्गा मंदिर के समीप केंद्रीय चुनाव कार्यालय के उद्घाटन समारोह का आयोजन किया गया वही सभा को संम्बोधित करते हुए जिलाअध्यक्ष डां अवधनाथ पाल ने कहा समाजवादी पार्टी ने एक कार्यकर्ता को टिकट देकर ये संदेश

दिया है और जिस तरह आज समाजवादी पार्टी एकजुटता से अपने कैंडिडेट को जिताने के लिए कटिबद्ध है समाजवादी पार्टी का कैंडिडेट समाजवादी पार्टी का नेता के साथ साथ व्यापारी नेता भी है और लगातार व्यापारियों के लड़ाई लड़ता रहा है आज जिस तरह व्यापारी वर्ग उसका साथ दे रहे हैं उसे सीधा एक संदेश जा रहा है की व्यापारी वर्ग अब भाजपा के बहकावे में नहीं आएगा व्यापारियों का हित करने वाला सिर्फ समाजवादी पार्टी है और 20 साल का किला इस बार नगर पालिका में समाजवादी पार्टी का प्रत्याशी ढहाने का काम करेगा हमारे बूथ स्तर तक के कार्यकर्ता इस चुनाव को बहुत मजबूती से लड़ रहे हैं ऐतिहासिक वोटों से इस बार नगर पालिका अध्यक्ष समाजवादी पार्टी का होगा वहीं प्रत्याशी उषा जयसवाल ने कहा समाजवादी पार्टी के एक एक कार्यकर्ता जीस तरह से इस चुनाव लगें है इससें हमें बहुत हौसला मिल रहा है व्यापारी वर्ग जीस तरह इस चुनाव में खुलकर समर्थन कर रहा है निश्चित रूप से समाजवादी पार्टी का नगरपालिका अध्यक्ष होगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक लंलन प्रसाद यादव, शैलेंद्र यादव,श्री राम यादव, श्रद्धा यादव, अरशद खान, राजबहादुर यादव, शकील अहमद, रुक्सार अहमद, राजनाथ यादव, राहुल त्रिपाठी, दीपचंद राम, यशपाल गुप्ता, अनवारुल हक, गप्पू मौर्या लाल मोहम्मद रानी,कमालुद्दीन अंसारी, जयसवाल समाज के निवर्तमान जिलाअध्यक्ष सर्वेश जयसवाल, अमरनाथ मोदनवाल मेवालाल गौतम, आरीफ हबीब, साजिद अलीम, ईशांद मंशूरी, धर्मेंद्र चौरसिया आदि संचालन हिसामुद्दीन शाह ने किया।

केंद्रीय ब्राह्मण महासभा द्वारा आयोजित परशुराम जयंती एवं शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन

केंद्रीय ब्राह्मण महासभा ब्राह्मण समुदाय के गरीब कन्याओं का विवाह संपादित कराएगी : पंडित ओंकार नाथ उपाध्याय

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। केंद्रीय ब्राह्मण महासभा के साधारण बैठक में नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी को चुनाव अधिकारी डॉ सुरकांत झा के द्वारा पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गई` नवगठित राष्ट्रीय कार्यकारिणी के संरक्षक मंडल के सदस्य पं शीतला प्रसाद पांडेय, डॉक्टर दिनेश कुमार तिवारी पूर्व महंत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ,पंडित राजेंद्र तिवारी ,पंडित अनिल कुमार पांडेय, ज्योतिषाचार्य पंडित ऋषि द्विवेदी भी उपस्थित रहे। चुनाव अधिकारी ने सर्वप्रथम राष्ट्रीय कार्यकारिणी के अध्यक्ष पद पर पंडित ओंकार नाथ उपाध्याय , वरिष्ठ उपाध्यक्ष पद पर पंडित विवेक शंकर तिवारी ,उपाध्यक्ष पद पर पंडित अजीत मिश्रा , पंडित धीरेंद्र नाथ शर्मा, पंडित सुनील शुक्ला, पंडित अभिजीत त्रिपाठी। महामंत्री पद पर डॉ श्याम जी तिवारी,संयुक्त महामंत्री पद पर पंडित रवि उपाध्याय,कोषाध्यक्ष पद पर पंडित नीलमणि पांडेय तथा आय व्यय निरीक्षक के पद पर पंडित शांति भूषण मिश्रा एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी के सदस्यगण के रूप में पंडित अरुण द्विवेदी ,पंडित रघु मिश्रा,डॉक्टर जगदंबा प्रसाद मिश्र ,पं बच्चा शुक्ला, पंडित मोहन तिवारी को चुनाव अधिकारी के द्वारा उनके पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई गयी। साथ ही महिला मंच की राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर पूजा दीक्षित ,युवा मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर पंडित राजेश त्रिपाठी तथा विवाह संयोजन समिति

के राष्ट्रीय अध्यक्ष के पद पर पंडित अरविंद त्रिपाठी को भी पद एवं गोपनीयता की शपथ केन्द्रीय ब्राहमण महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित ओंकार नाथ उपाध्याय ने दिलाई। तत्पश्चात भगवान परशुराम की जयंती राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित ओंकार नाथ उपाध्याय की अध्यक्षता एवं पदमश्री डॉ रजनीकांत द्विवेदी के मुख्य आतिथ्य एवं साहित्य भूषण पंडित हरिराम द्विवेदी तथा संस्थापक संरक्षक कर्नल रंजीत उपाध्याय के विशिष्ट आतिथ्य में मनाया गया। सर्वप्रथम उपस्थित सभी ब्राह्मण बंधुओं ने भगवान परशुराम जी के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि अर्पित की एवं अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। कार्यक्रम में वक्ताओं ने विचार व्यक्त करते हुए भगवान परशुराम के विराट व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर विस्तृत प्रकाश डाला। अध्यक्षता कर रहे राष्ट्रीय अध्यक्ष ने अपने उद्बोधन में कहा कि केंद्रीय ब्राह्मण महासभा आने वाले एक वर्ष के लिए एक कार्य योजना बनाकर निश्चित उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कार्य करेंगी` केंद्रीय ब्राह्मण महासभा आगामी वर्ष में ब्राह्मण समुदाय के गरीब कन्याओं का विवाह संपादित कराएगी तथा ब्राह्मण समुदाय मेधावी छात्रों को छात्रवृत्ति भी प्रदान करेगी एवं ब्राह्मण समुदाय में जागरूकता उत्पन्न कर उपनयन संस्कार भी सामूहिक रूप से आयोजित करेगी तथा पीड़ित और शोषित ब्राह्मण समाज के सदस्यों के लिए एक टास्क फोर्स का गठन कर तथ्यों को जुटाकर उन्हें निःशुल्क कानूनी सुविधा उपलब्ध कराएगी। कार्यक्रम का संचालन केंद्रीय ब्राह्मण महासभा के संरक्षक डॉक्टर दिनेश कुमार तिवारी ने किया।

संक्षिप्त खबरें

अपने एक दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे सीएम योगी

प्रखर वाराणसी। प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार को वाराणसी पहुंचे। बता दें कि 3:00 बजे के आसपास पुलिस लाइन में उनका हेलीकॉप्टर उतरा जहां से वो सीधे काल भैरव मंदिर पहुंचकर दर्शन पूजन किए। रविवार के दिन अष्टांग योग पूजन पुजारियों ने करवाया, जिससे मनोकामना की पूर्ति होती है। उसके बाद योगी आदित्यनाथ काशी विश्वनाथ मंदिर के दरबार पहुंचकर विधि विधान से बाबा विश्वनाथ का पूजा किए और वही से सीएम योगी रोहनिया स्थित भाजपा कार्यालय पहुंचे। साथ ही देर शाम विभिन्न कार्यों को लेकर समीक्षा बैठक भी करेंगे।

प्रेमिका ने बात करने से मना किया तो प्रेमी ने दी श्रद्धा की तरह टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी

कानपुर। उत्तर प्रदेश के कानपुर जिले से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। एक युवक ने युवती को फोन पर बात न करने पर श्रद्धा की तरह टुकड़े-टुकड़े करने की धमकी दी है। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि युवती ने युवक की हरकतों की वजह से उससे दूरियां बना ली थी और बातचीत भी बंद कर दी थी, जिस पर गुस्साए युवक ने उसे जान से मारने की धमकी दे डाली। जानकारी के अनुसार जिले के रायपुरवा निवासी कामिल अब्बास के साथ युवती की दोस्ती थी। इसके कुछ समय बाद युवती ने उसकी हरकतों की वजह से उससे दूरियां बना ली और बातचीत बंद कर दी। इसी बात से गुस्साए युवक ने युवती को बर्बाद करने की धमकी दी थी। इसके बाद युवती ने कामिल के खिलाफ पास ही के एक थाने में शिकायत की थी, जिसके बाद पुलिस ने दोनों परिवारों के बीच समझौता करवा दिया था। इसके बाद भी युवक लगातार युवती पर बातचीत करने और मिलने को लेकर दबाव बना रहा था। पीड़िता ने युवक के परिजनों से उसकी शिकायत की, जिसके बाद कामिल के परिजनों ने उसे कहीं और भेज दिया। इस पर युवती ने थाने में तहरीर दी है। थाना प्रभारी अमान सिंह ने बताया कि पीड़िता की शिकायत पर आरोपी के खिलाफ गाली-गलौज, छेड़छाड़ समेत धमकी देने की धाराओं में मामला दर्ज कर उसकी तलाश की जा रही है।

नृत्य केवल हाथ-पैर, आंखों और चेहरे की अलग-अलग भाव-भंगिमाओं का ही नाम नहीं है। इससे पूरे शरीर, मन और आत्मा में एक नई ऊर्जा, स्फूर्ति और उल्लास का संचार होता है। इससे तन के ही नहीं मन के भी अनेक रोगों का निदान हो जाता है। यानी नृत्य किसी के भी जीवन में नई उमंग, तरंग का प्रवाह करने में सक्षम है। इस बारे में मशहूर नृत्यांगना के अनुभव उन्हीं की जुबानी।

जीवन की ताल पर थिरक उठे तन-मन

कवर स्टोरी / रानी खानम, कथक गुरु

इस बात में संदेह नहीं कि डांस का हमारी बॉडी, माइंड और सोल के साथ गहरा आंतरिक संबंध होता है। इससे शरीर हेल्दी-फिट रहता है, मन को तरोताजगी और खुशी मिलती है। क्लासिकल डांस को तो हमेशा भक्ति और आत्मा की खुशी का प्रतीक माना जाता रहा है। मेरे पास अलग-अलग उद्देश्य से डांस सीखने बच्चे, किशोर और युवा आते हैं। कुछ प्रोफेशनल डांसर बनने, कुछ डांस का शौक रखने वाले, कुछ डांस की पढ़ाई करने वाले और कुछ स्पेशल दिव्यांग बच्चे यानी शारीरिक-मानसिक रूप से कमजोर बच्चे भी आते हैं। ऐसे स्पेशल बच्चों में कुछ हाइपरएक्टिव, व्हील चेयर वाले बच्चे, पोलियो ग्रसित बच्चे यानी कई तरह के दिव्यांग बच्चे होते हैं। जिन्हें हम उनकी क्षमताओं को देखते हुए डांस सिखाते हैं। डांस से उनका जीवन बदल जाता है।

डांस थेरेपी से मिलती है खुशी

दिव्यांग बच्चों के लिए तो डांस, थेरेपी की तरह होता ही है लेकिन सामान्य जन को भी इससे अद्भुत आनंद और खुशी मिलती है। मेरे पास बहुत सारी ऐसी महिलाएं और लड़कियां आती हैं, जो डांस के माध्यम से अपनी हर तकलीफ, तनाव भूल जाना चाहती हैं। वे नृत्य को जीवन में भक्ति की तरह लेती हैं, नृत्य से उन्हें खुशी मिलती है। उनका तनाव कम होता है। जब डांस के माध्यम से किसी की तकलीफ, तनाव दूर होता है और उसे खुशी मिलती है तो इसे कहते हैं डांस थेरेपी। यहां डांस केवल डांस नहीं रहता, डांस थेरेपी बन जाता है। यानी डांस दवा जैसा भी असर दिखाता है।

मन को करता है एकाग्र

करीब पांच महीने पहले एक बच्ची अपनी मां के साथ मेरे पास आई। बच्ची स्थिर नहीं बैठ रही थी। कभी इधर बैठे, कभी उधर चली जाए। उसकी मां उसे बार-बार डांट रही थी। उसकी मां ने मुझसे कहा, 'गुरुजी इसे कथक सिखाना है।' मैंने कहा, 'यह बच्ची बहुत हाइपर एक्टिव है। मैं पहले इसकी एनर्जी को चैनलाइज करना चाहती हूं।' उसकी मां इस बात को स्वीकार ही नहीं कर रही थी कि उसकी बेटी स्पेशल बच्चों में शामिल है। मैंने कहा कि इसे सीखने में टाइम लगेगा और आप इसे मेरे सामने रोकना-टोकना नहीं और जैसा मैं आपसे बोलूं आप वैसा करना। बच्ची जब आने लगी तो डांस क्लास में भी मेरी तरफ ना देखती थी ना ही मेरी बात सुनती थी। उसका मन एकाग्र नहीं रहता था, वह अपनी दुनिया में रहती थी। मैंने उसकी मां से पूछा, 'क्या यह आपकी आंख में देखकर आपसे बात करती है?' वे बोलीं, 'नहीं।' मैंने उसकी मां से कहा, 'जब वो इधर-उधर देखे तो उसे बोलिए-मेरी आंखों में देखो। ना देखे तो अपने हाथ में उसकी कोई फेवरेट चीज रखो और जब वह आपकी आंखों में देखे तो उसे वह चीज खाने के लिए दें। ऐसा दो सप्ताह तक करें।' साथ ही मैं उसे उसकी क्षमतानुसार क्लास में डांस सिखाती रही। आज यही बच्ची क्लास में पूरी तरह फोकस्ड रहती है। उसका जो हाइपर एक्टिव व्यवहार था, वह भी थोड़ा कम हो गया है। आंख में आंख डाल कर बात करने लगी है। नृत्य भी ठीक करने लगी है। पांच महीने में 30-40 प्रतिशत उसकी डिसलोकेशन की समस्या ठीक हो चुकी है। अब मेरी बात सुनने भी लगी है और नृत्य को एंज्वॉय भी करने लगी है। मैंने उसकी मां से कहा, 'आपकी बच्ची स्पेशल चाइल्ड है, इसे स्पेशल केयर की जरूरत है। आपको बेटी पर चिल्लाना नहीं है, ना ही उस पर दबाव डालना है। तभी आपकी बेटी आपकी सुनेगी। मुझे उम्मीद है एक साल के अंदर वह बिल्कुल सही ट्रैक पर आ जाएगी।'

तनाव हो जाता है दूर

डांस में तनाव दूर करने की गजब की क्षमता होती है। इसीलिए मेरे पास जो सामान्य बच्चे डांस सीखने आते हैं, उन्हें मैं उनके एग्जाम्स के दौरान जरूर डांस क्लास करने के लिए बुलाती हूं, क्योंकि एग्जाम्स के दौरान बच्चे बहुत ज्यादा स्टडी प्रेशर और टेंशन में रहते हैं। देर तक जागते और पढ़ते रहते हैं। ऐसे में जब वे एक घंटा डांस क्लास करते हैं तो रिफ्रेश हो जाते हैं। बच्चों के ही नहीं किसी भी व्यक्ति के तनाव को दूर करने में डांसिंग, थेरेपी का काम करता है।

अवसाद से दिलाए मुक्ति

जीवन में जब खुशी के पल आते हैं तो हम नाचते हैं। अपनी प्रसन्नता को नृत्य के माध्यम से बाहर प्रकट किया जा सकता है। नृत्य केवल मन की खुशी को ही प्रकट नहीं करता, वह भीतरी तनाव, दुख और अवसाद को भी बाहर निकालता है। इसलिए जब आप बहुत तनाव में हों या परेशान हों तो कुछ देर नृत्य करें। इससे आप खुद को काफी हल्का महसूस करेंगे।

इसलिए अपने शरीर की फिटनेस के लिए, मन की खुशी और आत्मा के उल्लास के लिए जब अवसर मिले खूब थिरकिए, जी भर कर नाचिए। *

प्रस्तुति : रेणु खंतवाल

स्पेशल बच्चों का बढ़ता है कॉन्फिडेंस

दिव्य कला शक्ति कार्यक्रम के माध्यम से हमने दिव्यांग बच्चों के सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश किए। बच्चों के आत्मबल और उनके मन में इस भावना को जगाया कि वे भी बाकी बच्चों की तरह ही डांस कर सकते हैं। डांस ने ऐसे बच्चों के अंदर इच्छा शक्ति और आत्मविश्वास को बढ़ाने में बड़ी भूमिका निभाई। जब इच्छा शक्ति प्रबल होती है तो इंसान असंभव लगने वाले काम भी कर लेता है। जब दिव्यांग बच्चे स्टेज पर आकर अपनी नृत्य प्रतिभा को प्रस्तुत करते हैं, उनके लिए तालियां बजती हैं, उनका सम्मान होता है तो बच्चों का आत्मबल बहुत बढ़ जाता है। यह उनके मन पर बहुत सकारात्मक रूप से काम करता है। स्टेज पर खड़े होकर किसी मामले में अक्षम बच्चा समाज में अपने वजूद को पूरी तरह सक्षम देखता है, खुद को समाज का हिस्सा महसूस करता है कि वह भी सक्षम है। निश्चित ही इससे उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव आता है। *

पढ़ने की आदत यानी रीडिंग हैबिट से किसी विषय या क्षेत्र की जानकारी तो बढ़ती ही है। रीडिंग हैबिट से कई ऐसी गुड क्वालिटीज भी डेवलप होती हैं, जिनसे पर्सनालिटी में भी निखार आता है। रीडिंग हैबिट के इन तमाम फायदों के बारे में जानकर आप भी जरूर इनका लाभ उठाना चाहेंगे।

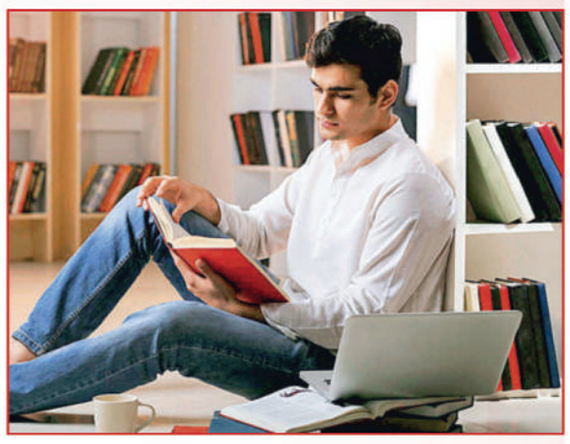

स्मार्ट बनाती है रीडिंग हैबिट

एडवाइस / शिखर चंद जैन

हमारे बड़े-बुजुर्ग हमेशा से कहते आए हैं, 'पढ़ोगे-लिखोगे बनोगे नवाब।' मौजूदा दौर के मनोविज्ञानियों, स्वास्थ्य विशेषज्ञों और व्यवहार विशेषज्ञों का भी यही मानना है। उन्होंने अपने कई रिसर्च के नतीजों में पाया है कि पत्र-पत्रिकाएं और पुस्तकें पढ़ने की आदत से कई तरह के फायदे होते हैं।

इंप्रूव होती है कम्युनिकेशन स्किल : कई शोधों के नतीजों से पता चला है कि पढ़ने की आदत हमारी सोच के दायरे को बढ़ाती है। इससे हम चीजों को बेहतर तरीके से समझ सकते हैं। अपने विचारों की अभिव्यक्ति ज्यादा प्रभावी तरीके से कर सकते हैं और लोगों से संवाद की कला सीखते हैं। पढ़ने वाले लोगों की कल्पना शक्ति और शब्द भंडार भी दूसरों की तुलना में बेहतर होते हैं, जो उन्हें एक अच्छा वक्ता भी बना देते हैं।

बढ़ती है समझ-संलग्नता: विभिन्न तरह की फिक्शनल बुक्स पढ़ने से हमारी सहिष्णुता, आस-पास के माहौल से संलग्नता, कॉमन सेंस और समझ बढ़ती है। जब हम कहानियों के माध्यम से विभिन्न पात्रों की मानसिकता, उनकी सोच और व्यवहार को पढ़ते और समझते हैं तो लोगों के प्रति हमारी समझ बढ़ती है और उनके मन के भावों को समझने में आसानी होती है।

बढ़ता है सामान्य ज्ञान : नियमित रूप से अखबार, पत्रिकाएं और किताबें पढ़ने वाले लोगों का सामान्य ज्ञान, तथ्यों के बारे में जानकारी में इजाफा होता है। पढ़ने से हमारी कल्पना शक्ति बढ़ती है और सूचनाओं से एक्सपोजर बढ़ता है। जब हम विभिन्न विषयों की किताबें पढ़ते हैं तो हमारा सामान्य ज्ञान हर क्षेत्र में बढ़ता है, चाहे वो राजनीति हो, इतिहास हो, ताजा घटनाक्रम हो या फिर तकनीक का क्षेत्र।

सीखते हैं सूचनाएं सहेजना : छात्र जीवन हो या किसी भी फील्ड की प्रोफेशनल लाइफ, हमें अकसर सूचनाओं और तथ्यों को सही तरीके से सहेजना, सजाना और आसान तरीके से किसी के सामने प्रस्तुत करना पड़ता है। उत्पाद या सेवाओं को बेचने और लोगों को प्रभावित, आकर्षित करने के लिए यह आवश्यक है। अगर हम एक अच्छे पाठक हैं तो यह स्किल आसानी से सीख सकते हैं। पढ़ने से हमको ग्राफ, चित्र, स्केचों के माध्यम से अपनी प्रस्तुति को आकर्षक बनाने की कला आ जाती है, साथ ही हेडिंग, सब हेडिंग और सूची बनाने की कला भी समझ में आ जाती है।

बढ़ाए एकाग्रता : नियमित रूप से किताबें पढ़ने वालों में एकाग्रता का स्तर दूसरे लोगों की तुलना में कहीं ज्यादा होता है। जब हम किताब पढ़ते हैं तो एक प्रकार से किसी हेल्दी एक्टिविटी में संलग्न होते हैं। किताब पढ़ते समय हमारा दिमाग सूचनाओं और डिटेल्स को फॉलो करने में व्यस्त रहता है, इससे ब्रेन मसल्स की अच्छी-खासी एक्सरसाइज हो जाती है। इतना ही नहीं पढ़ते वक्त हम अपने दिमाग को एक प्रकार से एकाग्रता की ट्रेनिंग दे रहे होते हैं।

आती है अच्छी नींद : जब हम एक अच्छी किताब को खोलते हैं और इसे ध्यान से पढ़ते हैं तो कल्पना के सागर में डूब जाते हैं। ऐसे में हम आनंद महसूस करते हैं। अपनी रूटीन टेंशन भूल जाते हैं। जाहिर है, हमारा तन और मन दोनों रिलैक्सिंग मोड में चले जाते हैं। इसलिए रात को सोने से पहले पुस्तक पढ़ने पर हमें एक अच्छी नींद आती है। अच्छी नींद सोकर उठने के बाद पढ़ाई-लिखाई या किसी भी अन्य कार्य में खूब मन लगता है। इससे एनर्जी लेवल बना रहता है और मेमोरी भी अच्छी होती है।

थेरेपी भी है रीडिंग : रीडिंग थेरेपी, क्रिएटिव आर्ट्स थेरेपी का एक प्रकार है। इसके तहत किताबों की मदद से विशेष मानसिक समस्याओं का निदान किया जाता है। मनोविज्ञानी क्रॉनिक स्ट्रेस, एंग्जायटी और डिप्रेशन जैसी बीमारियों के इलाज के लिए सफल प्रयोग कर चुके हैं। हाल के कुछ वर्षों में नॉन इनवेंसिव, सस्ती और प्रभावशाली थेरेपी होने के कारण इसका प्रयोग बढ़ रहा है।

ये तमाम बातें सिद्ध करती हैं कि रीडिंग हैबिट हमारे लिए भरपूर फायदेमंद है। *

बच्चे के जन्म के बाद हम अलग बन जाते हैं : रानी मुखर्जी

रानी मुखर्जी कहती है की उनको अगर सबसे अधिक कोई किरदार पसंद है तो वो उनकी रोमांटिक भूमिकाएं है। अभिनेत्री रानी मुखर्जी ने फिल्म 'कुछ कुछ होता है' 'साथिया' 'चलते चलते' और 'हम तुम' के साथ जगह बनाई। उनके काम में कॉमेडी, ट्रेजेडी, व्यंग्य, रोमांस, ड्रामा और बीच में सब कुछ शामिल है। अपने शानदार करियर के दौरान, रानी ने ब्लैक, हिचकी और मर्दानी जैसी फिल्मों में अपरंपरागत भूमिकाएं निभाकर प्रतिभा और सूक्ष्मता को साबित किया है। रानी ने खुलासा किया, आपके जीवन में कभी भी ऐसा कोई लक्ष्य नहीं होता, जब आप इसे आसानी प्राप्त कर सकते है। उत्कृष्टता के लिए प्रयास करते रहना होगा। अपना सर्वश्रेष्ठ शॉट देने के लिए प्रयास करते रहना होगा।
उसने कहा, अपने बच्चे के जन्म से पहले, आप अलग व्यक्ति हैं और बच्चे को जन्म देने के बाद, पूरी तरह से अलग व्यक्ति बन जाते हैं। यह ऐसा है जैसे आपने कुछ बनाया है और दुनिया में ऐसी कोई भावना नहीं है, जो आपके मां बनने के पल के करीब भी आ सके। उन्होंने यह भी बताया कि कैसे उन्होंने और उनकी बेटी आदिरा ने अपनी नवीनतम फिल्म मिसेज चटर्जी बनाम नॉर्वे की शूटिंग के दौरान लोकेशन पर समय बिताया।

चार अनोखी महिलाओं की कहानी

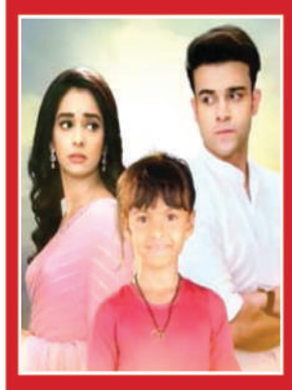

'सास, बहू और फ्लेमिंगो' के साथ सास बहू 2.0 नए रूप में प्रस्तुत करती है। सास जो कट्टर है और बहुएं जो जिद्दी और हार न मानने वाली है, ये औरतें और कुछ नहीं बस अक्खड़, ताकतवर, और यहां तक कि अपनी मर्जी से निष्ठुर हैं। इसमें डिम्पल कपाड़िया, राधिका मदान, अंगिरा धर और ईशा तलवार मुख्य भूमिकाओं में हैं। आशीष वर्मा, वरुण मित्रा, उदित अरोड़ा, दीपक डोबरियाल और मोनिका डोगरा, आदि। सास बहू और फ्लेमिंगो 5 मई को डिज्नीप्लस हॉटस्टार पर रिलीज होगा। डिम्पल कपाड़िया ने कहा, कहानी जो दिखाती है कि जुनून और गड़बड़ियों से भरी दुनिया में क्या चीज साधारण लोगों को असाधारण बनाती है। इसमें स्वच्छंद महिलाओं का झुंड है, जो ऐसा नैरेटिव देती हैं, जिसे अक्सर पुरुष किरदार निभाते हैं और सबसे रंगीन किरदार हैं।

'कुमकुम भाग्य' ने पूरे किए 9 साल

जीटीवी का 'कुमकुम भाग्य' शो ने 9 साल पूरे कर लिए हैं, टीम ने मिठाइयां और कप केक्स बांटकर जश्न मनाया। प्रोड्यूसर एकता कपूर कहती हैं, हमने अभि और प्रज्ञा के साथ साल 2014 मेंअपना सफर शुरू किया था और अब हमने 9 साल पूरे कर लिए हैं। यह वाकई बेहद खुशी का मौका है। कृष्णा कौल बताते हैं, सच कहूं तो ऐसी किसी सफलता का हिस्सा होना बेहद खुशनुमा एहसास है। जब हमारी मेहनत रंग लाती है तो इससे कीमती एहसास और कुछ नहीं होता। मुग्धा चाफेकर बताती हैं, मैं बेहद शुक्रगुजार हूं। एकता मैम जीनियस हैं और कहानी को और दिलचस्प बनाना चाहते हैं।

सुमति ने किया बचपन को याद

शेमारू उमंग के शो 'किस्मत की लकीरों से' में शैली प्रिया पांडे द्वारा अभिनीत श्रद्धा ने सरोगेसी का विकल्प चुना। कीर्ति (सुमति सिंह) ने अच्छा बनने का नाटक किया, जिससे पायल को एलर्जी हो गई। सुमति ने कहा, मेरा छोटा भाई है, जब हम बच्चे थे, तो मुझे उसका मजेदार श्रृंगार करने में मजा आता था। कभी-कभी मैं उसे अपनी मां की साड़ी में भी लपेटती थी, उसके माथे पर बिंदी लगाती थी और उसका मेकअप करती थी। अब जब हम बड़े हो गए हैं, तो जिम्मेदारियों में व्यस्त हैं। इस तरह के सीन्स की शूटिंग मुझे पुरानी यादों में ले जाती है, जो मुझे उस समय के मजेदार समय की याद दिलाती है।

घर के डिजाइनर बने रोहित

जी टीवी का शो 'भाग्य लक्ष्मी' के लीड एक्टर्स ऐश्वर्या खरे और रोहित सुचंती हैं। अपने घर को सुकून की जगह बनाने के लिए रोहित खुद इंटीरियर डिजाइनर बन गए हैं। रोहित बताते हैं, खुद का घर होने का एहसास बेहद खुशनुमा होता है। मैं अपने ड्रीम हाउस को उसी तरह डिजाइन करना चाहता हूं, जैसा मैं हमेशा सोचता था। घर को सजाना रोमांचक होने के साथ-साथ चैलेंजिंग भी होता है। डिजाइन के साथ-साथ मैं घर के लिए कस्टम मेड फनीचर पर भी ध्यान दे रहा हूं ताकि इसे मुकम्मल लुक दिया जा सके, जो घर की थीम के हिसाब से हो। मुझे नहीं पता कि मैं अच्छा इंटीरियर डिजाइनर हूं।

क्रिकेट कप्तान इमरान

इमरान नजीर खान एण्डटीवी के कॉमेडी शो 'भाबीजी घर पर हैं' में एंट्री करने के लिए तैयार है। इमरान विभूति नारायण मिश्रा (आसिफ शेख) के कजिन और क्रिकेट टीम के कप्तान टिम्मी की भूमिका निभाएंगे। इमरान ने बताया, टिम्मी खिलाड़ी है। वह मैच के लिए कानपुर आता है और अपने कजिन विभूति नारायण मिश्रा के यहां ठहरता है। अंगूरी (शुभांगी अत्रे) को देखता है और इश्कबाजी शुरू कर देता है, जिसे देखकर उसके भाई को जलन होती है। उन्होंने कहा, मैं पिछले पांच सालों से इस इंडस्ट्री का हिस्सा हूं लेकिन पहली बार मेरा परिवार मुझे इस शो में देखने के लिए उत्सुक है। सभी अजीबोगरीब, मजेदार और दिलचस्प किरदार निभा रहे हैं, जिसे देखकर मेरी भी शो में काम करने की इच्छा हुई।

खुशी दुबे को फूड प्वाइजनिंग

कलाकारों के लिए आसान नहीं होता है। वे अपनी काबिलियत के अनुसार बेस्ट परफॉर्मेंस देने और मनोरंजन करने के लिए काम करते हैं। ऐक्टर खुशी दुबे उर्फ 'आशिकाना 3' की चिक्की को फूड प्वाइजनिंग हो गई इसके बावजूद उन्होंने शूटिंग जारी रखी। खुशी ने कहा, मुझे फूड प्वाइजनिंग हो गई थी और मेरी सेहत ठीक नहीं थी। मैं पूरे दिन बहुत बेचैनी और उलझन महसूस कर रही थी और मुझे डिहाइड्रेशन हो गया था। मैंने दिन भर कुछ नहीं खाया और भूखी रही। इन सबके बीच, मुझे चुनौतीपूर्ण सीन की शूटिंग करनी थी, जहां चिक्की अभी-अभी मेंटल असाइलम से बाहर आई है। मुझे चीखना, चिल्लाना था और सारे दर्द, पीड़ा और पागलपन को अपने बॉडी लैंग्वेज से दिखाना था।

मैं कुछ अनूठा करना चाहता था : प्रणीत भट्ट

प्रणीत भट्ट स्टार भारत के 'आशाओं का सवेरा... धीरे धीरे से' में हैं। वह शास्त्री परिवार का हिस्सा, भानु के छोटे भाई 'अमित' के किरदार को चित्रित कर रहे हैं। प्रणीत कहते हैं, मैंने पौराणिक शोज में शकुनि मामा जैसे कई मजबूत किरदार निभाए हैं, इसलिए मैं कुछ अनूठा और महत्वपूर्ण करना चाहता था। लोग अक्सर मुझे वास्तविक जीवन में पहचानने में विफल रहे क्योंकि उन्होंने हमेशा मुझे भारी वेशभूषा और श्रृंगार में देखा है इसलिए इस किरदार के साथ मैं चाहता था कि मुझे अपने वास्तविक रूप में देखें।

मेघा की सलाह 'थोड़ा रुक कर राहत की सांस लें'

जहा मुंबई को रोमांटिक लोगों ने 'सपनों का शहर' कहा है, वही इसे ऐसा शहर भी कहा जाता है, जो कभी नहीं सोता। इस मैक्सिमम सिटी की हलचल के बीच हैं 'बंबई नगरिया' के लोग। एक्ट्रेस मेघा रे की राधिका के लिए महानगर में रहने के लिए कुछ सलाह है। मेघा कहती हैं, मुंबई में लोग भागदौड़ करते हैं, चुनौतियों से जूझते हैं और सपनों को सच करने के लिए संघर्ष करते है, लेकिन निश्चित रूप से, इस शहर से प्यार हो जाता है क्योंकि यह आपको मजबूत और आत्मनिर्भर बनना सिखाता है। जब भी ये शहर बहुत बड़ा और अफरातफरी भरा लगने लगे तो थोड़ा रुककर राहत की सांस लें। मुंबई भले ही बड़ा लगे, लेकिन यह कभी भी अकेला महसूस नहीं होने देगी। यह शहर आपको अगले दिन फिर से जागने और काम पर जाने के लिए लोकल ट्रेन पकड़ने के लिए प्रेरित करता है। शहर के शोर में सुकून के छोटे छोटे पल मिलेंगे। चाहे वो कटिंग चाय की खुशबू हो, लोकल ट्रेन में लेडीज के साथ प्यारी बातचीत हो, काला घोड़ा में वास्तुकला की सुंदरता और चमक हो, अपने रूम मेट्स के साथ मरीन ड्राइव पर बैठकर नींबू पानी पीना हो या फिर लंबी दूरी तय करते हुए अपने पसंदीदा बॉलीवुड गाने सुनना हो, आप हर मोड़ पर पाएंगे कि मुंबई में आत्मा बसती है। अपुन, 'मस्का', 'पतली गली', और सब्जियों को 'भाजी' और प्याज को 'कांदा' कहने की आदत डालने में समय लग सकता है लेकिन धीरे-धीरे इसे समझेंगे और आखिरकार, सब कुछ 'झकास' हो जाएगा।

जिंदगी क्रिकेट खेलती है : करुणा पांडे

सोनी सब के धारावाहिक पुष्पा इम्पॉसिबल, में क्रिकेट और जीवन के बीच की समानताओं के बारे में बात करते हुए, करुणा पांडे उर्फ पुष्पा कहती हैं, क्रिकेट बचपन से ही मेरे जीवन का हिस्सा रहा है। मैंने स्कूल के बाद और छुट्टियों के दौरान अपने परिवार और दोस्तों के साथ क्रिकेट खेला है। बहुत कुछ सीखा। क्रिकेट में हर गेंद जिंदगी की तरफ से आपकी ओर फेंके जाने वाली चुनौती की तरह होती है। कभी-कभी आप इसे पार्क से बाहर मारते हैं और कभी चूक जाते हैं, लेकिन खेल को जारी रखना महत्वपूर्ण है। क्रिकेट और जीवन दोनों में, व्यक्ति को अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए धैर्य रखना चाहिए, अच्छी रणनीति बनानी चाहिए और कड़ी मेहनत करनी चाहिए। क्रिकेट ने मुझे सिखाया है कि असफलता अंत नहीं है, बल्कि सीखने और बढ़ने का अवसर है। इससे मैंने यह भी सीखा कि चाहे जो भी हो, सहज रहो और कोशिश करते रहो।

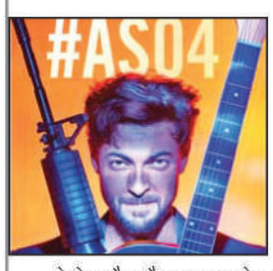

आयुष शर्मा की एक्शन एंटरटेनर 'रुस्लान'

आयुष शर्मा की आगामी मसाला एक्शन एंटरटेनर का नाम रुस्लान है, जिसे पहले अस्थाई रूप से AS-04 कहा जाता था। पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है रुसलान बेजोड़ स्वैग और स्टाइल वाले एक्शन के साथ मसाला एक्शन एंटरटेनर ने शूट पूरा कर लिया। आयुष ने सोशल मीडिया पर शीर्षक साझा किया। जिसमें सुश्री मिश्रा अपना डेब्यू करेंगी, जगपति बाबू और विद्या मालवडे महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आएंगे। कात्यायन शिवपुरी द्वारा निर्देशित यह फिल्म 2023 में रिलीज होने के लिए तैयार है।

श्रिया पिलगांवकर की सीरीज की शूटिंग शुरू

श्रिया पिलगांवकर हर किरदार को शिद्दत से निभाती हैं। अब श्रिया राधा के साथ 'द ब्रोकन न्यूज' के सीक्वल के साथ वापसी करने के लिए तैयार हैं। इसमें जयदीप अहलावत और सोनाली बेंद्रे भी हैं। श्रिया ने कहा, इसकी कहानी ह्यूमन एक्सप्लोरेशन के कई स्तरों से अवगत कराती है कि विभिन्न न्यूज चैनल्स देश में दैनिक संवाद को किस तरह कैप्चर करते हैं। कहानी और भी अधिक रोमांचक और मनोरंजक है, जहां कई सारे ट्विस्ट्स हैं, श्रिया ने आगे कहा, मेरा सिस्टम से लड़ने के मिशन पर जाएगा, जिसने उस पर गलत आरोप लगाया था। राधा सबकी सोच से परे नजर आएगी।

विद्युत की स्पाई थ्रिलर 'आईबी 71'

एक्टर विद्युत जामवाल नेशनल अवॉर्ड विनर संकल्प रेड्डी के डायरेक्शन में बनी फिल्म 'आईबी 71' से स्क्रीन्स पर आने की तैयारी कर रहे हैं। इसको पहली बार प्रोड्यूस भी करने वाले हैं। फिल्म हाइली क्लासिफाईड मिशन के बारे में है। जामवाल ने लिखा, टॉप सीक्रेट मिशन जिसने हमें 1971 का युद्ध जीताया। विद्युत कहते हैं, भारतीय खुफिया ब्यूरो ने सीक्रेट मिशन चलाया और दुश्मन को पछाड़ दिया, जिसने हमारे आर्म्ड फोर्सेस को दो-मोर्चों पर युद्ध का सामना करने के लिए आवश्यक फायदा पहुंचाया। मैं एक्साइटेड हूं। एक्शन हीरो फिल्म्स प्रोडक्शन में विद्युत जामवाल, अनुपम खेर और विशाल जेठवा लीड रोल्स में हैं। फिल्म का डायरेक्शन राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता संकल्प रेड्डी ने किया है। फिल्म 12 मई को थिएट्रिकल रिलीज के लिए तैयार है।

अजीब स्थिति में था मैं : वर्धन

वर्धन पुरी ने ये साली आशिकी के साथ शुरुआत की। द कश्मीर फाइल्स के निर्देशक विवेक रंजन अग्निहोत्री के साथ उनकी अगली फिल्म है। पुरी ने साझा किया, 2019 में, जब द ताशकंद फाइल्स रिलीज हुई तो मैंने इसे बहुत ही साहसी, ईमानदार, सम्मोहक और विघटनकारी फिल्म पाया। वर्धन ने देर रात विवेक को मैसेज किया। ऐसा इसलिए था क्योंकि मैं फिल्म से प्रभावित था। मैंने उन्हें मैसेज किया कि मैं अभिनेता हूं, वास्तव में उनके साथ काम करना पसंद करूंगा। उन्होंने सेकंड के भीतर मुझे जवाब दिया, अगर साथ काम करना हमारी नियति में है तो हम जरूर करेंगे। वर्धन ने साझा किया, मैं मानसिक रूप से बहुत अजीब स्थिति में था। जिन फिल्मों में मुझे काम करना था, वे महामारी के कारण शुरू नहीं हो पाईं। उन्होंने बस यह कहते हुए जवाब दिया, देखा, कहा था ना मैंने। किस्मत में लिखा होगा तो जरूर साथ में काम करेंगे। यह ऐसा था जैसे जीवन पूर्ण चक्र में आ गया हो। मैं इससे अधिक आभारी नहीं हो सकता और मैं चमत्कारों में अधिक विश्वास नहीं कर सकता था। यह सामाजिक कॉमेडी है। इसे भोपाल में शूट किया गया।

मनमोहन करेंगे धमाकेदार वापसी

मनमोहन तिवारी शेमारू उमंग के आगामी पारिवारिक ड्रामा शो 'श्रवणी' में चंद्रा (आरती सिंह) के चतुर और होशियार भाई के रूप में नजर आएंगे। उन्होंने कहा, मैंने इस किरदार को नहीं बल्कि इस किरदार ने मुझे चुना है और यह अविश्वसनीय अवसर है। इसके कई शेड्स हैं। मैं कड़ी मेहनत और अपना समर्पण दे रहा हूं जो कठिन यात्रा है।

रूही और अंजुम डर का सामना करने के लिए तैयार

रियलिटी शो, 'खतरों के खिलाड़ी' अपने 13वें सीजन के साथ वापसी कर रहा है। अभिनेत्रियां रूही चतुर्वेदी और अंजुम फकीह, अपनी ताकत दिखाने और साहस की बुनियादी चुनौती लेने के लिए तैयार हैं। उत्साहित अंजुम कहती हैं, मेरे लिए शानदार अनुभव रहा है, मैं अपने कम्फर्ट जोन से बाहर निकलने और पहली बार रियलिटी टेलीविजन की दुनिया में कदम रखने को लेकर रोमांचित हूं। मैं शारीरिक और मानसिक क्षमताओं को जांचने के लिए उत्साहित हूं। रूही ने कहा, मैं हमेशा से साहसिक खेलों की प्रशंसक रही हूं, लेकिन अपने डर के कारण मैं कभी भी इन खेलों में हाथ नहीं आजमा सकी। मैं यह मौका जाने नहीं दूंगी।

चुनौतियां तनाव देने वाली और एड्रेनिलन बढ़ाने वाली मानी जाती हैं, और मैं सीधे इनका सामना करने के लिए उत्साहित हूं। यह लाइफटाइम का सफर होने वाला है।

देवधर के रोल में सुकेश

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन का शो 'मेरे साईं - श्रद्धा और सबुरी' में अंधविश्वासों के खिलाफ जागरूकता फैलाने वाल देवधर की कहानी दिखाएगा। देवधर का लालच उसे अपहरण करने और उसकी बलि चढ़ाने पर मजबूर कर देता है। सुकेश आनंद ने बताया, मैंने तुषार दलवी के साथ भी कभी काम नहीं किया था। देवधर दिलचस्प किरदार है, उसका कोई पुत्र नहीं है, इसलिए उसे डर है कि वो सिंहासन खो देगा। वो साईं बाबा से बेटे का आशीर्वाद मांगते हैं लेकिन साईं बाबा ऐसा करने से मना कर देते हैं।

'डांस के चार्ली चैपलिन' हैं अनिकेत : टेरेंस लुइस

सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन के देसी डांस रियलिटी शो - इंडियाज बेस्ट डांसर- सीजन 3 में 'बेस्ट बारह' में जगह बनाने के लिए मेगा ऑडिशन में कड़ी टक्कर देंगे। ऐसे ही कंटेस्टेंट हैं अनिकेत चौहान। दिल्ली का यह 20 वर्षीय लड़का फिल्म 'रॉकस्टार' के 'हवा हवा' पर परफॉर्मेंस देगा। जज टेरेंस लुइस ऐलान करेंगे कि अनिकेत चौहान 'चार्ली चैपलिन ऑफ डांस' हैं। वो कहते हैं, आपको परफॉर्म करते देखकर मुझे सिनेमा के इतिहास की महान शख्सियत की याद आ जाती है। किसी भी एक्टिंग स्कूल में आप सीखेंगे कि उनसे बड़ा कोई एक्टर नहीं है। वो एक्टर चार्ली चैपलिन हैं। वो उस दौर के सबसे मजेदार एक्टर थे। हालांकि वो डांसर नहीं थे लेकिन मेरे मन में ये ख्याल आता है कि यदि चार्ली चैपलिन डांसर होते तो वे शायद आपकी तरह डांस करते। जिस तरह से आप एक्टिंग करते हैं, मिमिक और कॉमेडी करते हैं, इससे साफ नजर आता है कि आपको डांस करने में बहुत मजा आता है। आपके चेहरे पर हमेशा खिली हुई मुस्कान रहती है। चार्ली चैपलिन की तरह, आपके चेहरे पर भी वैसी ही मुस्कान रहती है। उनमें गजब की कला थी और वे भावनाओं को बखूबी पेश कर सकते थे, वे बिना कुछ कहे बहुत कुछ कह देते थे। आप 'डांस के चार्ली चैपलिन' हैं। गॉड ब्लेस यू।

अंगवाल
आत्मकथा में गुंथा कुमाऊंनी काव्य

रेडियो प्रसारण, पुस्तक लेखन, फिल्म निर्माण-निर्देशन तथा साहित्यिक-सांगीतिक-सामाजिक सरोकार से गहरे जुड़े बीबीसी लन्दन के पूर्व प्रसारणकर्ता ललित मोहन जोशी की नवीनतम फिल्म 'अंगवाल' कुमाऊंनी काव्य का बिम्ब है। पहाड़ के शाश्वत काव्य भाव के गहन दृश्य-परिदृश्य को सिने पटल पर उकेरना कठिन कार्य है। कुमायूंनी भाषा के अंगवाल शब्द का हिन्दी अर्थ है आलिंगन। अंगवाल कुमाऊंनी काव्य के पिछले 200 वर्षों का आकलन, शोध और इतिहास है।

जोशी को अवचेतन में गहरे उतरी मात्रभूमि की जड़ों का स्पन्दन सदैव अपने मूल धरा और उसके परिवेश में लौट जाने को प्रेरित करता रहा है। फिल्म की प्रेरणा उनके भीतर 2018 में उभरी। लन्दन में दशकों से रह रहे ललित ने पहले वही बीबीसी में दो दशक तक रेडियो पत्रकारिता की, टेलीविजन, फिल्मकारिता और साउथ एशियन सिनेमा फाउंडेशन तथा सान्निध्य लन्दन की स्थापना के बाद उन्हें अपनी जड़ों की ओर लौटने की उत्कंठ प्रेरित करती रही। सम्भवतः अंगवाल इसी उत्कंठ की उपज है।

मूलतः यह आत्मकथात्मक फिल्म हैं जो उनसे प्रारम्भ हो कर उन्ही पर समाप्त होती है। दशकों के अन्तराल के पश्चात अपने परिवार में निहित कुमाऊंनी काव्य परम्परा के अन्वेषण में ललित अपनी मातृभूमि, अपनी मां के पुरातन घर में जब लौटते हैं, तब उन्हें अपने मामा श्याम चरण दत्त पन्त जो कुमाऊंनी कविता के स्तंभ माने जाते हैं पर केन्द्रित हो जाती है। फिल्म समग्र कुमाऊंनी काव्य को अपने में समाहित कर लेती है।

कुमाऊंनी कविता उन्नीसवीं शताब्दी के लोक रत्न पन्त गुमानी ने पहाड़ में उगने वाले फलों जैसे काफल, अपने जन्मस्थान गंगोलि, अकाल और विधवा पर मार्मिक कविताएं रची हैं। गौर्दा जैसे कवियों ने भारत के स्वतन्त्रता आन्दोलन, गांधी जी के नेतृत्व के सामाजिक प्रभाव, बीसवी शताब्दी में आ रहे सामाजिक परिवर्तन पर सशक्त कविताएं लिखी हैं। साहित्य के आवरण में किसी फिल्म का निर्माण चुनौतीपूर्ण होता है। 2019 में कुमाऊं के विभिन्न स्थलों में इसका फिल्मांकन किया गया, विशेषकर नैनीताल, हल्द्वानी, रानीखेत, अल्मोड़ा यहां के कालजई कवियों की जन्मस्थली रही है। ललित ने अपनी मां के जन्म स्थान मालोंज और अपने पैतृक स्थान शिलौटी, नौकुचियताल में भी इसका फिल्मांकन किया है, जहां वे स्वयं भी जन्मे, पले-बढ़े थे।

फिल्म में अधिकांश युवा प्रतिभाओं का मेल है। रंगोली अग्रवाल पूना फिल्म संस्थान से छयांकन स्नातक हैं, जो ढेरों कला व व्यवसायिक फिल्मों में छयांकन कर चुकी हैं। युवा विकल्प पांडे संपादक और कार्यकारी निर्माता हैं। ध्वनि मिश्रण, बांसुरी और हुड़का वादन में नितेश बिष्ट एवं सरोद, तबला और संगीत मिश्रण में स्मित तिवारी है। फिल्म का संगीत वरिष्ठ संगीतकार पं. चंद्रशेखर तिवारी और पं. हरीश पंत ने दिया है। 'बियॉन्ड पार्टीशन' फिल्म से ख्याति बटोर चुके ललित मोहन जोशी की नवीनतम फिल्म 'अंगवाल' कविता, संगीत और हिमालय के सौन्दर्य का आत्मिक आलिंगन है। आत्मकथा जिसमें कुमायूंनी काव्य सम्पूर्ण ओज संग गुंथा हुआ है।

■ डॉ राजीव श्रीवास्तव
(वरिष्ठ लेखक, समालोचक, व्याख्याता एवं फिल्मकार)

'खाऊं और वर्कआउट करूं' : नमिक

जी टीवी के शो 'लग जा गले' में शिव (नमिक पल) और ईशानी (तनिशा मेहता) का प्यार और नफरत का रिश्ता है। जहां नमिक का लुक भी चर्चा का विषय है। इसमें डैपर अंदाज पेश किया है, बल्कि छरहरी बडी भी दिखाई है। नमिक ने कहा, मैं हमेशा फिटनेस प्रेमी रहा हूं और अपनी बडी को मेंटेन रखना अच्छा लगता है लेकिन मैं अपनी पसंद का खाना बंद नहीं कर सकता। मैं इसके हिसाब से अपनी डाइट और वर्कआउट बैलेंस करता हूं ताकि मुझे किसी भी चीज से समझौता ना करना पड़े। अपने खानपान से संतुष्ट ना होने पर आपके मूड में अचानक बदलाव आते हैं इसलिए सब कुछ खाऊं और सही वर्कआउट करके उसे बैलेंस कर लूं। थोड़ा ज्यादा वर्क आउट कर लूंगा लेकिन खाने से समझौता नहीं करूंगा। मैं स्ट्रिक्ट वर्कआउट रिजाइम फलो करता हूं, जिसमें कोर वकआउट, हाई इंटेंसिटी इंटरवल ट्रेंनिग, क्रसफिट, पावर योगा, कार्डियो, मसल ट्रेनिग और काफी कुछ शामिल रहता है।

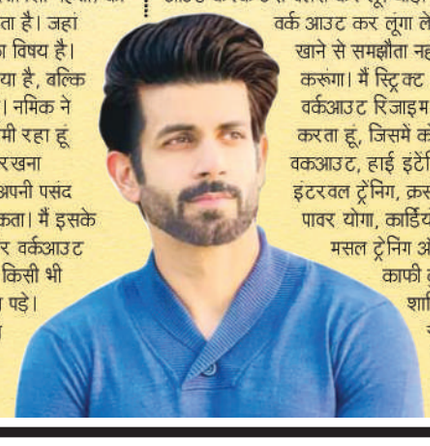

हेल्थ इंश्योरेंस पर कैसे लें आयकर में छूट का लाभ

अपूर्व कुमार दत्त

बीमा विशेषज्ञ

हम सभी जानते है और मानते भी हैं कि किसी भी व्यक्ति का स्वास्थ्य ही उसकी सबसे बड़ी पूंजी है। यदि व्यक्ति का स्वास्थ्य अच्छा है तो वह खुद के लिए और साथ ही साथ अपने पूरे परिवार के लिए बहुत कुछ कर सकता है। लेकिन अगर वह बीमार हो गया या किसी कारणवश उसके साथ कोई अनहोनी गई तो अस्पताल के भारी भरकम खर्च का बोझ उसके सिर पर आ गिरता है। इसका अनुमान कोरोना महामारी के दौरान पैदा हुई परिस्थितियों को याद करके बखूबी लगाया जा सकता है। कोरोना जब चरम पर था तो बड़ी संख्या में लोग बीमार हुए और उनके इलाज पर लाखों रुपए खर्च हो गए। इसके अलावा काफी संख्या में ऐसे लोग भी थे जो आर्थिक कारणों से अपना सही इलाज नहीं करा सके और उनको बचाया नहीं जा सका। काफी संख्या में ऐसे लोग भी थे जिनके पास इलाज के पैसे नहीं थे जिस कारण उन्हें कर्ज लेना पड़ा या अपनी जमीन अथवा परिवार की महिलाओं के गहने तक भी बेचने पड़े। लेकिन जिन लोगों के पास स्वास्थ्य बीमा पालिसी या कोरोना की विशेष हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी थी उन्होंने अपना इलाज काफी आसानी से करा लिया और वे स्वस्थ भी हो गए। एक अनुमान के अनुसार अस्पतालों में इलाज का खर्च चौदह प्रतिशत वार्षिक की दर से बढ़ा रहा है। इसलिए इस खर्च को वहन करने की क्षमता हर किसी में नहीं होती। अतः हर व्यक्ति को चाहिए कि वह कम से कम स्वास्थ्य बीमा से जुड़ी एक पालिसी अपने व अपने परिजनों के लिए अवश्य ले। स्वास्थ्य बीमा पालिसी से जहां एक तरफ व्यक्ति का इलाज आसानी से हो जाता है वहीं इस पालिसी के प्रीमियम पर कर छूट का फायदा भी लिया जा सकता है। आइए देखते हैं कि हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी में आयकर में छूट किस तरह हासिल की जा सकती है।

बीमा क्षेत्र के विशेषज्ञों की हमेशा यह सलाह रहती कि स्वास्थ्य बीमा पालिसी को आयकर बचाने के उद्देश्य से नहीं बल्कि किसी बीमारी अथवा दुर्घटना से शरीर को हुए नुकसान के इलाज के नजरिए से खरीदा जाना चाहिए। इसलिए जब भी आप हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी खरीदें यह विचार मन में कतई न लाएं कि आप इस पालिसी को आयकर में छूट पाने के लिए खरीद रहे हैं। ऐसा करने से आप अपने व अपने परिवार के लिए बेहतर हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी खरीद सकते हैं। इसके बाद भी इस पालिसी पर नियामनुसार जो छूट आयकर में आप हासिल करेंगे वह तो आपका अतिरिक्त फायदा ही होगा

एचयूएफ को भी मिलती है छूट

आयकर कानून के सेक्शन 80डी के छूट का लाभ व्यक्तिगत तौर पर तो लिया ही जा सकता है साथ ही हिन्दू अविभाजित परिवार (एचयूएफ), को भी इस छूट का लाभ मिल जाता है। इसके अलावा अस्सी वर्ष या उससे अधिक की आयु वाले व्यक्तियों के लिए सामान्यतया ज्यादातर बीमा कम्पनियां स्वास्थ्य बीमा कवर नहीं प्रदान करती है। इसके अलावा यहां यह स्पष्ट करना भी जरूरी है कि सेक्शन 80डी में किसी भी परिस्थिति में 55,000 रुपए से अधिक तक की छूट भी ली जा सकती है बशर्ते व्यक्ति या उसका परिवार साठ साल से कम उम्र के समूह में आता है।

किसे नहीं मिलती है कर छूट

सेक्शन 80डी के तहत हेल्थ इंश्योरेंस के जरिए छूट का लाभ ऐसे व्यक्तियों को नहीं दिया जाता जिन्होंने अपनी बीमा पालिसी के प्रीमियम की किस्त नगद में दी है अथवा प्रीमियम का भुगतान स्वरोजगार से जुड़े बच्चों, माता-पिता या किसी अन्य रिश्तेदार के लिए किया है। इसके अलावा समूह स्वास्थ्य बीमा में नियोक्ता द्वारा भुगतान किए गए प्रीमियम पर भी कर छूट नहीं मिलती।

विशेष रोगों के लिए अलग से कर छूट

आयकर कानून की धारा 80डीडीबी के तहत किसी भी व्यक्ति अथवा एचयूएफ द्वारा किसी व्यक्ति अथवा उसके आश्रितों के विशेष प्रकार की बीमारी के इलाज के लिए प्रीमियम के तौर पर जो भी रकम खर्च की जाती है उसे आयकर कानून की धारा 80डीडीबी के तहत कर छूट का फायदा मिलता है।

कौन सी हैं विशेष बीमारियां

धारा 80डीडीबी के तहत जिन विशेष बीमारियों को कर छूट के दायरे में रखा गया है उनमें मांसपेशियों में खिंचाव से होने वाली बीमारियां। मोटर न्यूरोन नामक बीमारी। इस बीमारी में मसल्स को चलाने वाले नर्व सेल्स काम करना बंद कर देते हैं। सेल्स के खराब होने पर रीढ़ और दिमाग सभी जगह से तंत्रिकाएं धीरे-धीरे काम करना बंद कर देती है। नर्वस सिस्टम बिगड़ता चला जाता है, जिसका कोई इलाज नहीं है। एक बीमारी है अटैक्सिया। यह बीमारी गतिभंग या न्यूरोलॉजिकल रोगों (तंत्रिका तंत्र से संबंधित बीमारियों) के एक समूह से जुड़ी है जो शरीर की गतिविधियों और समन्वय को प्रभावित करता है। अटैक्सिया से पीड़ित लोगों को अक्सर संतुलन, समन्वय, निगलने और बोलने में परेशानी होती है। इसके अलावा नसों से सम्बंधित एक अन्य बीमारी 'कोरिया' के तहत भी कर छूट हासिल की जा सकती है। इस बीमारी के शिकार व्यक्ति के शरीर में कुछ ऐसी गतिविधियां होती है जो वह खुद नहीं करता और ना ही करना चाहता है। इसके अलावा मस्तिष्क से जुड़ी बीमारी अफासिया या वाचाघात जैसी बीमारी के इलाज पर भी कर छूट हासिल की जा सकती है। उपरोक्त विशेष बीमारियों में से किसी के लिए भी यदि इलाज पर पैसे खर्च हुए हैं तो 40,000 रुपए तक के खर्च पर धारा 80डीडीबी के तहत छूट प्राप्त की जा सकती है।

क्या होता है सेक्शन 80यू

दरअसल सेक्शन 80यू भी दिव्यांगता से ही सम्बंधित है, अंतर बस इतना है की 80डीडी के अंतर्गत दिव्यांग व्यक्ति जिनपर निर्भर रहते है उन्हें आयकर में छूट मिलती है। जबकि इस सेक्शन में स्वयं के विकलांगता के इलाज के खर्चों पर आयकर में छूट प्राप्त होती है।

दिव्यांगों के इलाज खर्च पर भी छूट

इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के सेक्शन 80डीडी के तहत किसी भी परिवार के दिव्यांग सदस्य के इलाज पर होने वाले खर्च पर व्यक्तिगत और हिन्दू अविभाजित परिवार को छूट प्राप्त करने का अधिकार है, बशर्ते उन्होंने सेक्शन 80यू के अंतर्गत कोई क्लेम न लिया हो। यह छूट केवल बीमाधारक, उसकी पत्नी, बच्चे, माता पिता, निर्भर भाई-बहन के लिए ही है। दिव्यांगता का प्रतिशत यदि 50 से अधिक और अस्सी से कम है तो अधिकतम 75,000/- रुपए तक के खर्च पर कर छूट मिलेगी। यदि दिव्यांगता अस्सी प्रतिशत से भी अधिक है तो 1,25,000/- तक के खर्च पर कर में छूट के हकदार होंगे। 80डीडी के तहत मानिसक बीमारी, कम दिखाई देना, अंधापन, सुनने में परेशानी, मेंटल रिटार्डेशन, लेप्रोसी, आटिज्म आदि को समाहित किया गया है। ■

सेक्शन 80डी के तहत ले सकते हैं छूट

इनकम टैक्स एक्ट, 1961 के सेक्शन 80डी के अंतर्गत स्वास्थ्य बीमा क्रय करनेके लिए अदा किए गए प्रीमियम और माता-पिता तथा परिवार के सदस्यों के इलाज पर किए गए खर्च पर आयकर में छूट मिलती है। दोनों ही परिस्थिति में छूट क्लेम करने के लिए आयु सीमा निर्धारित है। अगर साठ वर्ष की आयु से कम का कोई व्यक्ति अपने, अपनी पत्नी व अपने बच्चों के जोखिम कवर वाली हेल्थ इंश्योरेंस पालिसी लेता है तो वह 25000 रुपए तक की धनराशि पर आयकर में छूट का क्लेम कर सकता है। इसके अलावा 60 वर्ष से ज्यादा आयु के लोगों की लिए इसी पालिसी में 50 हजार रुपए तक की धनराशि पर कर छूट मिल जाती है। इसके लिए विभिन्न शर्तों सहित छूट के लिए प्रीमियम अथवा इलाज के खर्च की अधिकतम धनराशि एक लाख रुपए रखी गई है। इसके अलावा प्रिवेंटिव हेल्थ केयर के खर्च पर पांच हजार रुपए की धनराशि पर कर छूट के लिए क्लेम किया जा सकता है।

निवेश के लिहाज से बड़े काम का है वीपीएफ

कमाल अहमद रूमी

आर्थिक पत्रकार

वालियंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ) के तहत किया जाने वाला निवेश भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के लिहाज से काफी अच्छा माना जाता है। अगर आप भी इस योजना के तहत निवेश करना चाहते हैं या अतिरिक्त प्रोविडेंट फंड जमा करना चाहते हैं तो आपको इसके लिए अपने नियोक्ता से बात करनी होगी। क्योंकि इसके लिए नियोक्ता की सहमति बेहद जरूरी है

आपने वालियंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ) के बारे में जरूर सुना होगा। दरअसल वालियंटरी प्रोविडेंट फंड इंप्लाई प्रोविडेंट फंड का ही एक हिस्सा होता है। जिसके तहत किसी भी कर्मचारी को अपने प्रोविडेंट फंड में अतिरिक्त निवेश करने का अधिकार मिलता है। उदाहरण के तौर पर किसी भी व्यक्ति के प्रोविडेंट फंड में उसकी मासिक बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ते का 12 फीसद हिस्सा निवेश किया जाता है। लेकिन अगर कोई व्यक्ति अपने ईपीएफ में ज्यादा निवेश करना चाहता है तो उसे वालियंटरी प्रोविडेंट फंड की सुविधा का इस्तेमाल करना होगा।

ईपीएफ के तहत पंजीकरण जरूरी

अगर आप भविष्य की आर्थिक सुरक्षा के नजरिए से देखें तो रिटायरमेंट के बाद बेहतर जीवन गुजारने के नजरिए से वीपीएफ में निवेश बहुत फायदेमंद है। इस नजरिए से निवेश करने वालों के लिए यह एक बेहतरीन स्कीम कही जा सकती है। इस योजना का लाभ केवल वेतनभोगी कर्मचारियों को ही मिलता है। इस योजना का लाभ लेने के लिए यह जरूरी है कि कर्मचारी के पास पहले से अपना ईपीएफ पंजीकरण होना चाहिए। वीपीएफ भी एक तरह का इंप्लाई प्रोविडेंट फंड ही कहा जाएगा। लेकिन ईपीएफ और वीपीएफ में अंतर यह है कि ईपीएफ में कर्मचारी का योगदान अनिवार्य रूप से किया जाता है लेकिन इसमें निवेश स्वैच्छिक आधार पर किया जाता है। ईपीएफ की तरह वीपीएफ पर भी 8.15 फीसदी की दर से सालाना ब्याज मिलता है।

इसमें होता है लॉकइन पीरियड

अगर कोई व्यक्ति वालियंटरी प्रोविडेंट फंड (वीपीएफ) में निवेश की शुरुआत करता है तो किसी भी वित्त वर्ष के बीच में इसे बंद नही किया जा सकता। क्योंकि इसमें पांच साल का लॉकइन पीरियड होता है। अगर पांच साल से पहले इस स्कीम से पैसा निकालते हैं तो इसपर मिलने वाला ब्याज टैक्सेबल हो जाएगा। अगर कोई व्यक्ति वीपीएफ की सुविधा का लाभ उठाना चाहता है तो उसे अपने नियोक्ता से इस बारे में बातचीत करनी होगी। हालांकि वीपीएफ में नियोक्ता का शेयर नहीं होता है लेकिन फिर भी अधिकतर नियोक्ता अतिरिक्त निवेश करने से बचने की सलाह अपने कर्मचारियों को देते हैं। उनका मानना होता है कि कहीं खर्च के मामले में उनके कर्मचारी का हाथ तंग न हो जाए और वह किसी आर्थिक संकट का शिकार न हो जाए। वीपीएफ में ब्याज दर फिक्स्ड नहीं होती है और समय-समय पर इसका निर्धारण सरकार द्वारा किया जाता है।

धारा 80सी के तहत कर छूट

कोई भी कर्मचारी अपने वीपीएफ अकाउंट में अपनी बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ते की सौ फीसद राशि निवेश कर सकता है। जाहिर सी बात है कि जब ज्यादा निवेश होगा तो आयकर विभाग की नजर भी पड़नी लाजिमी है। वीपीएफ की मैच्योरिटी अवधि अर्थात पांच साल पूरे होने के बाद वीपीएफ से धन की निकासी पूरी तरह से कर मुक्त होती है। अगर देखा जाए तो इसमें तीन तरह की कर छूट मिलती हैं। वीपीएफ में निवेश करने पर सेक्शन 80सी के तहत डिडक्शन का लाभ मिलता है, इसपर मिले ब्याज की रकम पूरी तरह करमुक्त श्रेणी में रखी जाती है और मैच्योरिटी अमाउंट भी पूरी तरह कर मुक्त होता है। हालांकि अब वीपीएफ में अधिकतम निवेश की सीमा तय कर दी गई है।

वीपीएफ पर लोन की सुविधा भी

वीपीएफ पर बच्चों की शिक्षा, परिजनों के इलाज, रहने को घर खरीदने अथवा बेटी की शादी इत्यादि के लिए लोन भी लिया जा सकता है। लोन की रकम आपके वीपीएफ अकाउंट में निवेश की जाने वाली रकम कर निर्भर करेगी। इसी तय होगा कि आपको कितना लोन मिल सकता है।

वीपीएफ के कुछ अन्य फायदे

ईपीएफ की तरह ही वीपीएफ खाते में किया गया निवेश भी ईईई कैटेगरी में आता है, यानी इसमे निवेश, उस पर मिलने वाला ब्याज और मैच्योरिटी पर मिलने वाला पैसा पूरी तरह टैक्स फ्री है। वीपीएफ खाते की जानकारी ईपीएफओ की वेबसाइट के जरिए ली जा सकती है। धन की निकासी के लिए ईपीएफ की तरह वीपीएफ में भी आनलाइन सुविधा मिलती है।

सशर्त आंशिक निकासी संभव

वीपीएफ खाते से रकम की आंशिक निकासी की सशर्त सुविधा भी दी गई है। शर्त यह है कि इस खाते से आंशिक निकासी करने से पूर्व अंशधारक को कम से कम पांच साल तक नौकरी करना जरूरी है। वैसे तो वीपीएफ की पूरी रकम खाते की मैच्योरिटी अथवा रिटायरमेंट के वक्त निकाली जा सकती है। अगर कोई व्यक्ति नौकरी बदलता है तो वीपीएफ की धनराशि को भी ईपीएफ की धनराशि की तरह ही ट्रांसफर कराया जा सकता है। ■

वीपीएफ में अधिकतम निवेश

वालियंटरी प्रोविडेंट फंड का लाभ उठाने के इच्छुक लोगों के लिए इसमें सबसे बड़ा फायदा यह है कि वह इसमें अपनी पूरी बेसिक सैलरी और महंगाई भत्ता निवेश कर सकते हैं। लेकिन आयकर विभाग ने भी अब वीपीएफ में निवेश पर कुछ लिमिट लगा रखी हैं।

भारत में सोने की खरीद के लिए अक्षय तृतीया का दिन सबसे बेहतर माना जाता है। इस बार अक्षय तृतीया 22 अप्रैल को मनाया गया। अगर आप भी इस शुभ दिन की शुभ घड़ी में अपने या अपने परिजनों के लिए सोना खरीदने से चूक गए हैं तो परेशान होने की जरूरत नहीं है क्योंकि सोने में निवेश के कई अन्य विकल्प भी हैं जो भविष्य में आपको फायदा पहुंचाएंगे

अक्षय तृतीया पर नहीं खरीद सके सोना तो न हों निराश

यूं तो भारत में सोने की खरीद साल के बारहों महीने चलती रहती है लेकिन भारतीय परंपराओं के अनुसार अक्षय तृतीया के दिन सोने की खरीद को काफी शुभ माना जाता है। इस बार अक्षय तृतीया और ईद एक ही दिन पड़ी थी। इसलिए सोने की कीमतें भी कुछ ऊंची ही थीं। अक्षय तृतीया इस बार 22 अप्रैल को था। यूं तो ज्यादातर लोग सोने की भौतिक खरीद यानी आभूषण या बिस्कुट की खरीद को प्राथमिकता देते हैं लेकिन अब जमाना बदल गया है और आप डिजिटल गोल्ड या पेपर गोल्ड के रूप में भी सोने की खरीदारी कर सकते हैं। अगर आप निवेश के नजरिए से अक्षय तृतीया के दिन सोना खरीदने से चूक गए हैं तो मायूस न हों क्योंकि आज हम आपको सोना खरीदने के कुछ विकल्पों के बारे में बता रहे हैं। आपको जो विकल्प अच्छा लगे आप उसमें निवेश करके भविष्य में अच्छा लाभ कमा सकते हैं।

भौतिक रूप में सोने की खरीद

पिछले कुछ वर्षों तक भारत में सोने की खरीद भौतिक रूप में (फिजिकल रूप में) किए जाने को तरजीह दी जाती थी। यानी जो भी व्यक्ति सोना खरीदना चाहता था वह आभूषण अथवा बिस्कुट इत्यादि की शक्ल में सोने की खरीद करना ज्यादा पसंद करता था। हालांकि कुछ वर्षों पहले तक सोने की खरीद के ज्यादा विकल्प थे ही नहीं इसीलिए लोग भौतिक रूप में ही सोना खरीदते थे। हालांकि सोने को भौतिक रूप में खरीदने, इसका रखरखाव करने और और कहीं लाने ले जाने में जोखिम ज्यादा होता है। लेकिन फिर भी लोग फिजिकल रूप में गोल्ड रखना ज्यादा पसंद करते थे। सोने की खरीद का यह विकल्प आज भी बहुत ज्यादा प्रचलित है।

डिजिटल गोल्ड भी अच्छा विकल्प

जी हां... सोने की खरीद के लिए एक विकल्प डिजिटल गोल्ड का भी होता है। गोल्ड इन्वेस्टमेंट की श्रेणी में सावरेन गोल्ड बांड, गोल्ड ईटीएफ, और गोल्ड आधारित म्यूचुअल फंड को डिजिटल गोल्ड की श्रेणी में रखा जा सकता है। डिजिटल गोल्ड के लिए हम गोल्ड ईटीएफ और सावरेन गोल्ड बांड जैसे निवेश उत्पादों में पैसा लगाते हैं। इस तरह के गोल्ड को हम या तो डीमैट अकाउंट में रखते हैं और या फिर एक कागज के रूप में हमें निवेश प्रमाण पत्र मिल जाता है। इस प्रमाण पत्र पर यह उत्पाद बेचने वाली कंपनी हमें सोने की खरीद और एक निश्चित अवधि के बाद अनुमानित रिटर्न का वादा करती है।

डिजिटल गोल्ड के फायदे

आमतौर पर सोने को एक स्थान से दूसरे स्थान पर ले जाने में जोखिम काफी ज्यादा होता है। इसके अलावा इसकी शुद्धता की परख भी हमें सही तरीके से नहीं होती। साथ ही भौतिक रूप से खरीदे गए सोने को घर में रखने से इसकी सुरक्षा को लेकर भी जोखिम बना रहता है। लेकिन डिजिटल गोल्ड आपके डीमैट खाते में रखा जाता है या आपके पास एक पेपर पर प्रमाण पत्र के रूप में आपके पास मौजूद रहता है। इसलिए इसमें जोखिम की गुंजाइश कम ही होती है।

डिजिटल गोल्ड की आनलाइन खरीदारी

जब आप सोने को उसके फिजिकल रूप में खरीदते हैं तो उसमें आपको कितना सोना खरीदना है इस बात को लेकर ज्यादा आप्शन नहीं होते। लेकिन डिजिटल गोल्ड के तहत आप एक ग्राम से लेकर एक किलो तक सोना खरीद सकते हैं। इस सोने को आप आनलाइन भी खरीद सकते हैं। सोने की आनलाइन खरीद पर पर कुछ छूट भी हासिल की जा सकती है।

एकमुश्त रकम की जरूरत नहीं

डिजिटल रूप में गोल्ड खरीदने के लिए एकमुश्त बड़ी रकम की जरूरत नहीं होती। इस विकल्प के तहत आप एक ग्राम सोना भी खरीद सकते हैं। यहां तक कि एक ग्राम से कम सोना भी खरीदा जा सकता है। इसमें गोल्ड की खरीद के लिए एक हजार रुपए मासिक तक का निवेश भी स्वीकार किया जा सकता है।

गोल्ड पर एलटीसीजी

अगर कोई व्यक्ति स्वर्ण परिसंपत्तियों में 36 महीने से ज्यादा अवधि के लिए निवेश करता है तो उसे बेचने पर जो लाभ वह व्यक्ति अर्जित करेगा उसपर लांग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) टैक्स लगता है। इसके अलावा अगर कोई व्यक्ति इस सोने को 36 माह से पहले बेचता है तो उसे शार्ट टर्म कैपिटल गेन्स टैक्स अदा करना होगा। सोने पर एलटीसीजी, इंडेक्सेशन बेनेफिट के साथ 20 फीसद है। जबकि तीन साल के अवधि के भीतर सोने को बेचने पर जो शॉर्ट टर्म बेनेफिट गेन होता है, उसे बेचने पर जो मुनाफा बनता है उसे व्यक्ति के इनकम में जोड़ दिया जाता है, और वो व्यक्ति जिस टैक्स स्लैब में आता है उस हिसाब से उसपर टैक्स लगाया जाता है।

■ (बिजनेस डेस्क)

गुजरात टाइटंस ने जीती हारी बाजी

आईपीएल-16: रोमांचक मैच में लखनऊ को 7 रन से हराया, 34 साल के मोहित ने पलटी बाजी, आखिरी ओवर में गिरे 4 विकेट

लखनऊ । डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस ने आईपीएल सीजन 16 के 30वें मैच में लखनऊ सुपरजायंट्स को हराकर उसके खिलाफ जीत की हैट्रिक लगा दी है। दोनों टीमें तीसरी बार आमने-सामने थीं। लखनऊ के भारत रत्न अटल विहारी वाजपेयी इकाना क्रिकेट स्टेडियम में गुजरात ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 6 विकेट पर 135 रन बनाए। जवाब में लखनऊ के बल्लेबाज 20 ओवर में 7 विकेट पर 128 रन ही बना सके। भले ही यह लो स्कोरिंग मैच था, लेकिन काफी रोमांचक रहा। एक तरह से लखनऊ की टीम ने जीती हुई बाजी गंवा दी। यहां तक कि पावरप्ले में टीम ने बिना विकेट खोए 53 रन बनाए थे। वहां से टीम का हारना बड़े सवाल खड़े करता है। गुजरात की जीत के हीरो मोहित शर्मा रहे, जिन्होंने आखिरी ओवर में लखनऊ को 12 रन नहीं बनाने दिए।

मोहित शर्मा के आखिरी ओवर का रोमांच

स्कोर बोर्ड

गुजरात टाइटंस	रन	गेंद	4/6
साहा कै. हुड्डा बो. कृणाल	47	37	6/0
गिल कै. बिश्नोई बो. कृणाल	00	02	0/0
हार्दिक कै. राहुल बो. स्टॉयनिस	66	50	2/4
अभिनव मनोहर कै. नवीन बो. मिश्रा	03	05	0/0
विजय शंकर बो. नवीन	10	12	1/0
मिलर कै. हुड्डा बो. स्टॉयनिस	06	12	0/0
राहुल तेवतिया नाबाद	02	02	0/0

अतिरिक्त: 1, कुल: 20 ओवर में छह विकेट पर 135 रन **विकेट पतन:** 1-4, 2-72, 3-77, 4-92, 5-132, 6-135 **गेंदबाजी:** नवीन उल हक 4-0-19-1, कृणाल पंड्या 4-0-16-2, आवेश खान 3-0-21-0, रवि बिश्नोई, 4-0-49-0, मार्कस स्टॉयनिस 3-0-20-2, अमित मिश्रा 2-0-9-1,

लखनऊ सुपर जायंट्स	रन	गेंद	4/6
केएल राहुल कै. जयंत बो. मोहित	68	61	8/0
काइल मेयर्स बो. राशिद	24	19	2/1
कृणाल पंड्या कै. साहा बो. नूर	23	23	2/1
निकोलस पूरन कै. हार्दिक बो. नूर	01	07	0/0
आयुष बदोनी रन आउट	08	06	0/0
स्टॉयनिस कै. मिलर बो. मोहित	00	01	0/0
दीपक हुड्डा रन आउट	02	02	0/0
प्रेरक मांकड़ नाबाद	00	00	0/0
रवि बिश्नोई नाबाद	00	01	0/0

अतिरिक्त: 2, कुल: 20 ओवर में सात विकेट पर 128 रन **विकेट पतन:** 1-55, 2-106, 3-110, 4-126, 5-126, 6-127, 7-128, **गेंदबाजी:** मोहम्मद शमी 3-1-18-0, जयंत यादव 4-0-26-0, राशिद खान 4-0-33-1, मोहित शर्मा 3-0-17-2, नूर अहमद 4-0-18-2, हार्दिक पांड्या 1-0-7-0, राहुल तेवतिया 1-0-8-0,

केएल राहुल बने सबसे तेज सात हजारी

टी20 क्रिकेट में रचा इतिहास, रोहित शर्मा और विराट कोहली समेत कई दिग्गजों को छोड़ा पीछे

लखनऊ । लखनऊ सुपर जाएंट्स के कप्तान केएल राहुल ने टी20 क्रिकेट में कमाल कर दिया है। वे भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे तेज 7000 रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए हैं।

राहुल ने इस मामले में पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली, शिखर धवन, सुरेश रैना और रोहित शर्मा जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया है। दाएं हाथ के बल्लेबाज राहुल ने ये उपलब्धि गुजरात टाइटन्स के खिलाफ आईपीएल 2023 के 30वें लीग मैच में हासिल की। राहुल ने इस मैच में जैसे ही 14वां रन बनाया। वे टी20 क्रिकेट (टी20 इंटरनेशनल, घरेलू टी20 और लीग क्रिकेट) में 7 हजारी बन गए।

केएल ने ये कारनामा 200 से कम पारियों में कर दिखाया है, जबकि विराट ने 200 से ज्यादा पारियों में इस उपलब्धि को अपने नाम किया था। तीसरे नंबर पर शिखर धवन हैं। कोहली ने 212 पारियों में 7 हजार रन पूरे किए थे, जबकि केएल ने 197वीं पारी में ये आंकड़ा पूरा किया। केएल ने 136 के स्ट्राइक रेट से 66 बार पचास से ज्यादा रन की पारी खेलकर ये आंकड़ा छूने में सफलता हासिल की है। राहुल ने अकेले आईपीएल में 4100 से ज्यादा रन बनाए हैं।

कौन कितनी पारियों में बना सात हजारी

बल्लेबाज	पारी
केएल राहुल	197
विराट कोहली	212
शिखर धवन	246
सुरेश रैना	251
रोहित शर्मा	258

राजस्थान और बेंगलुरु में होगी कांटे की टक्कर

बेंगलुरु। रविवार को खेले जाने वाले आईपीएल 2023 के डबल हैडर का पहला मैच राजस्थान रॉयल्स और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के बीच खेला जाएगा। राजस्थान रॉयल्स इस मैच में जीत के साथ अंकतालिका में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखना चाहेगा। वहीं रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु की निगाहें जीत की लय जारी रखने पर होगी। बेंगलुरु की टीम ने पिछले मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए पंजाब किंग्स को एकतरफा हराया था। वहीं, संजू सैमसन की कप्तानी वाली राजस्थान को लखनऊ के खिलाफ करीबी मुकाबले में हार मिली। राजस्थान की तरह ही फाफ डु प्लेसिस और विराट कोहली में आईपीएल की सबसे बेहतरीन ओपनिंग जोड़ियों में से एक है।

हार का सिलसिला तोड़ने के इरादे से उतरेगी कोलकाता

कोलकाता। कोलकाता नाइट राइडर्स की टीम रविवार को दूसरे मैच में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ तीन मैचों की हार का सिलसिला तोड़ने के इरादे से उतरेगी। बेंगलुरु और गुजरात के खिलाफ शुरुआती जीत के बाद नितीश राणा की अगुवाई वाली कोलकाता को तीन हार का सामना करना पड़ा। कोलकाता अभी अंकतालिका में आठवें स्थान पर है। वहीं पिछले सीजन में खराब दौर में गुजरने वाली चेन्नई से इस साल शुरुआत से ही शानदार प्रदर्शन किया है, वह अब तक खेले छह मैचों में से चार में जीत दर्ज कर चुकी है। अब उसका इरादा प्लेऑफ में लिया अंक जुटाने पर होगा।जैसा कि हुआ, लगातार पांच हार के बाद दिल्ली ने सीजन की अपनी पहली जीत हासिल की।

अर्शदीप ने की ऐसी गेंदबाजी कि लगातार दो गेंदों पर दो बार तोड़ दिए मिडिल स्टंप

बीसीसीआई को दो गेंदों में लगा दी 20 लाख रुपए की चपत

मुंबई। आईपीएल के रोमांचक मैच में पंजाब किंग्स ने मुंबई इंडियंस को 13 रन से हरा दिया। आखिरी ओवर में पंजाब के गेंदबाज अर्शदीप सिंह (4 विकेट) ने घातक गेंदबाजी करते हुए 16 रन डिफेंड कर लिए। उन्होंने इस बीच ऐसी गेंदबाजी की कि तिलक वर्मा और नेहल वाधेरा को 2 लगातार गेंदों पर क्लीन बोल्ड कर पंजाब की झोली में जीत डाल दी और दोनों ही गेंदों पर बैटर के मिडिल स्टंप टूटकर बिखर गए। इसके साथ ही अर्शदीप ने बीसीसीआई को 20 लाख रुपयों की चपत भी लगा दी, क्योंकि बता दें कि एक एलईडी स्टंप के सेट की कीमत 30 लाख रुपए पड़ती है। इससे पूर्व मुंबई में टॉस हारकर पहले बल्लेबाजी करते हुए पंजाब ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 214 रन बनाए। जवाब में मुंबई एक समय विजयी रथ पर सवार दिखी, लेकिन अर्शदीप की आंधी के बीच वह 20 ओवर में 6 विकेट पर 201 रन ही बना सकी। मुंबई की ओर से सूर्यकुमार ने 57 और ग्रीन ने 67 रन बनाए।

तीरंदाजी विश्वकप में भारत ने जीते दो स्वर्ण

कंपाउंड वर्ग में व्यक्तिगत और मिश्रित टीम विजयी

अंताल्या। तुर्की के अंताल्या में खेले जा रहे तीरंदाजी विश्वकप के पहले चरण भारतीय कंपाउंड तीरंदाज ज्योति सुरेखा वेनम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए शनिवार को कंपाउंड वर्ग में व्यक्तिगत और मिश्रित टीम स्वर्ण पदक जीते। ज्योति सुरेखा वेनम और उनकी जोड़ीदार ओजस देवताले ने चीनी ताइपे की टीम को 159-154 से हराकर कंपाउंड मिश्रित टीम का स्वर्ण पदक जीतकर भारत का खाता खोला। इसके बाद ज्योति ने महिला कंपाउंड वर्ग में व्यक्तिगत स्वर्ण भी जीता। भारत का यह मिश्रित कंपाउंड स्पर्धा में विश्व कप में दूसरा स्वर्ण पदक है। इससे पहले ज्योति और अभिषेक वर्मा ने पेरिस में 2022 में विश्वकप के तीसरे चरण में स्वर्ण पदक जीता था। राष्ट्रीय ट्रायल्स में टीम में जगह बनाने में नाकाम रहे वर्मा की अनुपस्थिति के बावजूद भारतीय जोड़ी ने शानदार प्रदर्शन किया तथा 16 निशानों में से 15 निशाने सही लगाकर अपनी 12वीं वरीयता प्राप्त प्रतिद्वंदी टीम को एकतरफा फाइनल में आसानी से हराया। ज्योति और पदार्पण कर रहे 20 वर्षीय देवताले की दूसरी वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने केवल एक अंक गवाया नहीं तो स्कोर 160 में से 160 होता।

महिला कंपाउंड वर्ग में ज्योति ने कोलंबिया की लोपेज को हराया : विश्व चैंपियनशिप की पूर्व रजत पदक विजेता ज्योति ने महिला कंपाउंड वर्ग में व्यक्तिगत स्वर्ण जीता कर देश को दूसरा पदक दिलाया। ज्योति ने कोलंबिया की पूर्व विश्व चैंपियन सारा लोपेज को 149-146 से हराकर टूर्नामेंट का दूसरा स्वर्ण जीता। ज्योति ने इस जीत से विश्व चैंपियनशिप फाइनल में इस कोलंबियाई प्रतिद्वंद्वी से मिली हार का बदला भी ले लिया।

एशिया कप क्वॉलिफायर में ओमान टीम से खेल रहे भोपाल के अयान और समय

नई दिल्ली। नेपाल में 18 अप्रैल 2023 से 27 मई 2023 तक खेले जा रहे एशिया क्रिकेट कप पुरुष सीनियर क्वॉलिफायर में अंकुर क्रिकेट अकादमी भोपाल के अयान मोहम्मद खान एवं समय श्रीवास्तव ओमान क्रिकेट टीम का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। अयान मोहम्मद खान ने पिछले मैच में शानदार शतक लगा कर टीम को जीत दिलाई है। वह पिछले तीन वर्षों से ओमान टीम का प्रतिनिधित्व कर रहें एवं टी-20 वर्ल्ड कप भी खेल चुके हैं। अयान के अकादमी के साथी समय श्रीवास्तव भी ओमान में चार अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेल चुके हैं। वह मैन आफ द मैच का पुरस्कार भी जीत चुके हैं। समय ओमान की टूर्नामेंट में खेल रही टीम का हिस्सा नहीं थे एवं भोपाल में ही अंकुर क्रिकेट अकादमी में प्रैक्टिस कर रहें थे, उन्हें शानिवार को ही मैल आया। वह दिल्ली से होते हुए नेपाल पहुंच कर ओमान टीम का प्रतिनिधित्व करेंगे। उनके चयन पर अंकुर क्रिकेट अकादमी में हर्ष है। समय श्रीवास्तव एवं अयान मोहम्मद खान को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। टूर्नामेंट में एशिया की दस टीमें खेल रहीं हैं। इस टूर्नामेंट का विजेता अक्तूबर 2023 में भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, बांग्लादेश एवं अफगानिस्तान के साथ एशिया कप में खेलेगा।

11 साल में पहली बार हमवतन खिलाड़ी से हारे विश्व नंबर वन नोवाक जोकोविच

बंजा लुका। विश्व के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच सर्पस्का ओपन टेनिस टूर्नामेंट के क्वॉर्टर फाइनल में अपने हमवतन डुसान लाजोविच से हार गए। यह पिछले 11 वर्षों में पहला अवसर है जबकि जोकोविच को अपने हमवतन किसी खिलाड़ी से हार का सामना करना पड़ा। लाजोविच ने 6-4 7-6 (6) से जीत दर्ज करने के बाद कहा, यह मेरे करियर की सबसे बड़ी जीत है। जोकोविच मेरा अच्छा दोस्त और हमारे देश का नायक है। मैंने उसे हराने के बारे में सोचा तक नहीं था लेकिन ऐसा हो गया। जोकोविच को इससे पहले आखिरी बार सर्बिया के किसी खिलाड़ी से 2012 में हार का सामना करना पड़ा था। तब मैड्रिड में जांको टिप्सारेविच ने उन्हें पराजित किया था।

एम्बाप्पे गोलों से पीएसजी ने लीग-वन खिताब की ओर बढ़ाए मजबूत कदम

पेरिस। किलियन एम्बाप्पे के दो गोल की मदद से पेरिस सेंट जर्मन (पीएसजी) ने फ्रेंच फुटबॉल प्रतियोगिता लीग-वन में एंगर्स एससीओ को 2-1 से हरा कर रिकॉर्ड 11वें फ्रेंच टॉप-फ्लाइट खिताब जीतने की ओर एक कदम और बढ़ा दिया है। डिफेंडिंग चैंपियन 32 मैच के बाद 75 अंकों के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर है और दूसरे स्थान पर मौजूद मार्सिले से 11 अंक आगे हैं। एमबाप्पे ने नौवें मिनट में पेरिस सेंट-जर्मन को बढ़त दिलायी। पिछले चार सत्रों में लीग गोल्डन बूट जीतने वाला खिलाड़ी 22 गोल के साथ स्कोरर की सूची में फिर से शीर्ष स्थान पर रहा। पहले हाफ में पीएसजी के लिए सब कुछ ठीक रहने के बावजूद, अंडरडॉग एंगर्स ने कड़ी मेहनत की और दूसरे हाफ में क्रिस्टोफ गाल्टियर की टीम को अचरज में डाल दिया।

महिलाओं में हार्मोन बैलेंस करने में मदद करते हैं ये टिप्स

हेल्दी जीवन जीने के लिए जरूरी है कि हमारे शरीर में हार्मोन सही तरह से काम करें। हालांकि, अधिकतर महिलाओं के साथ ऐसा होता नहीं है। उनके शरीर में अक्सर हार्मोनल उतार-चढ़ाव होते रहते हैं, जिसके कारण हमेशा ही हार्मोनल असंतुलन बना रहता है। पुरूषों के मुकाबले महिलाओं के साथ ऐसा अधिक होता है। लेकिन अधिकतर मामलों में महिलाएं दवाओं का सेवन करना शुरू कर देती हैं। जबकि एक हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाकर आप बेहद आसानी से हार्मोन को बैलेंस कर सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपके साथ कुछ ऐसे ही टिप्स शेयर कर रहे हैं, जो यकीनन आपके बेहद काम आएंगे-

आहार पर दें ध्यान- असंतुलित आहार और पोषण की कमी सेहत के लिए बिल्कुल भी ठीक नहीं हैं। खासतौर से, ऐसा करने से आप कभी भी अपने हार्मोन को संतुलित नहीं कर पाएंगी। इसलिए, एक हेल्दी जीवन के लिए और अपने हार्मोन को बैलेंस करने के लिए आप बैलेंस्ड डाइट लें। जिसमें प्रोटीन, आयरन और विटामिन के साथ-साथ काबोर्हाइड्रेट और फैट्स जैसे मैक्रोन्यूट्रिएंट्स भी शामिल हों। दरअसल, जब आप अनहेल्दी फूड लेते हैं, तो इससे आपका वजन कम या अधिक हो सकता है। ऐसे में हार्मोनल असंतुलन होने की संभावना भी अधिक होती है।

जरूर करें एक्सरसाइज- एक्सरसाइज को अपने डेली रूटीन का हिस्सा बनाएं। व्यायाम करने से शरीर के मेटाबॉलिज्म में सुधार होता है, जिससे कैलोरी बर्न करना आसान हो जाता है और शरीर के वजन को नियंत्रित करने में मदद मिलती है, जिससे हार्मोनल संतुलन बनाए रखने में मदद मिलती है।

तनाव से बनाएं दूरी- आज के समय में हर कोई किसी ना किसी वजह से तनाव में रहता ही है, लेकिन अगर आप अपने हार्मोन को बैलेंस करना चाहती हैं तो ऐसे में आपको तनाव को कम से कम रखने का प्रयास करना चाहिए। तनाव से कोर्टिसोल नामक हार्मोन निकलता है और यह हार्मोनल असंतुलन का कारण बनता है। यह आगे चलकर मोटापा, कम सेक्स ड्राइव, अनिद्रा और थकान जैसी जटिलताओं को जन्म देता है। स्ट्रेस हार्मोन के बढ़ने से भी हाई ब्लड प्रेशर का खतरा हो सकता है। इसलिए कोशिश करें कि आप खुद को अधिक से अधिक रिलैक्स्ड रखने का प्रयास करें।

सचिन ने केक काटकर सेलिब्रेट की डेजर्ट स्टॉर्म की सिल्वर जुबली

तेंदुलकर की वो करिश्माई पारी जिसके बाद फैन्स कहने लगे क्रिकेट का भगवान

मुंबई। सचिन तेंदुलकर ने आज से 25 साल पहले 22 अप्रैल 1998 को शारजाह में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे इतिहास की सर्वश्रेष्ठ पारियों में से एक (143 रन) खेली थी। भारतीय टीम के दिग्गज सचिन ने ठीक 25 साल पहले अपने करियर की एक ऐसी पारी खेली थी, जिसकी यादें अभी भी भारतीय फैंस के दिलो दिमाग में हैं। सचिन की इस पारी को दुनिया के हर कोने से प्रशंसा मिली थी। भारत के पूर्व बल्लेबाज ने 131 गेंदों में 9 चौके और पांच छक्कों की मदद से 143 रन की धमाकेदार पारी खेली थी। तेंदुलकर ने ऑस्ट्रेलिया के खतरनाक गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ ये पारी खेली, जिसमें लीजेंड शेन वॉर्न, डेमियन फ्लेमिंग, माइकल कास्प्रोविच और टॉम मूडी जैसे खिलाड़ी मौजूद थे। सचिन ने दुनिया भर के अपने प्रशंसकों के साथ मुंबई में अपनी प्रतिष्ठित डेजर्ट स्टॉर्म पारी की 25वीं वर्षगांठ मनाने के लिए केक काटकर अपनी ऐतिहासिक पारी का जश्न मनाया।

जश्न मनाने बनाया गया खास केक

केक पर सचिन की शारजाह में 22 अप्रैल 1998 को खेली गई पारी की तस्वीर लगी थी। इस पारी को डेज़र्ट स्टॉर्म के तौर पर भी याद किया जाता है।

सचिन 24 अप्रैल को 50 साल के हो जाएंगे : 22 अप्रैल 1998 को अपने जन्मदिन से दो दिन पहले तेंदुलकर ने शारजाह स्टेडियम में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच एक शानदार पारी खेली थी, तब सचिन की उम्र 25 साल थी। इस पारी का असर इसी बात से समझा जा सकता है, क्रिकेट के कई समीक्षक और फैन्स उस पारी के बाद सचिन को क्रिकेट का भगवान कहने लगे।

जानें 25 साल पहले क्या हुआ था शारजाह में...

कोका कोला कप के फ़ाइनल में टीम इंडिया पहुंचेगी या नहीं, यह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाले मुक़ाबले से तय होना था। ऑस्ट्रेलिया ने 50 ओवर में 284 रन ठोक दिए। भारत को फ़ाइनल में पहुंचने के लिए 254 रन बनाने थे, तभी नेट रन रेट के हिसाब से टीम न्यूज़ीलैंड को पीछे छोड़ सकती थी। सचिन टीम के सलामी बल्लेबाज़ की भूमिका में थे। 29 ओवर के खेल में भारत ने चार विकेट गंवा दिए थे और टीम का स्कोर 138 रन था, तभी धूल की आंधी शुरू हो गई। सचिन विकेट पर टिके हुए थे। इस आंधी के बारे में सचिन ने अपनी आत्मकथा प्लेइंग इट माय वे में लिखा है, मैंने अपने जीवन में कभी धूल भरी आंधी नहीं देखी थी। मैदान एक छोर से लेकर दूसरे छोर तक तेज़ हवा चल रही थी। मैं पांच फ़ुट पांच इंच का था। मुझे डर लग रहा था, तूफ़ान कहीं मुझे उड़ा कर नहीं ले जाए, इसलिए मैं ऑस्ट्रेलियाई विकेटकीपर एडम गिलक्रिस्ट के पीछे जाकर खड़ा हो गया कि अगर उड़ा तो उन्हें पकड़ लूंगा। हालांकि इस तूफ़ान से तेंदुलकर के हौसले पर कोई असर नहीं पड़ा। आंधी थमने के बाद जब खेल शुरू हुआ तब भारत को 46 ओवरों में जीत के लिए 276 रन बनाने थे। फ़ाइनल के लिए क्वालिफ़ाई करने के लिए 237 रन। सचिन ने अकेले दम पर मोर्चा संभाल लिया। आते ही उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाज़ टॉम मूडी को छक्का जड़ दिया। उन्होंने 131 गेंदों पर 143 रन ठोक दिए। 9 चौके और 5 छक्के के साथ।

चार धाम यात्रा के पहले ही दिन एक श्रद्धालु की मौत

नैनीताल, (एजेंसी)। उत्तराखंड चार धाम यात्रा 2023 के पहले ही एक तीर्थ यात्री की मौत हो गई। तीर्थ यात्री की मौत हार्ट अर्टक की वजह से हुई है। आपको बता दें कि शनिवार को अक्षय तृतीया के अवसर पर गंगोत्री, और यमुनोत्री धाम कपाट 22 अप्रैल को तीर्थ यात्रियों के लिए खोले गए हैं। मृतक की पहचान कनक सिंह पुत्र सोम सिंह उम्र लगभग 62 वर्ष निवासी कठवाड़, थाना कौशम्भा, सूरत, गुजरात के रूपम में हुई है। थानाध्यक्ष बड़कोट गजेंद्र बहुगुणा ने बताया की शव का पंचनामा भर पीएम के लिए भेज दिया है। मृतक यमुनोत्री धाम की यात्रा पर जा रहे थे, जहां रास्ते में हार्ट अटैक से से उनकी मौत हो गई।

अक्षय तृतीया पर देश के 101 शहरों में लगे शिविर

उदयपुर, (एजेंसी)। नारायण सेवा संस्थान ने अक्षय तृतीया पर उदयपुर सहित 101 शहरों में सेवा शिविर आयोजित किए। अध्यक्ष प्रशान्त अग्रवाल ने एक कार्यक्रम में अक्षय तृतीया का पौराणिक महत्व बताते हुए दिव्यांगों एवं रोगियों को फल, मिठाई और खिलौने बांटे। आदिवासी अंचल केजड़ा ग्राम शिविर में निदेशक वंदना अग्रवाल ने निर्धन महिलाओं को राशन व वस्त्र तथा बच्चों को कपड़े, जूते एवं चप्पल वितरित किए संस्थान ने राजस्थान, मध्यप्रदेश, दिल्ली, उप्र, बिहार, तमिलनाडु, प.बंगाल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, हरियाणा, उत्तराखंड के 100 शहरों में भोजन, वस्त्र बांट कर समाज में औरों की मदद करने और देने का भाव जागृत किया।

कश्मीर में ईद की नमाज शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न

श्रीनगर, (एजेंसी)। केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में श्रीनगर के ऐतिहासिक जामिया मस्जिद को छोड़कर पूरी कश्मीर घाटी में सभी जगहो पर बड़ी संख्या में ईद-उल-फितर की नमाज शांतिपूर्ण माहौल में अदा कर उत्साह और उल्लास से मनाई। डल झील के किनारे स्थित हजरतबल दरगाह में बड़ी संख्या में लोगों का जमावड़ा देखा गया। सभी यहां ने एकत्र होकर नमाज अदा की और एक-दूसरे को गले लगातार भाईचारे का संदेश दिया। अधिकारियो ने कहा कि पूरी घाटी में ईद की नमाज शांतिपूर्ण रूप से संपन्न हुई। प्रशासन ने श्रीनगर के जामिया मस्जिद में शनिवार को नमाज अदा करने की अनुमति नहीं दी। शब-ए-कद्र और रमजान के आखिरी शुक्रवार को नमाज अदा करने की अनुमति दी थी।

शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील्स का फेम टूर रवाना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। विश्व प्रसिद्ध शाही रेलगाड़ी पैलेस ऑन व्हील्स नई दिल्ली के दिल्ली कैंट रेलवे स्टेशन से शनिवार सुबह अपने फेम टूर के लिए रवाना हुई। इस फेम टूर में देश-विदेश के कुल 76 यात्री सफर कर रहे है। पैलेस ऑन व्हील्स शाही रेलगाड़ी को राजस्थान का सांस्कृतिक दूत कहा जाता है, जो पर्यटन के क्षेत्र में दुनिया मे एक मिसाल है। इस अवसर पर राजस्थान पर्यटन विकास निगम के अध्यक्ष धर्मेन्द्र राठौड़ ने सभी यात्रियों का अभिवादन करते हुए बताया कि पैलेस ऑन व्हील्स 1982 से लगातार चल रही है। शाही रेल में राजस्थान की हेरिटेज और सांस्कृतिक परंपरा को देखकर देश-विदेश के पर्यटक रोमांचित हो जाते हैं।

कांग्रेस वरिष्ठ नेता जगदीश सीपहिया के निधन से शोक

चंडीगढ़, (एजेंसी)। हिमाचल कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कांगड़ा सहकारी बैंक (केसीबी) के पूर्व अध्यक्ष जगदीश सीपहिया(68) का चंडीगढ़ के एक निजी अस्पताल में शुक्रवार देर रात निधन हो गया। सीपहिया को 20 दिन पहले घर में ब्रेन हेमरेज हुआ था। हिमाचल प्रदेश पर्यटन विकास बोर्ड के उपाध्यक्ष एवं नगरोटा बगवां के विधायक आर एस बाली ने श्री सीपहिया के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया है। बाली ने शनिवार को ट्वीट कर कहा, मेरे बड़े भाई, कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं कांगड़ा सहकारी बैंक के अध्यक्ष रहे जगदीश सीपहिया जी के निधन की खबर अत्यंत दुखद है। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान प्रदान करें। मेरी गहरी संवेदनाएं शोकाकुल परिवार के साथ हैं।

आज का इतिहास

- **1504:** सिखों के दूसरे धर्मगुरु अंगद का जन्म।
- **1564:** कवि और नाटककार विलियम शेक्सपियर का जन्म।
- **1660:** स्वीडन और पोलैंड ने ओलिवा संधि पर सहमति जताई।
- **1935:** यूरोपीय देश पोलैंड ने संविधान अपनाया।
- **1968:** मशहूर गजल गायक बड़े गुलाम अली खान का निधन।
- **1981:** सोवियत संघ ने भूमिगत परमाणु परीक्षण किया।
- **1984:** वैज्ञानिकों ने एड्स के वायरस के बारे में पता लगाया।
- **1995:** विश्व पुस्तक दिवस मनाने की शुरुआत हुई।
- **2013:** फ्रांस ने समलैंगिक विवाह को कानूनी मंजूरी दी।

'मुस्लिमों के लिए भारत से अच्छा देश, हिंदू से अच्छा मित्र, मोदी से अच्छा नहीं है नेता'

ईद मिलन समारोह में बोले शाहनवाज

नई दिल्ली, (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को तृणमूल कांग्रेस की नेता एवं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर आरोप लगाया कि वह ईद के दिन रामनवमी जैसा सांप्रदायिक तनाव पैदा करने की कोशिश कर रहीं हैं लेकिन देश के मुसलमानों को पता है कि उनके लिए दुनिया में भारत से अच्छा देश, हिंदू से अच्छा मित्र और पीएम नरेंद्र मोदी से अच्छा नेता कोई नहीं हैं। भाजपा के वरिष्ठ प्रवक्ता सैयद शाहनवाज हुसैन ने ईद मिलन समारोह में सुश्री बनर्जी के देश के बंटवारा होने संबंधी बयान पर तीखी प्रतिक्रिया दी।

आज ईद है और ईद का मतलब होता है खुशी। ईद के मौके पर उन्होंने मुल्क की तरक्की की दुआ की। श्री हुसैन ने कहा कि चाहे बहुसंख्यक हो या अल्पसंख्यक, भारत का संविधान सबको बराबर का अधिकार देता है।

कुछ ताकतें देश तोड़ने की कोशिश में: ममता

बता दें कि सीएम ममता बनर्जी ने शनिवार को कहा कि कुछ ताकतें देश को तोड़ने की कोशिश कर रही है लेकिन वह देश को कभी विभाजित नहीं होने देंगी। सुश्री बनर्जी ने इंदिरा गांधी सराबी पर ईद-उल-फितर प्रार्थना सभा में को संबोधित करते हुए लोगों से एकजुट रहने का आह्वान किया, क्योंकि कुछ ताकतें देश को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं। मैं अपनी जान कुर्बान करने को तैयार हूं, लेकिन मैं किसी भी कीमत पर देश का बंटवारा नहीं होने दूंगी।

मंगलुरु में कतील दुर्गा परमेश्वरी मंदिर परिसर में भक्तों ने थूतेदरा (अग्नि केली) खेला।

राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्षों के 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन

यूपी की भर्ती प्रक्रिया में जातिवाद नहीं योग्यता पैमाना: सीएम योगी

लखनऊ ■ एजेंसी

समाजवादी पार्टी (सपा) का नाम लिए बगैर निशाना साधते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 2017 से पहले भर्ती प्रक्रियाओं में जातिवाद और भाई भतीजावाद का बोलबाला था जबकि उनकी सरकार ने सिर्फ योग्य और कर्मठ को ही नौकरी मिल रही है।

सिग्नेचर बिल्डिंग में आयोजित राज्य लोक सेवा आयोग के अध्यक्षों के 24वें राष्ट्रीय सम्मेलन के उद्घाटन समारोह को संबोधित करते हुए श्री योगी ने शनिवार को कहा कि जब हमने वर्ष 2017 में सूबे की कमान संभाली थी तो उस समय देखने को मिला था कि उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग, अधीनस्थ सेवा चयन आयोग, उच्चतर शिक्षा चयन आयोग और माध्यमिक शिक्षा चयन आयोग से जुड़ी परीक्षाओं में शिकायतों का अंबार लगा हुआ था। कई भर्ती प्रक्रियाओं में न्यायालय से स्टे चल रहा था। कुछ मामलों में कोर्ट ने गंभीर टिप्पणियां भी कर रखी थीं। यूपी पुलिस में डेढ़ लाख पद खाली पड़े थे क्योंकि इस पर सुप्रीम कोर्ट का स्टे था। मैंने अधिकारियों से कहा कि भर्ती को लेकर जो भी कमियां थीं उसे दूर करिए। उन्होंने कहा कि पहले प्रक्रिया पारदर्शी नहीं थी। उस समय भर्ती प्रक्रिया में भाई-भतीजावाद और जातिवाद

का मुखौटा लगाकर योग्यता और प्रतिभा के साथ अन्याय होता था। ऐसे में हमने भर्ती प्रक्रिया को पारदर्शी करने के लिए अच्छे ईमानदार लोगों की टीम तैयार की। पिछले छह वर्षों में पुलिस विभाग में एक लाख 64 हजार से अधिक पदों को पारदर्शी तरीके से भरा गया।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि इस कार्यक्रम में शिरकत करना मेरे लिए इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उत्तर प्रदेश के प्रशासन ने विगत छह वर्षों के अंदर जो कुछ भी किया है उसे आप सभी के माध्यम से देश के कोने-कोने तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि एक आदर्श समाज में संघ लोक सेवा आयोग हो या राज्यों के लोक सेवा आयोग हो, इन सभी की बड़ी भूमिका होती है।

नीति आयोग के टॉप 10 में उप्र के आठ जनपद शामिल

नीति आयोग ने टॉप 10 राज्यों की सूची जारी की तो उसमें उत्तर प्रदेश भी शामिल था और उसके 8 जनपद भी इसमें शामिल थे। पिछले छह वर्षों में सरकार ने साढ़े पांच लाख नियुक्तियां की हैं। किसी भी नियुक्ति पर प्रश्नचिन्ह नहीं खड़ा हुआ है। उन्होंने आगे कहा कि प्रदेश की आबादी 25 करोड़ है, ऐसे में साढ़े पांच लाख सरकारी नौकरी से काम नहीं चलेगा। प्रदेश के कई युवा ऐसे हैं जो सरकारी नौकरी में नहीं जाना चाहते हैं, वह अपने सेक्टर में कुछ नया करना चाहते हैं। इस पर सरकार काम कर रही है। इसी के तहत प्रदेश के 75 जनपदों की मैपिंग कराई गई, जिसमें से 57 जनपदों के यूनिक प्रोडक्ट्स को नई पहचान दिलाई गई। वहीं 18 जनपदों के लिए भी तय किया है कि इन जनपदों के साथ भी कोई ना कोई एक प्रोडक्ट जुड़ना चाहिए। ऐसे में वन डिस्टिक वन प्रोडक्ट कार्य योजना को लागू किया गया, जिससे उत्तर प्रदेश में वर्ष 2017 में जहां कुल एक्सपोर्ट 86000 करोड़ था, आज वह लगभग दो लाख करोड़ तक पहुंच गया है।

भारत प्रकृति के साथ हमारी संस्कृति के अनुरूप विकास बढ़ाने को प्रतिबद्ध

पृथ्वी दिवस पर बोले पीएम

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि पृथ्वी दिवस के अवसर पर वह उन सभी लोगों के प्रयासों की सराहना करते हैं जो पृथ्वी को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं।

श्री मोदी ने ट्वीट कर कहा कि पृथ्वी दिवस पर मैं उन सभी लोगों की सराहना करता हूं जो हमारे ग्रह को बेहतर बनाने के लिए काम कर रहे हैं। भारत प्रकृति के साथ सद्भाव में रहने की हमारी संस्कृति के अनुरूप सतत विकास को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है। गौरतलब है कि हर साल 22 अप्रैल को विश्व पृथ्वी दिवस मनाया जाता है, जिसका उद्देश्य पृथ्वी के संरक्षण और पर्यावरण को लेकर लोगों के बीच जागरूकता पैदा करना है। हमारे देश में धरती को मां के समान माना जाता है। लेकिन इतनी महत्ता के बावजूद अंधाधुंध पेड़-पौधों की कटाई हो रही है। ऐसे में विश्व पृथ्वी दिवस के जरिये लोगों को ज्यादा से ज्यादा पेड़-पौधे लगाने के लिए प्रेरित किया जाता है।

संयुक्त राष्ट्र ने सूडान में यौन हिंसा पर जताई चिंता

संयुक्त राष्ट्र, (एजेंसी)। संयुक्त राष्ट्र की महिला इकाई 'यूएन वुमन' ने अफ्रीकी देश सूडान में अर्द्धसैनिक समूह और रैपिड सपोर्ट फोर्सेज के बीच जारी भीषण संघर्ष के महिलाओं और किशोरियों पर पड़ रहे भयानक प्रभाव पर चिंता व्यक्त की है तथा यौन हिंसा के खिलाफ तत्काल कार्रवाई की मांग की है। यूएन वुमन की कार्यकारी निदेशक सिमा बाहौस ने शुक्रवार को अपने एक बयान में कहा, 'यूएन वुमन सूडान में जारी संघर्ष पर अपनी गंभीर चिंता व्यक्त करने में हमारे भागीदारों के साथ शामिल हो गई है। सभी संकटों की तरह, यह निश्चित रूप से सूडानी महिलाओं और किशोरियों के जीवन पर गंभीर और प्रतिकूल प्रभाव डालेगा। उन्होंने कहा कि हम सूडान के लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं और उनका समर्थन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। सुश्री बाहौस ने कहा कि सूडान में यौन दुराचार की खबरें पहले ही आनी शुरू हो गयी हैं तथा संघर्ष तेज होने के दौरान ऐसी समस्याओं के और अधिक बढ़ने का डर सता रहा है।

बीएसएफ ने पाकिस्तान रेंजर्स को ईद-उल-फितर की दी बधाई

जालंधर में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने पंजाब में जेसीपी अटारी बॉर्डर पर पाक रेंजरों के साथ मिठाइयों का आदान-प्रदान किया। बीएसएफ के जनसंपर्क अधिकारी ने शनिवार को बताया कि ईद-उल-फितर के अवसर पर जेसीपी अटारी सीमा पर तैनात बीएसएफ के जवानों ने दोनों देशों की वार्षिक परंपराओं के तहत मिठाइयां बांटी और एक दूसरे को शुभकामनाएं दीं।

पुलवामा हमले में नए खुलासे पर सरकार का चुप आश्चर्य: कांग्रेस

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कांग्रेस ने कहा पुलवामा हमले पर जम्मू-कश्मीर के तत्कालीन राज्यपाल सत्यपाल मलिक के हाल के खुलासे से जो तथ्य सामने आए हैं, वे हैरान करते हैं और देशवासियों को उम्मीद थी कि सरकार इसका जवाब देगी लेकिन आश्चर्य की बात है कि मोदी सरकार ने इस पर चुप्पी साध ली है।

कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने शनिवार को यहां पार्टी मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि श्री मलिक ने खुलासा किया है कि श्रीनगर भेजने के लिए यदि जवानों को पांच विमान मुहैया कराए जाते तो उन्हें शहादत से बचाया जा सकता था।

उन्होंने कहा कि श्री मलिक ने स्पष्ट तौर पर हाल में दिए साक्षात्कार में खुलासा किया कि यह हमला खुफिया विफलता तथा सुरक्षा में चूक के कारण हुआ। यदि विमान मुहैया कराये जाते तो जवानों की शहादत को रोका जा सकता था लेकिन सरकार ने विमान देने से इनकार कर दिया। श्री खेड़ा ने कहा कि 'खुलासे में यह भी साफ हुआ है कि 2019 में 14 फरवरी की शाम को जब प्रधानमंत्री को फोन पर सत्यपाल मलिक ने बताया कि यह लापरवाही और चूक थी। जिसके चलते हमारे जवान शहीद हुए। प्रधानमंत्री ने उन्हें कहा-तुम चुप रहो। यह कोई और चीज है।

शाह ने पूछा- गवर्नर रहते क्यों थे चुप?

गृहमंत्री अमित शाह ने पूर्व गवर्नर की विश्वसनीयता पर सवाल उठाते हुए कहा कि उनको यह बताना चाहिए कि हमारा साथ छोड़ने के बाद ही उन्होंने ये सारे ख्याल क्यों आ रहे हैं। उन्होंने पूछा कि आखिर लोगों को अंतरआत्मा की आवाज तब क्यों नहीं सुनाई देती है, जब वे सत्ता में होते हैं।

माइंडगेम है कॉलेजियम मुद्दा, इस पर बात नहीं करूंगा, रिजिजू के बदले सुर

नई दिल्ली, (एजेंसी)। कॉलेजियम के मुद्दे पर मुखर रहे केंद्रीय कानून मंत्री किरेन रिजिजू ने बात करने से इनकार कर दिया। रिजिजू ने कॉलेजियम मुद्दे को माइंडगेम बताते हुए शनिवार को कहा कि वह इस बारे में नहीं बोलेंगे।

सरकार के समक्ष लंबित उच्चतम न्यायालय कॉलेजियम की कई सिफारिशों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने यह टिप्पणी की। उच्च न्यायालयों के मुख्य न्यायाधीशों की नियुक्ति की सिफारिशें भी इनमें शामिल हैं। रिजिजू ने कहा कि कॉलेजियम मुद्दा पूरी तरह से माइंडगेम है। मैं इस बारे में बात नहीं करने जा रहा। वह अरूणाचल प्रदेश में 4जी सेवाओं के लिए 254 मोबाइल टावर समर्पित करने के कार्यक्रम से इतर बोल रहे थे।

ऑक्सफोर्ड ने मलाला को किया सम्मानित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। सबसे कम उम्र की नोबेल पुरस्कार विजेता और लड़कियों की शिक्षा के लिए काम करने वाली पाकिस्तानी एक्टिविस्ट मलाला यूसुफजई को ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी के लिनाक्रे कॉलेज द्वारा मानद फेलोशिप दी गई। इसके साथ ही मलाला यह सम्मान प्राप्त करने वाली पहली पाकिस्तानी बन गई। इसकी घोषणा ऑक्सफोर्ड पाकिस्तान प्रोग्राम ने की है। मलाला को एक समारोह में यह पुरस्कार दिया गया।

नोबेल पुरस्कार विजेता सर पॉल नर्स और दक्षिण अफ्रीका की संसद की नेशनल असेंबली के पहले स्पीकर डॉ. फ्रेन गिनवाला को भी कॉलेज द्वारा इस मानद फेलोशिप से सम्मानित किया गया है। इस दौरान मलाला ने लिनक्रे कॉलेज में अपने दोस्तों से मिलने की याद ताजा की।

ऑडिट में चैट जीपीटी की हालत खराब, जीता इंसान

वाशिंगटन, (एजेंसी)। चैटजीपीटी की शरीर वाले इंसानों से हार हुई। एक परीक्षा में छात्रों ने चैटजीपीटी से कई गुना बेहतर स्कोर किया। अमेरिका में ब्रिघम यंग यूनिवर्सिटी शोधकर्ताओं ने चैटजीपीटी की क्षमताओं के परीक्षण में अकाउंटेंसी से जुड़े सवाल किए।

एआई ने लेखांकन सूचना प्रणाली में विशेष रूप से अच्छा प्रदर्शन किया, लेकिन अर्थशास्त्र व मैनेजेरियल नॉलेज में अटक गया। विशेषज्ञों के अनुसार, इस प्रकार की ऑडिट में चैटजीपीटी कमजोर नजर आया। इसमें 186 विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं और विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

समस्या — कई बैंकों में हैं मंदिर का अकाउंट, प्रतिमाह 28 लाख रुपए के सिक्के आते हैं चढ़ावे में

चार बैंकों को शिरडी मंदिर के सिक्के नहीं हैं मंजूर

मुंबई, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के चार बैंकों ने शिरडी साईबाबा मंदिर से लाखों रुपए के सिक्के लेने से इनकार कर दिया है और श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट (एसएसएसटी) अब एक गंभीर जगह की कमी का सामना कर रहा है। विशेष रूप से, मंदिर हर महीने सिक्कों के रूप में 28 लाख रुपए का दान एकत्र करता है और इन सिक्कों को बैंक खातों में जमा किया जाता है।

श्री साईबाबा संस्थान ट्रस्ट के सरकारी बैंकों की 13 शाखाओं में खाते हैं। इनमें से अधिकांश शिरडी में स्थित हैं और एक नासिक में स्थित है। प्रत्येक बैंक, जहां शिरडी ट्रस्ट का खाता है, अपने कर्मियों को हर महीने बारी-बारी से दान और जमा राशि लेने के लिए मंदिर भेजता है। सिक्कों के रूप में शिरडी मंदिर का लगभग 11 करोड़ रुपए पहले ही इन बैंकों में जमा हो चुका है और नए सिक्कों के लिए और जगह नहीं है। शिरडी मंदिर ट्रस्ट के सीईओ राहुल जाधव ने बताया कि इन चार बैंकों के अधिकारियों ने कहा कि उनके पास हर दिन मिलने वाले सिक्कों को रखने के लिए जगह नहीं है। यह ट्रस्ट के लिए एक बड़ी समस्या है।

शिरडी मंदिर ट्रस्ट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) को सीधे हस्तक्षेप की मांग करने के लिए लिखने की योजना बना रहा है। इन चार बैंकों के अलावा, अन्य बैंकों ने भी ट्रस्ट से इस मुद्दे को हल करने का अनुरोध किया है क्योंकि वे भी जगह की कमी का सामना कर रहे हैं। इसके साथ ही, हमने अपनी मदद के लिए अहमदनगर जिले के अन्य हिस्सों के साथ-साथ राज्य के बैंकों से भी संपर्क करने का फैसला किया है।

सिक्के ले ऐसे बैंक में खाता खोलेंगे

जाधव ने कहा, हम ऐसे बैंकों में ट्रस्ट के खाते खोलेंगे, ताकि वहां सिक्के जमा किए जा सकें। मंदिर की सिक्का समस्या कोरोना महामारी के साथ अपनी पकड़ ढीली करने के साथ फिर से शुरू हो गई है। मंदिर में रोजाना लगभग 50 हजार सिक्के जमा होते हैं। चार बैंकों के अलावा, जिन्होंने सिक्कों के संग्रह को रोका है उससे भी ट्रस्ट ने समस्या को हल करने का अनुरोध किया है।

यूक्रेन को 3.9 करोड़ कनाडाई डॉलर की मदद करेगा कनाडा

ओटावा, (एजेंसी)। कनाडा यूक्रेन के लिए 3.9 करोड़ कनाडाई डॉलर का नया सैन्य सहायता पैकेज प्रदान कर रहा है। राष्ट्रीय रक्षा विभाग ने यह घोषणा की है।

विभाग ने शुक्रवार को एक समाचार विज्ञप्ति में कहा कि करीब 3.1 करोड़ अमेरिकी डॉलर की इस सहायता में 33 लाख लीटर बहु-आवश्यक ईंधन आपूर्ति, मॉड्यूलर फ्लोटेशन ब्रिज एसेट्स, मेडिकल प्राथमिक चिकित्सा किट तथा स्नाइपर राइफलें और गोला बारूद शामिल हैं। कनाडा द्वारा यूक्रेन को दिए सभी आठ लेपर्ड 2 मुख्य युद्धक टैंकों को पोलैंड पहुंचा दिया है, और कनाडा ने लेपर्ड 2 टैंक के संचालन और रणनीति पर यूक्रेनी टैंक कर्मचारियों को प्रशिक्षित प्रयासों में सहायता के लिए तीन लेपर्ड गनरी स्किल ट्रेनर तैनात किए हैं। गौरतलब है कि फरवरी 2022 से कनाडा ने यूक्रेन को सैन्य सहायता में एक अरब कनाडाई डॉलर से अधिक प्रदान करने की प्रतिबद्धता जताई है, जिसमें आठ लेपर्ड 2 मुख्य युद्धक टैंक, एक राष्ट्रीय उन्नत सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली, 39 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, टैंक रोधी हथियार और उच्च-रिजॉल्यूशन ड्रोन कैमरे शामिल हैं।

तीर्थायन की द्वितीय श्रृंखला सम्पन्न

प्रखर वाराणसी। पुराणोक्त लगभग 1100 काशीस्थ तीर्थ स्थलों के दर्शन - संकल्प के क्रम में केदार खंड तक पहुंची यात्रा पाक्षिक पूर्व निर्धारित तिथियों पर अनवरत जारी रहेगी यह धार्मिक - सांस्कृतिक यात्रा शीघ्र जारी होगा तीर्थायन का वार्षिक कैलेंडर भदैनी स्थित हयग्रीव केशव मंदिर से तीर्थायन क्रम की दूसरी यात्रा आज प्रातः 6.30 बजे शुरू हुई। आज की यात्रा के संरक्षक आई आई टी , बी एच यू के पूर्व निदेशक प्रो सिद्धनाथ उपाध्याय, एकेटीयू के पूर्व कुलपति प्रो प्रदीप कुमार मिश्र एवम प्रख्यात न्यूरोलॉजिस्ट डॉ विजय नाथ मिश्र थे।यात्रा की शुरूआत में संरक्षकगण ने अपने संयुक्त बयान में कहा कि - "विश्व की प्राचीनतम, धर्म की नगरी काशी में पुराणोक्त लगभग 1100 से भी ज्यादा मंदिरों का उल्लेख है। काशी के अंतस में धर्म, दर्शन, संस्कृति और जनजीवन के अनूठे रहस्य छिपे हुए हैं। इन रहस्यों का उद्घाटन उनके नजदीक पहुंच कर ही किया जा सकता है। तीर्थ स्थलों , देव मंदिरों तथा सनातन संस्कृति की अप्रतिम धरोहरों को जानने - समझने के संकल्प को तीर्थायन नाम से एक अभियान के रूप में शुरू किया गया है। कहने को यह धार्मिक यात्रा का एक क्रम है , लेकिन इसके अंदर अपनी सांस्कृतिक समझ को विकसित करते हुए संरक्षण व संवर्धन के असीम आयाम छुपे हुए हैं। काशीस्थ तीर्थों के दर्शनक्रम से शुरू यह अभियान दिन प्रति गहन संवेग के साथ आगे बढ़ रहा है। तीर्थायन को काशी के प्रबुद्ध सचेत समाज का जनसमर्थन तथा सक्रिय सहभाग मिलना अत्यन्त उत्साहजनक है। " काशीकथा और अंतर राष्ट्रीय काशी घाटवॉक विश्वविद्यालय के संयुक्त तत्वावधान में काशी के 1100 लगभग काशी खंडोक्त मंदिर और देव दर्शन का संकल्प है। रविवार को हुई इस द्वितीय यात्रा में मार्गदर्शन के रूप में समाज - जीवन के हर विधा यथा संगीत, अभियांत्रिकी, साहित्य, कला, राजनीति, समाज सेवा, पत्रकारिता, इतिहास, धर्म दर्शन आदि के मूर्धन्य विद्वान और काशी के लोग तीर्थायन में मौजूद रहे। सुबह 6.30 बजे काशीकथा न्यास की शोध परिकल्पना के तहत काशी के तीर्थों की परिक्रमा के अभियान तीर्थायन के द्वितीय खंड की शुरूआत की गई। तीर्थायन में काशी के युवा से लेकर प्रबुद्ध लोग शामिल हुए। यात्रा भदैनी स्थित हयग्रीव केशव से शुरू होकर केदार घाट स्थित गौरी केदारेश्वर मंदिर पहुंच कर समाप्त हुई। इस क्रम में हयग्रीव केशव, अक्रूर जी द्वारा स्थापित अक्रूरेश्वर महादेव, नाविक समाज की कुलदेवी फूलमती देवी, दुःस्वप्नों के निवारणकर्ता स्वपनेशवर महादेव एवम स्वप्नेश्वरी देवी, घृष्णेश्वर महादेव, नरसिंहेश्वर, रामेश्वर , भरतेश्वर, शत्रुघ्नेश्वर, लक्ष्मणेश्वर, हनुमदीश्वर महादेव, विकट नरसिंह, हरिहरेश्वर महादेव, निलकंठेश्वर महादेव तथा गौरीकेदारेश्वर महादेव का दर्शन - पूजन किया गया।यात्रा के तहत आने वाले 21 मंदिरों में भजन-कीर्तन के साथ लोगों ने विधिवत दर्शन-पूजन किया। साथ ही सभी मंदिरों की मान्यता और इतिहास को भी जाना। सुबह से ही काशी के उक्त क्षेत्र की गलियां भक्ति संगीत से गुंजयमान हो उठीं।अंत में घाट वॉक के संस्थापक डॉ विजय नाथ मिश्र तथा काशी कथा के संयोजक सामाजिक कार्यकर्ता डॉ अवधेश दीक्षित ने आये हुए सभी अतिथियों के प्रति आभार जताया और कहा कि यह यात्रा अब हर दूसरे रविवार को (पाक्षिक) सम्पन्न होगी। शीघ्र ही सभी सक्रिय साथी एक बैठक करके वार्षिक कैलेंडर जारी करेंगे; जिससे वर्ष भर की यात्रा को ध्यान में रखकर देश के दूसरे हिस्से के लोग भी काशीस्थ तीर्थों का दर्शन कर सकेंगे।तीर्थायन में प्रमुख रूप से प्रो. सिद्धनाथ उपाध्याय,प्रो. प्रदीप कुमार मिश्र, प्रो. विजयनाथ मिश्र, डॉ. अवधेश दीक्षित, रामानंद तिवारी, शैलेश कुमार तिवारी, उमाशंकर गुप्ता, विमल कुमार सिंह, शैलेंद्र किशोर पांडेय मधुकर, प्रो. श्रीप्रकाश शुक्ल, नारायण द्रविड़, अजय शर्मा, मनीष खत्री, जगन्नाथ ओझा, ऋषि झींगरण, बलराम यादव, अरविंद मिश्र, अनुराग यादव अभिषेक यादव, संजय शुक्ल अनुज चतुर्वेदी, महेश उपाध्याय, चक्रपाणि ओझा, कपिंद्र तिवारी, चंद्रशेखर मिश्रा, अनूप पांडेय, राधाकृष्ण गणेशन, डॉ. नीरज पांडेय, अंकित त्रिपाठी सहित 150 से अधिक लोग शामिल रहे।

भाकपा माले जिला कमेटी की बैठक हुई सम्पन्न

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। भाकपा माले जिला कमेटी की बैठक आज दिनांक 23 अप्रैल 2023 को स्थित तुलसी सागर लंका पार्टी जिला कार्यालय पर संपन्न हुई। बैठक को संबोधित करते हुए भाकपा माले केंद्रीय कमेटी सदस्य कामरेड ईश्वरी प्रसाद कुशवाहा ने कहा कि इस दौर में संविधान और लोकतंत्र भाजपा- आर एस एस के हमले की जद में है। इससे देश और देश में रहने वाले लोग खतरे में है, प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह से ध्वस्त हो गया है। एक ओर अपराधी खुलेआम पुलिस की मौजूदगी में लोगों को गोलियों से भून रहे है। दूसरी ओर प्रदेश सरकार खोखला दावा कर रही है कि प्रदेश में कानून व्यवस्था चुस्त दुरुस्त है। जिले में कानून व्यवस्था की मांग करने वाले माले कार्यकताओं के ऊपर थाना खानपुर फर्जी मुकदमा लाद कर पुलिस उत्पीड़न की कार्रवाई कर रही है। माले कार्यकताओं पर से पुलिस मुकदमा वापस नहीं लिया तो आन्दोलन तेज किया जाएगा। बैठक को संबोधित करते हुए खेग्रामस जिलाध्यक्ष नन्द किशोर बिन्द ने कहा कि ग्रामीण खेत मजदूरों को काम की संकट, महंगाई, ने उनको जीना दुर्लभ कर दिया है। जिसको लेकर एक मई मजदूर दिवस पर करंडा में संगठन का जिला सम्मेलन होगा, जिसमें बड़े पैमाने पर ग्रामीण मजदूर भाग लेंगे। बैठक की अध्यक्षता व संचालन भाकपा माले जिला सचिव शशिकांत कुशवाहा ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से नंदकिशोर बिन्द, सरोज यादव, गुलाब सिंह, चंद्रावती गोरख राजभर, मंजू गोड़, कन्हैया प्रसाद विजय कुमार, विजय बनवासी, योगेन्द्र भारती, रामप्रवेश कुशवाहा, मोती प्रधान सत्येंद्र प्रजापति, लालजी बनवासी, राजेश बनवासी, सतेन्द्र प्रजापति आदि लोगों ने भाग लिया।

सनातन ब्रह्म समाज ने धूमधाम से मनाया भगवान परशुराम का जन्मोत्सव

प्रखर वाराणसी। सारनाथ नई बाजार में सनातन ब्रह्म समाज के द्वारा परशुराम जन्मोत्सव मनाया गया जिसमे उनकी स्तुति एवम पूजन किया गया साथ ही छोटा सा परिचय सत्र भी आयोजन किया गया कार्यक्रम की शुरूवात सरस्वती बंदना एवम परशुराम जी को माल्यार्पण एवम पुष्प अर्पित करके किया गया जिसमे संस्था के संस्थापक अध्यक्ष बिपिन पांडे जी ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी लोगो का स्वागत किया एवम परशुराम जी के जीवनी पर प्रकाश डाला इसी क्रम में अन्य बंधुओ ने भी अपना वक्तव्य प्रस्तुत किया जिसमे प्रमुख रूप से संरक्षक मंडल से बच्चा गुरु, श्याम मोहन उपाध्याय अवधेश तिवारी, हरगोविंद शुक्ला , मनीष पांडे एवम राम छबीले तिवारी ने भी अपने व्यक्तव्य को रखा साथ कोषाध्यक्ष एवम संगठन विधिक सलाहकार बसंत चौबे ने संगठन विस्तार पर चर्चा किया

एवम जिला केंद्रीय अध्यक्ष शैलेन्द्र मिश्र संगठन जिला अध्यक्ष श्री रुद्र महाराज , संगठन जिला केंद्रीय उपाध्यक्ष आनंद महाराज साथ ही सचिव श्री पियूष दुबे ने भी व्याख्यान प्रस्तुत किया साथ ही जन्मोत्सव के साथ परिचय सत्र मे श्री पियूष पांडे, धीरज त्रिपाठी अवनीश मिश्र, हिमांशु त्रिपाठी, सुजीत दुबे, गौरव दीक्षित, राजेश्वर तिवारी, शिवांश पांडे , अंश पांडे, राज पांडे , संजीव पांडे, श्री दिलीप शर्मा, सव्यसंची, एम पांडे, राजेंद्र शुक्ला, आनंद चौबे, सुंदरम पांडे, सत्यम शुक्ला जी, अजय उपाध्याय, अभिषेक पांडेय, पवन चौबे, सिंटू दुबे , अखिलेश पांडे, रोहित तिवारी एवम अन्य विप्र गण उपस्थिति रहे। अंत में आयोजक विकास शुक्ला साई मेरोटोरियस क्लासेज के प्रबंधक एवम कार्यकर्म आयोजक को धन्यवाद ज्ञापित करके जय भगवान परशुराम के उद्घोष के साथ कार्यक्रम संपन्न किया गया।

वार्ड नंबर 31 के पार्षद प्रत्याशी ने किया जनसंपर्क

प्रखर वाराणसी। नगर निगम निकाय चुनाव कि बिगुल बजते ही क्षेत्रीय नेता समाजसेवी छात्र नेता सभी व्यक्ति अपने-अपने क्षेत्रों में क्षेत्रीय जनता के बीच समाज सेवा करने के लिए नगर निगम चुनाव के माध्यम से पार्षद प्रत्याशी बन मैदान में उतरे हैं, इसी क्रम में वार्ड नंबर 31 नारायनपुर के निर्दल प्रत्याशी शशि भूषण मिश्रा जोकि विगत 11 वर्षों से छात्र नेता के रूप में छात्रों की सेवा कर चुके हैं अब वार्ड नंबर 31 नारायनपुर से नारायनपुर की जनता की सेवा करने के लिए प्रत्याशी बनकर उतरे हैं जिनको क्षेत्री लोगों का सहयोग भरपूर मिला है शशि भूषण मिश्रा ने मीडिया से बातचीत करते हुए बताया कि यदि हमें जनता का भरपूर सहयोग मिला और मैं जीत हासिल किया तो मैं एक अधिवक्ता होने के नाते मैं सरकार के द्वारा पारीक जनता की सभी सुविधाओं को जनता तक पहुंचाने का अधिक से अधिक कार्य करूंगा जिससे कि सरकार के नियमों का सरकारी सुविधा का क्षेत्रीय जनता को प्रत्यक्ष लाभ मिल सके, मैं जनता के लिए 24 घंटा खड़ा रहूंगा कभी भी क्षेत्रीय जनता को यदि मेरे सहयोग की आवश्यकता हुई तो मैं तुरंत उनके सहयोग के लिए तत्पर खड़ा रहूंगा, मेरी क्षेत्रीय जनता से यही गुजारिश है कि इस बार मेरे चुनाव चिन्ह डमरु को अधिक से अधिक मत देकर विजय बनावे, प्रचार प्रसार में उनके साथ मुख्य रूप से गौरव सिंह, विशाल सिंह, अभिषेक सिंह, चंदन यादव, चिराग सिंह, आयुष सिंह, फौजी, आनंद कुमार, सलमान आदि लोगो का सहयोग रहा

राष्ट्रीय अधिवेशन में बनारस से 500 शिक्षक करेंगे प्रतिभाग

प्रखर वाराणसी। अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के 29वें त्रैवार्षिक अधिवेशन में प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र से 500 शिक्षक प्रतिभाग करेंगे। सम्मेलन को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संबोधित करेंगे। 12 मई को गुजरात की राजधानी गांधीनगर में अखिल भारतीय शिक्षक संघ के 29 वें त्रैवार्षिक राष्ट्रीय अधिवेशन का आयोजन किया गया है। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष सकलदेव सिंह ने बताया कि बनारस जिले से 500 शिक्षक भाग लेंगे। उन्होंने ने बताया की अधिवेशन को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी संबोधित करेंगे। राष्ट्रीय अधिवेशन में पुरानी पेंशन की बहाली, तदर्थ शिक्षकों, शिक्षामित्रों, अनुदेशकों को स्थायी शिक्षक बहाली सहित अन्य मांगों कर मुहर लग सकती है। राष्ट्रीय अधिवेशन का नेतृत्व अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के अध्यक्ष रामपाल सिंह, महासचिव कमलाकांत त्रिपाठी, प्रदेश अध्यक्ष सुशील पांडेय, महामंत्री उमाशंकर सिंह संजय मिश्रा करेंगे।

मंडी शुल्क से फूड उद्योग को मिली राहत लघु उद्योग भारती संगठन की मांग सरकार ने मानी : राजेश कुमार सिंह

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। लघु उद्योग भारती काशी प्रांत के उद्यमियों की बैठक कबीरचौरा स्थित कार्यालय पर संपन्न हुई जिसमे उद्यमियों ने सरकार द्वारा मंडी शुल्क समाप्त किए जाने की घोषणा पर हर्ष जाहिर किया उद्यमियों को मंडी शुल्क मे छूट का उपहार देने के साथ ही किसानों को राहत देने का कार्य राज्य सरकार ने किया है पूर्व की व्यवस्था के तहत एक प्रतिशत मंडी शुल्क के साथ आधा प्रतिशत विकास उपकर लिया जाता था` राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने उत्तरप्रदेश कृषि उत्पादन मंडी (संशोधन अध्यादेश 2023) को स्वीकृति देते हुए मंडी शुल्क समाप्त किए जाने की सरकार की घोषणा पर अधिकृत रूप से मुहर लगा दी है इस संबंध मे शासन स्तर से अधिसूचना भी जारी कर दिया गया है राजेश कुमार सिंह अध्यक्ष लघु उद्योग भारती काशी प्रांत ने बताया की अब प्रशंसरण इकाईयां किसानों से सीधे उपज खरीद सकेंगी उन्हें किसी भी तरह का मंडी शुल्क नहीं देना पड़ेगा` सरकार द्वारा मंडी शुल्क घोषणा के बाद फौरी व्यवस्था के तहत नई

खाद्य प्रसंसरण इकाइयों को मंडी शुल्क मे आवेदन देने पर यह छूट दी जाती थी अब अधिकृत रूप से नोटिफिकेशन जारी होने के बाद मंडी शुल्क समाप्त हो गया है जिसमे स्पष्ट किया गया है कि राज्य के अंदर किसानों से कच्चे माल के तौर पर क्रय किए गए कृषि उत्पाद पर कोई मंडी शुल्क अदा नहीं करना होगा कमल अग्रवाल उपाध्यक्ष लघु उद्योग भारती फूड डिविजन (पूर्व अध्यक्ष एग्रो पार्क एसोसिएशन) ने बताया की प्रसंसरण इकाइयों द्वारा किसानों से उपज खरीद पर मंडी शुल्क लागू होने के तुरंत बाद ही इसे समाप्त करने के लिए हमारे संगठन लघु उद्योग भारती ने प्रदेश व्यापी मुहिम छेड़ी थी जिसके कारण आज सरकार को उद्यमियों के हित मे मंडी शुल्क को वापस लेना पड़ा है ज्योति शंकर मिश्रा ने बताया की प्रदेश अध्यक्ष मधुसूदन दादू एवं प्रदेश महामंत्री रविंद्र सिंह ने पत्राचार कर सरकार से मांग की उद्यमियों के हित मे यह मंडी शुल्क समाप्त किए जाय बैठक में कमल अग्रवाल,ज्योति शंकर मिश्रा,अरुण सिंह, पी पी सिंह, सुरेश जायसवाल, गोपी, राजेश उपस्थित थे।

उत्तर व दक्षिण भारत के ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने वाले पुष्कर मेले की वाराणसी में हुई शुरूआत

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। उत्तर व दक्षिण भारत के ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने वाले पुष्कर मेले की शुरूआत शनिवार से हो गई है` आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल से आए लोगों ने गंगा पुष्कर मेला के शुभारंभ के अवसर पर राजाघाट वाराणसी में मां गंगा की पूजा एवं गंगा आरती का आयोजन किया गया इस कार्यक्रम में डॉ दयाशंकर मिश्र (आयुष एवं खाद्य सुरक्षा, राज्य मंत्री ,स्वतंत्र प्रभार) एवं जी०वी० एल० नरसिम्हा राव (राज्यसभा सदस्य,उत्तर प्रदेश) मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे वहीं कार्यक्रम में सबसे पहले जी०वी० एल० नरसिम्हा राव के द्वारा गंगा पूजा किया गया उसके बाद चारों वेदों का पारायण एवं गंगा आरती की गई वहीं कार्यक्रम के आयोजक तुलसी मनोज जोशी एवं सह आयोजक तुलसी गजानन जोशी ने किया और कार्यक्रम की अध्यक्षता तुलसी सुब्रमण्यम जोशी द्वारा की गई उन्होंने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री जी 29 अप्रैल को सभी श्रद्धालुओं को इस अवसर पर उनका अपना संदेश देंगे ये मैं मानता हूं कि सभी भारत वासियों के लिए खासकर जो पुष्कर मेले में आए श्रद्धालु है उनके लिए बड़ी बात होगी` वहीं उन्होंने कहा कि काशी-तेलगू संगमम के सभा में प्रधानमंत्री जी बात करेंगे काशी पूरे भारत के लिए ही नही पूरे विश्व के लिए एक आस्था की नगरी है यह मेरा भी सौभाग्य है कि मैं उत्तर प्रदेश से राज्यसभा में सांसद हूँ और काशी मेरा नोडल जिला भी है इसलिए यहाँ के कार्यक्रम में शरीक होने का मुझे मौका मिला इसके लिए मैं अपने आपको बहुत भाग्यशाली मानता हूं वहीं पहले से काशी में यात्रियों की संख्या कई गुना बढ़ गई है इसका लाभ स्थानिय लोगों के रोजगार को मिला है।

निर्दल प्रत्याशी लल्लू यादव को क्षेत्रीय जनता का मिला सहयोग

प्रखर वाराणसी। नगर निगम निकाय चुनाव का बिगुल बजते ही क्षेत्रीय नेता और समाजसेवी अपने-अपने क्षेत्रों में चुनावी मैदान में उतरने के लिए पर्चा दाखिल करने के बाद प्रचार और प्रसार में लग गए, इसी क्रम में वार्ड नंबर 58 खजूरी के निर्दल प्रत्याशी लल्लू यादव अपने चुनाव चिन्ह छाता के साथ जनता के बीच में उतरे और क्षेत्रीय जनता का सहयोग पाने के लिए घर घर जाकर माता और बहनों से चुनाव चिन्ह को अवगत कराते हुए वोट मांगा,लल्लू यादव के व्यवहार को देखते हुए क्षेत्र की जनता ने उनको पूरा सहयोग देने का आश्वासन दिया, आपको बता दें कि लल्लू यादव जानेमन समाजसेवी हैं समाज में समाज की सेवा करना उनका मुख्य कार्य हैं, लल्लू यादव ने मीडिया से बातचीत करते हुए कहा कि यदि हम चुनाव जीते हैं तो मेरा पहला मुख्य उद्देश्य गली नाली और जनता के लिए बिजली की व्यवस्था उनका करना मुख्य उद्देश्य होगा,उन्होंने बताया कि इसके पहले मैं सपा से चुनाव लड़ा था एकत्र आया अब मैं जनता की सेवा करने के लिए निर्दल प्रत्याशी बनकर चुनावी मैदान में उतरा हूं और मुझे जनता का भरपूर सहयोग मिल रहा है।

संक्षिप्त खबरें

निःशुल्क प्रसूति एवं स्त्री रोग परामर्श शिविर का हुआ अयोजन

प्रखर हरहुआ/वाराणसी। जे०पी० मल्टीस्पेश्यलिटी हॉस्पिटल एवं अथर्व इंफर्टिनीटी सेंटर, फरीदपुर, वाराणसी के तत्वाधान में दिनांक 23 अप्रैल, 2023 दिन रविवार को निशुल्क प्रसूति एवं स्त्री रोग एवं निःसंतान दंपत्ति के लिए परामर्श शिविर का आयोजन प्राथमिक विद्यालय, ग्राम ऐढे मे आयोजित किया गया। शिविर में मरीजों की स्वास्थ्य जांच एवं निशुल्क दवा का वितरण कराया गया। शिविर में स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉक्टर संध्या यादव पूर्व सीनियर रेजिडेंट, बी एच यू एवं अन्य चिकीत्सक टीम द्वारा स्त्री रोगों से जुड़ी समस्याओं के निदान हेतु परामर्श दिया गया। कुल 56 मरीजों में सर्वाधिक 27 महिलाओं में महावारी संबंधी अनियमितताएं पाई गई, 08 महिलाओं में पी०सी०ओ०डी०, 08 महिलाओं में फाइब्रॉराइड तथा 04 मरीजों में ल्यूकोरिया, कुछ मरीजो में बांझपन प्रेगनेंसी के दौरान ब्लडप्रेशर एवं रक्त की कमी आदि समस्याएं देखी गई एवं उचित परामर्श तथा दवा वितरण किया गया। इसके अतिरिक्त कुछ पुरुष मरीजों का इलाज हेतु परामर्श दिया गया। डॉ. संध्या ने बताया कि पी०सी०ओ०डी० के कारण महिलाओं में बांझपन, अनियमित महावारी एवं मोटापा की समस्याएं होती हैं। शिविर में पूर्व प्रधान प्रदुम पांडेय, जगदीश यादव, प्रतिभा पाण्डेय, बीडीसी प्यारेलाल चौहान, प्रवीण पाण्डेय दादा, साजिद अली, दीपक पांडेय, दिनेश यादव आदि बड़ी संख्या में गढ़मान्य नागरिक उपस्थित थे।

नमो घाट पर खोया हुआ बच्चा मिला

प्रखर वाराणसी। नमो घाट पर घुमने आई महिला का बच्चा घुमते घुमते कही चला गया। जब उस महिला ने रोना शुरू किया तो वहा लोग इकट्ठा होने लगे।काफी देरी के बाद वहां के गार्डो ने गंगा घाट के किनारे एक रोता हुआ लड़का मिला तो सुपरवाइजर राहुल पाण्डेय व चन्दन तिवारी को लाकर दिया। सुपरवाइजर द्वारा बच्चा को उसके मां व परिजनों को सौपा गया।

अक्षय तृतीया पर महिला समाजसेवी ने कुस्ठ आश्रम में वितरण किया नाश्ता

प्रखर वाराणसी। अक्षय तृतीया पर महिला समाजसेवी ने संकटमोचन स्थित कुष्ठ आश्रम में कुष्ठ रोगियों को शनिवार को नाश्ता, मिठाई और ठंडा वितरण किया गया। समान पाकर कुष्ठ रोगियों के चेहरे पर मुस्कान की लहर छा गई। मुख्य कार्यक्रम में सविता सिंह, उमा केजरीवाल, प्रियंवदा सिंह बिना सिंह और सुषमा सिंह उपस्थित रहे।

साहित्य उन्नयन संघ का हुआ गठन

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। 23 अप्रैल 2023, साहित्य एवं संस्कृति के उत्थान हेतु हिन्दी के आदि कवि भारतेन्दु हरीशचंद की अमर उक्ति निज भाषा उन्नति अहै सब उन्नति को मूल को चरितार्थ करते हुए आज आमघाट गांधीपार्क स्थित दिलीप कुमार चौहान 'बागी' के आवास पर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। इस बैठक की अध्यक्षता वरिष्ठ शिक्षक धर्मदेव सिंह यादव ने की। बैठक में साहित्य उन्नयन संघ के पदाधिकारियों का चयन किया गया। जिसमे सर्व सम्मति से अध्यक्ष पद के लिए दिलीप कुमार चौहान 'बागी', उपाध्यक्ष कृष्णानन्द दुबे, महामंत्री यशवंत सिंह यादव, संयुक्त मंत्री दिलीप कुमार 'दीपक', सांस्कृतिक मंत्री आशुतोष श्रीवास्तव का चयन किया गया। इस अवसर पर दिलीप कुमार चौहान 'बागी' को कोषाध्यक्ष तथा यशवंत यादव को मीडिया प्रभारी का अतिरिक्त कार्यभार भी सौंपा गया। महिला प्रकोष्ठ की प्रभारी अध्यापिका सुशीला राय चुनी गई। प्रधान संरक्षक धर्मदेव सिंह यादव, संरक्षक मण्डल में डॉक्टर निरंजन यादव, डॉ. बालेश्वर विक्रम, डॉ. संगीता मौर्या, एजाज अहमद खान का चयन किया गया। इसके अतिरिक्त कार्यकारिणी सदस्य में पारुल राय, अमजद खान, अनामिका राय, सुजीत कुशवाहा और कुमारी सलोनी का चयन किया गया। अध्यक्षीय संबोधन करते हुए धर्मदेव सिंह यादव ने साहित्य उन्नयन संघ के नव निर्वाचित पदाधिकारियों, कार्यकारिणी सदस्यों और संरक्षक मण्डल को शुभकामनाएं दी तथा साहित्य उन्नयन संघ के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं